

4000 करोड़ की रामायणम को लीक करने वालों की लगेगी 'लंका', बॉम्बे हाई कोर्ट का सख्त निर्देश

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 31
न्यूनतम - 20

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 306 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर बुधवार 04 नवम्बर 2026 ● अश्विन शुक्ल 10 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

श्रीनगर से सांसद मेहंदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस छोड़ी

● जनसभा में सांसद पद से इस्तीफे का किया ऐलान

श्रीनगर (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस से श्रीनगर के सांसद आगा रूहुल्लाह मेहंदी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने संसद की सदस्यता भी छोड़ने का ऐलान किया। मंगलवार को बडगाम में जनसभा करके उन्होंने सार्वजनिक रूप से इस्तीफे पर हस्ताक्षर किए। रूहुल्लाह ने कहा- यह आजादी का फैसला है। मैं एक शहीद की विरासत और पाक खून की नस्ल का प्रतिनिधित्व करता हूं। मैं अपनी आजादी के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर रहा हूं। आज दोपहर 2.40 बजे से मैं नेशनल कॉन्फ्रेंस का हिस्सा नहीं हूं। उन्होंने बडगाम में पिता आगा सैयद मेहंदी की 26वीं पुण्यतिथि पर जनसभा बुलाई थी। रूहुल्लाह ने बताया कि वे अपना इस्तीफा मुहम्मद अशरफ मट्टू के जरिए पार्टी को भेजेंगे।



अग्निवीरों के पहले बैच को एक्सटेंशन दे सकती है सरकार

● 21 नवंबर को खत्म होगा कार्यकाल दिल्ली में हुई कई हाईलेवल बैठकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार पहले बैच के कुछ अग्निवीरों की चार साल की सेवा पूरी होने के बाद एक्सटेंशन देने पर विचार कर रही है। यह उन



अग्निवीरों के अलावा होगा, जिन्हें स्थायी रूप से सेना में शामिल किया जाएगा। पहले बैच की चार साल की सेवा 21 नवंबर को खत्म होगी। इससे पहले स्थायी भर्ती की प्रक्रिया चल रही है और एक्सटेंशन के प्रस्ताव पर फैसला होने की उम्मीद है। सोमवार को सामने आई जानकारी के मुताबिक, इस प्रस्ताव पर पिछले कुछ दिनों में कई हाईलेवल बैठकें हो चुकी हैं।

अब आजम खान पर शत्रु संपत्ति मामले में शिकंजा

● आसान नहीं विधानसभा चुनाव से पहले रिहाई

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान को रामपुर जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद एक बार फिर जेल जाना पड़ा है। उनको रामपुर की मौलाना



मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी और जौहर ट्रस्ट से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग केस में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में डासना जेल में भेज दिया गया है। रामपुर में शत्रु संपत्ति पर कब्जे के मामलों ने आजम खान के सामने नई मुसीबतें खड़ी कर दी हैं। प्रवर्तन निदेशालय आजम खान पर इन मामलों को लेकर शिकंजा कस रहा है। आजम खान को रविवार को गाजियाबाद के विशेष प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट कोर्ट ने 14 दिन की ज्यूडीशियल कस्टडी में भेज दिया।

इंडियन नेवी का मुंबई से 3000 किमी दूर सफल ऑपरेशन

● 48 घंटे चला ऑपरेशन, लुटेरों से ईरानी जहाज को बचाया ● सोमालिया के लुटेरों ने क्रू के 20 लोगों का अपहरण किया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना ने सोमाली समुद्री लुटेरों के कब्जे से मछली पकड़ने वाला जहाज अजिनी छुड़ा लिया। नौसेना ने जहाज के 20 ईरानी क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचाया। यह ऑपरेशन सोमवार को पूरा हुआ। 12 हथियारबंद समुद्री लुटेरों ने गुरुवार को सोमालिया के उत्तर-पूर्वी तट जहाज का अपहरण किया था। मुंबई से 3,000 किमी से ज्यादा दूर चले 48 घंटे के ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने भी मदद की। भारतीय नौसेना ने अजिनी को खोजकर रोका। इसके बाद जहाज



और उसके क्रू को समुद्री लुटेरों से छुड़ाया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय नौसेना को सफल ऑपरेशन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना ने समय पर मदद की। आशंका थी कि लुटेरे इसका इस्तेमाल व्यापारिक जहाजों पर आगे हमले करने के लिए करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक, अपहरण के समय जहाज पर 21 ईरानी क्रू सदस्य और दो सोमाली सुरक्षा गार्ड थे। इस तरह जहाज पर कुल 23 लोग सवार थे। अजिनी का अपहरण अदन की खाड़ी और पश्चिमी हिंद महासागर में सोमाली समुद्री लूट की घटनाएं बढ़ने के बीच हुआ। हाल के महीनों में कई व्यापारिक जहाजों पर हमले हुए हैं।

छोटे शहरों को भी विकास के केंद्र के रूप में तैयार करना होगा

● मोदी बोले-पहले गरीबी खत्म करने के वादे होते थे, अब जमीनी स्तर पर काम हो रहा



नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश की कई पीढ़ियों ने गरीबी खत्म करने के वादे सुने हैं। पहले गरीबी के खिलाफ लड़ाई सिर्फ नारों तक सीमित थी, लेकिन अब इसे खत्म करने के लिए जमीन पर काम हो रहा है। उन्होंने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पुणे मेट्रो की करीब 21,800 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस भी शामिल हुए। आज दुनिया में भारत की चर्चा दो और वजहों से हो रही है। पहली, दुनिया में मुश्किल हालात के बावजूद भारत सबसे तेज आर्थिक विकास करने वाला देश बना हुआ है। दूसरी, सिर्फ 10 से 12 साल में भारत के 50 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर आए हैं। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट में भी इसका जिक्र किया गया है।

महाराष्ट्र में खराब मौसम से कई किसान परेशान हैं

महाराष्ट्र में खराब मौसम से कई किसान परेशान हैं। देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में पिछले कुछ सालों में जल संरक्षण के लिए काम हुआ है, लेकिन प्राकृतिक आपदा से किसानों को नुकसान हुआ है। इस मुश्किल समय में एनडीए सरकार किसानों की हर संभव मदद करेगी। देश के सैकड़ों छोटे शहरों को भी विकास के केंद्र के रूप में तैयार करना होगा। इसी सोच के साथ इस साल फरवरी में अर्बन चैलेंज फंड को मंजूरी दी गई थी।

पुणे मेट्रो की लाइन-3 करीब 23 किलोमीटर लंबी है

पुणे मेट्रो की लाइन-3 यानी पिंक लाइन करीब 23 किलोमीटर लंबी है। यह मान से डिस्ट्रिक्ट कोर्ट मेट्रो स्टेशन तक जाती है। इससे हिंजवड़ी हब और शिवाजीनगर के बीच मेट्रो सेवा शुरू होगी। इससे हजारों कर्मचारियों और दूसरे यात्रियों को आने-जाने में आसानी होगी। पीएम ने पुणे मेट्रो के दूसरे फेज की आधारशिला भी रखी। इस पर करीब 13,500 करोड़ खर्च होंगे। इसमें मेट्रो की लाइन 2ए, 2बी, 4 और 4ए बनाई जाएंगी। इनके शुरू होने से शहर के रिहायशी, व्यावसायिक और अन्य इलाकों के बीच सफर आसान होगा।

एक जगह अनिश्चितकाल तक धरना नहीं दे सकते

सुप्रीम कोर्ट बोला-प्रदर्शन एक का नहीं, सबका अधिकार

दिल्ली में हुए प्रदर्शनों को लेकर सीजेआई की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने विरोध प्रदर्शनों, लोगों को बड़ी संख्या में हिरासत में लेने, पुलिस की बर्बरता, मेट्रो स्टेशनों को बंद करने और इंटरनेट बंद किए जाने के खिलाफ व्यापारियों की याचिकाओं पर आज मंगलवार को सुनवाई की। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, आप किसी जगह पर हमेशा के लिए कब्जा नहीं कर सकते। अन्य प्रदर्शनकारी भी हैं। किसान या वकील कहां जाएंगे। हर किसी को विरोध करने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी पिछले महीने दिल्ली के जंतर-मंतर पर विपक्षी दलों और अन्य लोगों द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के खिलाफ



किए गए बड़े विरोध प्रदर्शन की सुनवाई के दौरान आई, जब उस जगह से विरोध प्रदर्शन स्थल का दर्जा हटाए जाने की प्रक्रिया चल रही थी।

व्यापारियों ने कहा- त्योहारों में 2000 करोड़ का नुकसान

सुनवाई के दौरान दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि प्रदर्शनों के कारण दिल्ली में कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। त्योहारों के सीजन में दुकानें बंद रहीं और बिक्री घट गई। उन्होंने दावा किया कि कारोबारियों को करीब 2,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अगर त्योहारों के सीजन में बिक्री नहीं होगी तो व्यापारियों और उनसे जुड़े लोगों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने कोर्ट से अगले दो महीने तक किसी भी तरह के प्रदर्शन या धरने पर रोक लगाने की मांग की।

त्रिपुरा में बीएसएफ जवानों पर तस्करों का हमला

● 3 घायल, अब तक 8 गिरफ्तार, ढाई साल में ऐसी 3 घटनाएं

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के आशाबाड़ी बॉर्डर आउटपोस्ट के पास सोमवार को कुछ तस्कर अवैध सामान ले जाने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान



बीएसएफ की 49वीं बटालियन के जवानों ने उनका पीछा किया और एक संदिग्ध को पकड़ लिया। उसकी पहचान हिफजुर रहमान के रूप में हुई है। इसी दौरान रहीमपुर कांतामुरा बॉर्डर आउटपोस्ट से बीएसएफ के 3 जवान गाड़ी से बॉक्सानगर जा रहे थे। रास्ते में तस्करों के एक समूह ने उन्हें घेरकर हमला कर दिया।

भारत ने पहली बार एक लॉन्चर से 2 मिसाइलें दागीं

● 500 किमी दूर 2 टारगेट किया तबाह, टेस्ट रहा सफल

नई दिल्ली (एजेंसी)। डीआरडीओ ने ओडिशा के चांदीपुर से प्रलय मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इसकी खासियत यह है कि एक ही लॉन्चर से 2 मिसाइलें लगातार दागी जा सकती हैं। 500 किलोमीटर तक मार करने वाली यह मिसाइल दुश्मन के अलग-



अलग ठिकानों को निशाना बना सकती है। इसे क्वासी-बैलेस्टिक मिसाइल कहा जाता है, क्योंकि यह उड़ान के दौरान अपना रास्ता भी बदल सकती है। इस परीक्षण के पहले 2 किमी के दायरे में रहने वाले लोगों को वहां से हटा दिया गया था। रूस और अमेरिका पहले से ही इस तरह की मल्टी-मिसाइल लॉन्च क्षमता वाले सिस्टम विकसित कर चुके हैं। हालांकि, भारत ने यह क्षमता अपनी स्वदेशी तकनीक से विकसित की है। आम बैलिस्टिक मिसाइल सीधे ऊपर जाकर फिर नीचे आती है, रास्ता पहले से पता चल जाता है।

विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब में अकाली-बीजेपी गठबंधन लगभग तय!

● दीवाली के बाद लगेगी मुहर, दोनों पार्टियां हैं तैयार ● बठिंडा रैली में पीएम मोदी खुद कर सकते हैं ऐलान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी और अकाली दल के बीच गठबंधन को लेकर चर्चाएं तेज हैं। इस बीच दोनों पूर्व एनडीए सहयोगियों के बीच गठबंधन पर अंतिम फैसला दिवाली के आसपास होने की उम्मीद है। पीएम मोदी खुद इस गठबंधन को लेकर ऐलान कर सकते हैं। बता दें कि इस घोषणा को एक ऐतिहासिक रूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बठिंडा में एक विशाल रैली कराने की तैयारी भी चल रही है। बताया जा रहा है कि इस रैली में पीएम मोदी अकाली दल और बीजेपी के बीच गठबंधन को लेकर ऐलान कर



सकते हैं। हालांकि, सीटों के बंटवारे को लेकर अभी अंतिम स्थिति स्पष्ट नहीं है। सूत्रों की मानें तो बीजेपी 45 से 50 सीटों पर समझौता कर सकती है। शेष बची सीटों पर अकाली दल अपने उम्मीदवार उतार सकता है।

शाह ने 9 दिन में दूसरी बार कही एनडीए सरकार की बात

अमित शाह ने नौ दिनों के भीतर दूसरी बार पंजाब में एनडीए सरकार बनने की बात कही है। उन्होंने पहली बार 24 अक्टूबर को दिल्ली में यमुना पुनरुद्धार परियोजनाओं के शुभारंभ के दौरान यह बयान दिया था। इसके बाद चंडीगढ़ प्रशासन के एक कार्यक्रम में भी उन्होंने पंजाब में एनडीए सरकार बनने की बात दोहराई। खास बात यह रही कि उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत में ही पंजाब में एनडीए सरकार का उल्लेख किया। बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता ने गठबंधन की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा कि सकारात्मक संकेत हैं।

मोदी-शाह और बादल परिवार की मुलाकात पर नजर

मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित होने वाला एक कार्यक्रम भी पंजाब की राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह कार्यक्रम बीजेपी उपाध्यक्ष मनप्रीत सिंह बादल की बेटी रिया और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता करण सिंह के पोते आरके मार्तंड सिंह के स्वागत के लिए आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम कैप्टन अमरिंदर सिंह की बेटी जय इंदर कौर के आवास पर होगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पंजाब बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं, अकाली अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल और उनकी पत्नी तथा बठिंडा की सांसद हरसिमरत कौर बादल के शामिल होने की उम्मीद है। पंजाब चुनाव के लिए बीजेपी ने अपनी रणनीति और संभावित सीटों का आंकलन शुरू कर दिया है। पार्टी के एक सूत्र के मुताबिक, बीजेपी ने 117 विधानसभा सीटों में से 80 सीटों की सूची तैयार की है जहां उसे जीत की बेहतर संभावना दिखाई देती है।

होर्मुज में भारतीय जहाज पर हमला, एक की मौत

● 14 भारतीय सवार थे, 13 इंडियनों को बचाया गया

ओमान (एजेंसी)। होर्मुज स्ट्रेट में 2 नवंबर को एक भारतीय जहाज पर हमला हुआ। इसमें गुजरात के एक नाविक की मौत हो गई। जहाज पर सवार बाकी 13 भारतीयों को ओमान के कोस्ट गार्ड ने सुरक्षित बचा लिया। मृतक की पहचान गांधार नाहीम अजीज के रूप में हुई है।



जहाज का नाम अल जुसुफी है। हमला कैसे हुआ और किसने किया इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हमले के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना बंद होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर जहाजों की आवाजाही और कारोबार बिना किसी रुकावट के जारी रहना चाहिए। ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा एजेंसी के मुताबिक, इस साल अक्टूबर में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास जहाजों पर 30 से ज्यादा हमले हुए।

आरएसएस के 3 साल का एजेंडा तय, 5 मुद्दों पर फोकस

● जेन-जी आंदोलन पर सुनील आंबेकर बोले-देशहित में होना चाहिए ● संघ पदाधिकारियों की महिलाओं-युवाओं को जोड़ने पर भी चर्चा

इंदौर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अगले तीन साल सामाजिक समरसता, पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली, कुटुंब प्रबोधन, स्व का भाव और नागरिक कर्तव्य जैसे पांच विषयों पर फोकस करेगा। संघ ने इन्हें पंच परिवर्तन नाम दिया है। शताब्दी वर्ष के दौरान इन विषयों को समाज तक पहुंचाने के लिए गृह संपर्क अभियान, सम्मेलन और विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इंदौर में सोमवार को शुरू हुई अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की तीन दिवसीय बैठक में इन कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ आगामी तीन वर्षों की कार्ययोजना पर मंथन हुआ। बैठक के बाद अखिल



● देशभर में 1.01 लाख से ज्यादा दैनिक शाखाएं- आंबेकर के मुताबिक, देशभर में संघ की दैनिक शाखाओं की संख्या बढ़कर 1 लाख 1 हजार 151 हो गई है। साप्ताहिक और मासिक मिलन को मिलाकर संघ का काम 1 लाख 10 हजार 849 स्थानों तक पहुंच गया है।

भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने जेन-जी आंदोलन से जुड़े सवाल पर कहा कि देश में कोई आवाज उठाता है तो संघ को पक्ष-विपक्ष के नजरिए से क्यों देखा जाता है।

महिलाओं और युवाओं को जोड़ने पर चर्चा

शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी रही। बैठक में इस अनुभव के आधार पर महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए नए कार्यक्रमों और उपक्रमों पर विचार किया गया। युवाओं को जोड़ने के लिए शहरों, गांवों और कॉलेज कैंपस में आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा हुई। इनमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और अन्य युवाओं ने हिस्सा लिया था। बैठक के एजेंडे में युवाओं में नशीली दवाओं के बढ़ते चलन पर चिंता और इससे निपटने के प्रयास भी शामिल रहे। आंबेकर ने कहा कि नशे की समस्या से निपटने के लिए सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर प्रयास जरूरी हैं। युवाओं को नशीली दवाओं से दूर रखने के लिए सामाजिक और शैक्षणिक संस्थाओं के माध्यम से जागरुकता अभियान चलाने पर विचार होगा।

अमित शाह से मिले चिरंजीवी और राम चरण

बोले-एआई और डीपफेक तकनीक से कलाकारों को खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलुगु सुपरस्टार चिरंजीवी और उनके बेटे राम चरण ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों कलाकारों ने फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक तकनीक के बढ़ते गलत इस्तेमाल पर चिंता जताई। चिरंजीवी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस मुलाकात की जानकारी दी। गृह मंत्री अमित शाह ने उनकी बातों को गंभीरता से सुनते हुए सरकार की ओर से सख्त नियम और कड़े दंड का प्रावधान करने का आश्वासन दिया। साथ ही, मामले में औपचारिक लिखित आवेदन जमा करने की सलाह दी। चिरंजीवी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि गृह मंत्री अमित शाह से मिलना उनके लिए सम्मान की बात थी। उन्होंने



गृह मंत्री को बताया कि डीपफेक और एआई का गलत इस्तेमाल कलाकारों के अधिकारों, आत्मसम्मान और क्रिएटिव कंटेंट के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। चिरंजीवी के मुताबिक, अमित शाह ने पूरे मामले को ध्यान से सुना और आश्वस्त किया कि सरकार इस पर जल्द से जल्द कड़े कदम उठाएगी।

अनमोल वचन

संसार में जितनी भी योनियां हैं उनमें मनुष्य सर्वश्रेष्ठ योनि है। इस योनि में मनुष्य कर्म भी करता है और अपने पूर्व जन्मों के कर्मों के फल को भाग्य के रूप में भोगता भी है। जबकि अन्य योनियों में जीव केवल अपने पूर्व जन्मों के संचित कर्मों के फलों को भोगता है। कर्मों के फल निःसन्देह सभी को प्राप्त होते हैं। कर्म चाहे आज के हों अथवा पूर्व जीवन के उनका फल असंदिग्ध है। परिणाम से मनुष्य बच नहीं सकता। दुष्कर्मों का फल दुख, पीड़ा, अभाव और दुर्भाग्य के रूप में जिस प्रकार जीव को भोगना पड़ता है उसी प्रकार शुभ कर्मों के फलस्वरूप उसे श्री, सौभाग्य और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। यह सुअवसर जिसे प्राप्त हो वह सच्चा भाग्यशाली है और इसके लिये किसी दैव के भरोसे बैठना नहीं पड़ता। कर्मों का सम्पादन मनुष्य स्वयं करता है। इस प्रकार अपने अच्छे-बुरे का निर्णायक भी वही है। अपने भाग्य को वह अपने कर्मों द्वारा बनाता-बिगाड़ता है। हमारे लिये श्रेयस्कर यही है कि हम सत्कर्मों के द्वारा अपना भविष्य सुधार लें। जो इस सच्चाई को समझ लेंगे और उस पर आचरण करेंगे उनको कभी दुर्भाग्य का रोना नहीं रोना पड़ेगा।

ऑपरेशन लंगड़ा: मुजफ्फरनगर में ट्रांसफार्मर चोर गिरोह से पुलिस की मुठभेड़, बदमाश गोली लगने से घायल

शाहनवाज के पैर में लगी गोली, कॉम्बिंग के दौरान दो साथी गिरफ्तार, चार दिन पहले ही जेल से छूटा था घायल

बदमाश, ट्रांसफार्मर की कॉइल, तांबे के बंडल, ई-रिक्शा और तमंचा बरामद, कई चोरी की वारदातों का खुलासा

मुजफ्फरनगर। बिजली के ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाकर कॉइल और कीमती तांबा चोरी करने वाले गिरोह पर मुजफ्फरनगर पुलिस ने बड़ी चोट की है। एसएसपी सूरज कुमार राय के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन लंगड़ा के तहत नगर कोतवाली पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में शातिर बदमाश शाहनवाज पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसके दो साथियों को घेराबंदी और कॉम्बिंग अभियान के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए आरोपियों में ताहिर ऐसा बदमाश है, जिसके खिलाफ 25 मुकदमे दर्ज हैं, जबकि घायल शाहनवाज महज चार दिन पहले ही जेल से बाहर आया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का सामान, ट्रांसफार्मर की कॉइल, तांबे के बंडल, ई-रिक्शा और 315 बोर का तमंचा व कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में ट्रांसफार्मर चोरी की कई वारदातों का खुलासा हुआ है। पानीपत-खटीमा मार्ग पर चेकिंग के दौरान बदमाशों से आमना-सामना

सीओ सिटी सिद्धार्थ के. मिश्रा ने बताया कि शहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम पानीपत-खटीमा मार्ग पर चेकिंग कर रही थी। टीम में उपनिरीक्षक मिलन चौधरी, नवीन कुमार और हिमांशु शर्मा के साथ कांस्टेबल रवि कुमार, कोहल कुमार, राजू, रोहन, अश्वनी, राशिद अली और सुधीर शामिल थे। पुलिस टीम संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान बदमाशों से पुलिस का सामना हो गया। पुलिस के अनुसार बदमाशों ने टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें शाहनवाज के पैर में गोली लग गई। गोली लगने से घायल बदमाश को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भिजवा दिया।

घेराबंदी के बाद कॉम्बिंग, दो अन्य बदमाश भी दबोचे

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने फरार आरोपियों की तलाश में आसपास के क्षेत्र में घेराबंदी कर कॉम्बिंग अभियान चलाया। इस दौरान गिरोह के दो अन्य सदस्यों ताहिर और आरिश को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक तीनों आरोपी ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले गिरोह से जुड़े हुए हैं। उनके कब्जे से बरामद सामान को चोरी की वारदातों से जोड़कर जांच की जा रही है।ताहिर पर 25 मुकदमे, शाहनवाज चार दिन पहले ही जेल से आया था बाहर



पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ताहिर पुत्र यासीन निवासी जैन नगर, खतौली, हाल निवासी न्याजीपुरा के रूप में हुई है। ताहिर के खिलाफ विभिन्न मामलों में 25 मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। दूसरे आरोपी की पहचान शाहनवाज पुत्र रफीक उर्फ भूरा निवासी मोहल्ला चमारान, खादरवाला के रूप में हुई है। उसके खिलाफ दो मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार शाहनवाज चार दिन पहले ही जेल से छूटकर बाहर आया था। पुलिस मुठभेड़ में उसके पैर में गोली लगी है। तीसरे आरोपी आरिश पुत्र जिंदा निवासी चमारान, खादरवाला थाना खालापार के खिलाफ एक मुकदमा दर्ज बताया गया है। तीनों आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

ट्रांसफार्मर की कॉइल और तांबे के बंडल सहित ई-रिक्शा बरामद

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक ई-रिक्शा, तांबे के बंडल, ट्रांसफार्मर की कॉइल, 315 बोर का तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस का मानना है कि गिरोह ट्रांसफार्मरों से कॉइल और तांबा निकालकर चोरी के माल को इधर-उधर ले जाने और ठिकाने लगाने का काम करता था। बरामद ई-रिक्शा की भूमिका और उसमें मिले सामान के संबंध में भी जांच की जा रही है।

कई चोरी की घटनाओं का खुलासा, अन्य साथियों की तलाश में पुलिस

पुलिस अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में ट्रांसफार्मर चोरी की कई घटनाओं की जानकारी मिली है। पुलिस अब इन वारदातों के स्थान, चोरी किए गए सामान और गिरोह के अन्य संभावित सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि गिरोह ने मुजफ्फरनगर के अलावा आसपास के जनपदों में कितनी घटनाओं को अंजाम दिया है।

बृजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम को मिली सफलता

पूरी कार्रवाई शहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में की गई। टीम में उपनिरीक्षक मिलन चौधरी, नवीन कुमार, हिमांशु शर्मा तथा कांस्टेबल रवि कुमार, कोहल कुमार, राजू, रोहन, अश्वनी, राशिद अली और सुधीर शामिल रहे। सीओ सिटी सिद्धार्थ के. मिश्रा ने कार्रवाई की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है और चोरी की अन्य वारदातों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। एसएसपी सूरज कुमार राय के निर्देशन में चल रहे ऑपरेशन लंगड़ा के तहत हुई इस कार्रवाई से ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले गिरोह पर शिकंजा कसने की उम्मीद है। पुलिस का कहना है कि जनपद में चोरी, लूट और अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल बदमाशों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

कोचिंग से घर लौट रही युवती को डरा-धमकाकर बाइक पर ले जाने का आरोप, मुकदमा दर्ज

परासौली बस स्टैंड पर सवारी का इंतजार कर रही थी युवती, तलाश के दौरान खेत के पास मिली; पिता की शिकायत पर गांव के युवक के खिलाफ पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र में कोचिंग सेंटर से पढ़ाई कर घर लौट रही करीब 19 वर्षीय युवती को डरा-धमकाकर मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव का ही एक युवक युवती को गलत नीयत से अपने साथ ले गया। काफी तलाश करने के बाद युवती खेत के पास मिली। घटना के संबंध में पीड़िता के पिता ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में पीड़िता के पिता ने बताया कि उनकी बेटी कक्षा 12 तक पढ़ी है और पिछले करीब दो महीने से बुढ़ाना स्थित राजीव गांधी कोचिंग सेंटर में पढ़ाई कर रही है। वह प्रतिदिन गांव से रिक्शा या बस के माध्यम से कोचिंग आती-जाती है।

बस स्टैंड पर सवारी का इंतजार कर रही थी युवती

पिता के अनुसार 27 अक्टूबर को उनकी बेटी कोचिंग से लौटते समय बुढ़ाना से परासौली बस स्टैंड पर उतरी थी। वहां से गांव जाने के लिए वह सवारी का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान दोपहर करीब दो बजे उनके ही गांव का मोनू मोटरसाइकिल लेकर वहां पहुंचा। आरोप है कि युवक ने युवती को डरा-धमकाकर गलत नीयत से अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाया और अपने साथ ले गया।

तलाश के दौरान खेत के पास मिली युवती

पिता ने बताया कि बेटी के घर नहीं पहुंचने पर उन्होंने उसकी आसपास और अन्य संभावित स्थानों पर काफी तलाश की। तलाश के दौरान युवती गांव में ही एक व्यक्ति के खेत के पास मिली। इसके बाद पिता उसे अपने घर ले आए। घटना के समय युवती की स्थिति ऐसी नहीं थी कि वह कुछ बता सके। बाद में जब उसने अपने पिता को पूरी घटना की जानकारी दी तो परिवार के लोग परेशान हो गए।

आरोपी के घर शिकायत करने पहुंचे पिता को धमकाने का आरोप

पीड़ित पिता ने तहरीर में बताया कि बेटी से पूरी जानकारी मिलने के बाद वह आरोपी के घर पहुंचे और उसके परिजनों को घटना के बारे में बताया। आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने उन्हें धमकाया। इसके बाद पिता ने बुढ़ाना कोतवाली पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

पुलिस ने पिता की तहरीर के आधार पर आरोपी मोनू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की पड़ताल कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

तेज रफ्तार निजी बस ने 13 वर्षीय छात्रा की साइकिल में मारी जोरदार टक्कर, काफी दूर तक सड़क पर घसीटती चली गई बस

ट्यूशन पढ़कर घर लौट रही थी छात्रा, वाजिदपुर कवाली मोड़ पर हुआ भीषण हादसा; हालत गंभीर, आनंद अस्पताल में चल रहा उपचार, बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। जानसठ कोतवाली क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से दौड़ रही एक निजी बस ने साइकिल से घर लौट रही 13 वर्षीय छात्रा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि छात्रा और उसकी साइकिल बस में उलझ गए। आरोप है कि चालक ने बस रोकने के बजाय छात्रा को साइकिल समेत काफी दूर तक सड़क पर घसीट दिया। हादसे में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे उपचार के लिए मुजफ्फरनगर के आनंद अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद पीड़िता के पिता की तहरीर पर जानसठ पुलिस ने बस के अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

ट्यूशन पढ़कर साइकिल से घर लौट रही थी छात्रा

ग्राम वाजिदपुर कवाली निवासी श्यामलाल सैनी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी 13 वर्षीय पुत्री एक नवंबर को सुबह करीब 11 बजे जानसठ से ट्यूशन पढ़कर अपनी साइकिल से घर लौट रही थी। जब वह वाजिदपुर कवाली मोड़ के पास पहुंची तो इसी दौरान वहां से गुजर रही एक निजी बस ने उसकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी।

साइकिल समेत बस में उलझी छात्रा, सड़क पर घसीटने का आरोप

पीड़िता के पिता के अनुसार बस का पंजीकरण नंबर यूपी-16-बीटी-7035 है। आरोप है कि बस चालक वाहन को अत्यधिक तेज गति और लापरवाही से चला रहा था। टक्कर लगने के बाद उनकी बेटी और उसकी साइकिल बस में उलझ गए। इसके बावजूद चालक ने तत्काल बस रोकने के बजाय वाहन को आगे बढ़ाना जारी रखा, जिससे छात्रा साइकिल समेत काफी दूर तक सड़क पर घसीटती चली गई।

गंभीर हालत में आनंद अस्पताल में भर्ती, साइकिल भी क्षतिग्रस्त

हादसे में छात्रा को गंभीर चोटें आई हैं। दुर्घटना के बाद उसे उपचार के लिए मुजफ्फरनगर के आनंद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी की हालत बेहद नाजुक है। हादसे में उसकी साइकिल भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

पिता की तहरीर पर बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

घटना से परेशान पिता श्यामलाल सैनी ने दो नवंबर को जानसठ कोतवाली पहुंचकर बस चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए लिखित शिकायत दी। पुलिस ने बस संख्या यूपी-16-बीटी-7035 के चालक के खिलाफ तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब हादसे से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। बस चालक की पहचान और दुर्घटना की परिस्थितियों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। उधर, गंभीर रूप से घायल छात्रा के अस्पताल में उपचाराधीन होने से परिवार में चिंता का माहौल है।

पूर्व चेयरमैन लक्ष्मीचंद त्यागी की पुण्यतिथि पर विशाल स्वास्थ्य कैंप आयोजित



बुढ़ाना । बुढ़ाना कस्बे के स्वामी कल्याणदेव कन्या इंटर कॉलेज में जिला बार संघ के अध्यक्ष प्रमोद त्यागी के पिता पूर्व चेयरमैन स्व. लक्ष्मी चंद त्यागी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में निशुल्क चिकित्सा एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गाजियाबाद के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ ब्रजपाल त्यागी ने फीता काटकर किया। बुढ़ाना नगर पंचायत के प्रथम चेयरमैन रहे स्व. लक्ष्मी चंद त्यागी की 15वीं पुण्यतिथि पर आयोजित चिकित्सा शिविर का शुभारंभ यज्ञ हवन के साथ किया गया। गाजियाबाद से आए डॉ ब्रजपाल त्यागी के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने स्वामी कल्याणदेव इंटर कॉलेज में नाक, कान, गला, आंख, त्वचा, हार्ट आदि के 460 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की। अधिकांश मरीजों को दवाइयों का निशुल्क वितरण किया गया। शिविर के दौरान लगभग 44 यूनिट रक्तदान भी किया गया। पूर्व चेयरमैन की पुत्रवधु एवं मौजूदा नगर पंचायत चेयरमैन उमा त्यागी ने कहा कि बाबू जी के जनसेवा के सपनों को पूरा करना ही हमारा सबसे बड़ा धर्म है। कार्यक्रम के समापन पर रक्तदान करने वाले युवाओं का आभार व्यक्त करते हुए चिकित्सकों की टीम को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान पूर्व सपा जिलाध्यक्ष प्रमोद त्यागी, पूर्व डीसीडीएफ चेयरमैन सुबोध त्यागी, पुनीत गर्ग, एडवोकेट अभिनव त्यागी, रालोद नेता बाली त्यागी, पूर्व बार संघ अध्यक्ष विनोद त्यागी, राधेश्याम ठेकेदार, अंकुर त्यागी, सभासद इमरान कुरैशी, प्रवीण कुमार, राशिद मंसूरी, पुरुषोत्तम त्यागी, दीपक प्रजापति, राजू पांचाल आदि मौजूद रहे।

बी-फामेर्सी की फर्जी डिग्री थमाकर 4.36 लाख रुपये हड़पने का आरोप, कॉलेज चेयरमैन इमलाख खान के खिलाफ मुकदमा

बरला स्थित बाबा इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी में वर्ष 2020 में लिया था दाखिला, दूसरे कॉलेज से डिग्री दिलाने का दिया था भरोसा; जांच में डिग्री फर्जी मिलने का दावा, एसएसपी से शिकायत के बाद कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। जिले में शिक्षा के नाम पर धोखाधड़ी का एक गंभीर मामला सामने आया है। चरथावल निवासी एक युवक ने बरला स्थित बाबा इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी के डायरेक्टर एवं चेयरमैन इमलाख खान पर बी-फामेर्सी की फर्जी डिग्री देने और फीस के नाम पर 4 लाख 36 हजार रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि आरोपी ने उसे दूसरे कॉलेज से बी-फामेर्सी की पढ़ाई और डिग्री दिलाने का भरोसा दिया था, लेकिन वर्ष 2024 में उसे मोगा (पंजाब) के एक कॉलेज का प्रमाणपत्र, यूपी फामेर्सी काउंसिल का ग्रीन कार्ड और रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र थमा दिया। बाद में संबंधित कॉलेज और ऑनलाइन माध्यम से जानकारी करने पर डिग्री फर्जी होने का पता चला। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वर्ष 2020 में लिया था बी-फामेर्सी में दाखिले के लिए संपर्क

चरथावल कस्बे के मदनी नगर निवासी मौहम्मद तालिब पुत्र शमशाद ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में बताया कि उसने वर्ष 2020 में थाना छपार क्षेत्र के गांव बरला स्थित बाबा इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी में बी-फामेर्सी में दाखिले के लिए संस्थान के डायरेक्टर एवं चेयरमैन इमलाख खान से संपर्क किया था। आरोप है कि इमलाख खान ने उसे बी-फामेर्सी की फीस 90 हजार रुपये प्रतिवर्ष बताई थी। इसके बाद उससे अलग-अलग किस्तों में कुल 4 लाख 36 हजार रुपये नकद और अन्य मदों में वसूल किए गए।

सीट फुल होने की बात कहकर दूसरे कॉलेज से डिग्री दिलाने का भरोसा

पीड़ित के अनुसार दाखिले के दौरान इमलाख खान ने बताया था कि उसके कॉलेज की बी-फामेर्सी की सीटें पूरी हो चुकी हैं। इसलिए वह उसकी पढ़ाई और डिग्री किसी दूसरे कॉलेज से करवा देगा, जबकि उसे बाबा इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी में नियमित रूप से कक्षाएं लेने के लिए आते रहना होगा। पीड़ित का आरोप है कि वह आरोपी की बातों पर भरोसा करता रहा और हर साल उसके बताए अनुसार पैसे देता रहा। तालिब ने शिकायत में यह भी बताया कि इस दौरान कुछ समय तक आरोपी का कॉलेज बंद भी रहा था। उस समय इमलाख खान के तिहाड़ जेल में होने की जानकारी उसे मिली थी। इसके बावजूद वह अपनी पढ़ाई और डिग्री पूरी होने की उम्मीद लगाए रहा। वर्ष 2024 में थमाए गए प्रमाणपत्र, जांच में फर्जी होने का दावा

पीड़ित ने बताया कि वर्ष 2024 में जब उसने अपनी बी-फामेर्सी की डिग्री के संबंध में इमलाख खान से संपर्क किया तो उसे कॉलेज बुलाया गया। आरोप है कि वहां उसे एमएलएम कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मोगा (पंजाब) का बी-फामेर्सी का प्रमाणपत्र, उत्तर प्रदेश फामेर्सी काउंसिल का ग्रीन कार्ड और रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र दे दिया गया। तालिब के अनुसार बाद में उसे जानकारी मिली कि इमलाख खान को थाना छपार पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इसके बाद वह अपनी डिग्री की वास्तविकता जानने के लिए संबंधित संस्थान पहुंचा और ऑनलाइन माध्यम से भी जानकारी जुटाई। आरोप है कि जांच-पड़ताल में उसकी बी-फामेर्सी की डिग्री फर्जी निकली। इसके बाद उसे अपने साथ हुई कथित धोखाधड़ी का पता चला।

अन्य विद्यार्थियों के प्रमाणपत्र भी रखे होने का लगाया आरोप

शिकायतकर्ता ने अपनी तहरीर में यह भी आरोप लगाया कि जब वह बाबा इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी पहुंचा तो वहां उसे अपने जैसे कई अन्य विद्यार्थी मिले। इनमें से कुछ विद्यार्थियों के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के मूल प्रमाणपत्र भी संस्थान संचालक द्वारा अपने पास रखे जाने की जानकारी मिली। पीड़ित ने आशंका जताई कि उसके साथ ही अन्य विद्यार्थियों को भी इसी तरह ठगी का शिकार बनाया गया हो सकता है।

एसएसपी से शिकायत के बाद मुकदमा दर्ज, जांच शुरू

मोहम्मद तालिब ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत करते हुए आरोप लगाया कि इमलाख खान ने बी-फामेर्सी की डिग्री दिलाने का झांसा देकर उससे 4.36 लाख रुपये हड़प लिए और फर्जी शैक्षिक प्रमाणपत्र देकर धोखाधड़ी की। उसने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। शिकायत पर क्षेत्राधिकारी सदर को प्रकरण की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अब पुलिस संबंधित कॉलेज, डिग्री, फामेर्सी काउंसिल के पंजीकरण और फीस के नाम पर ली गई धनराशि से जुड़े तथ्यों की पड़ताल करेगी। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खेत में पानी चलाने को लेकर पारिवारिक रंजिश, चाचा और चचेरे भाई ने युवक को पीटा

बड़ौदा गांव में घर के सामने हुई मारपीट में गौरव घायल, जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप; पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के गांव बड़ौदा में खेत में पानी चलाने और खेती के काम को लेकर चल रही पारिवारिक रंजिश के चलते एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवक के सगे चाचा और चचेरे भाई ने उसके घर के सामने ही उसके साथ मारपीट की, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

आरोपियों ने मारपीट के दौरान युवक को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित की शिकायत पर बुढ़ाना कोतवाली पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव बड़ौदा निवासी गौरव पुत्र जीत सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके चाचा ब्रजेश पुत्र श्रीनिवास और चचेरे भाई सन्नी पुत्र ब्रजेश उससे तथा उसके परिवार से पारिवारिक रंजिश रखते हैं।

आरोप है कि दोनों के साथ खेत में पानी चलाने और खेती के कार्यों को लेकर आए दिन विवाद होता रहता है।

इसी रंजिश के चलते परिवार में तनाव बना हुआ है।

घर के सामने घेरकर की मारपीट, हाथ-पैर में आई चोटें

गौरव के अनुसार एक नवंबर को दोपहर करीब एक बजे वह अपने घर के पास मौजूद था। इसी दौरान उसके चाचा ब्रजेश और चचेरे भाई सन्नी ने अपने घर के सामने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि दोनों ने उसके साथ जमकर मारपीट की, जिससे उसके हाथ-पैर में गंभीर चोटें आईं। अचानक हुई मारपीट से वह घायल हो गया।

जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप

पीड़ित ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि मारपीट करने के बाद दोनों आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। इस घटना के बाद से उसे अपनी जान और माल का खतरा बना हुआ है।

पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की।

दो नवंबर को दी गई तहरीर, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

घटना के संबंध में गौरव ने दो नवंबर को बुढ़ाना कोतवाली में लिखित शिकायत दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चाचा ब्रजेश और चचेरे भाई सन्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में पुलिस की ओर से अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

निमार्णाधीन मकान की शिकायत करने पर किसान पर धारदार हथियारों से हमला, सिर पर किए कई वार

चरथावल के मुर्दापट्टी मोहल्ले में चार लोगों पर एकराय होकर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला करने का आरोप, दो लोगों ने बचाई जान; पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया

मुजफ्फरनगर। चरथावल कस्बे के मोहल्ला मुर्दापट्टी में निमार्णाधीन मकान की शिकायत करने की रंजिश में एक किसान पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि सुबह घर से दूसरे मकान पर जा रहे किसान को रास्ते में घेरकर चार लोगों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमलावरों ने किसान के सिर पर धारदार हथियारों से कई वार किए, जिससे वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे दो लोगों ने किसी तरह उसे हमलावरों के चंगुल से छुड़ाया। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर चरथावल पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रास्ते में रोककर की गाली-गलौज, शिकायत करने पर जताई नाराजगी

चरथावल के मोहल्ला मुर्दापट्टी निवासी किसान इसरार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दो नवंबर की सुबह करीब सात बजे वह अपने घर से दूसरे मकान पर जा रहे थे। जब वह सरताज के मकान के पास मोड़ पर पहुंचे तो कुछ दूरी पर अपने मकान से उन्हें देखकर तसनीम उर्फ लल्ला पुत्र मुस्तफा दौड़ता हुआ उनके पास आ गया।आरोप है कि तसनीम ने आते ही उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और कहा कि उन्होंने उसके तालाब के पास बन रहे निमार्णाधीन मकान की शिकायत की थी, इसलिए अब उनकी खैर नहीं है। पीड़ित के अनुसार तसनीम ने शोर मचाकर कुछ दूरी पर पहले से मौजूद अपने साथियों को मौके पर बुला लिया। इनमें वसीम, जुनेद और आरिफ शामिल थे। आरोप है कि सभी लोग एक साथ उनकी तरफ दौड़ पड़े। तसनीम की पकड़ से छूटकर उन्होंने भागने का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने ताहरि पुत्र नाजर के मकान के सामने उन्हें घेरकर दबोच लिया।

धारदार हथियारों से सिर पर किए कई वार, लाठी-डंडों से भी पीटा

इसरार का आरोप है कि चारों आरोपियों ने एकराय होकर अपने साथ लाए धारदार हथियारों और लाठी-डंडों से उन पर हमला कर दिया। मारपीट में वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। इसके बावजूद हमलावरों ने उन्हें नहीं छोड़ा और जान से मारने की नीयत से उनके सिर पर धारदार हथियारों से बारी-बारी से कई वार किए। अचानक हुए हमले के चलते वह गंभीर रूप से घायल हो गए और बचाव के लिए शोर मचाने लगे। दो लोगों ने हमलावरों के चंगुल से छुड़ाया पीड़ित के मुताबिक शोर-शराबा सुनकर पड़ोस के ताजीम और मेहराज मौके पर पहुंचे। दोनों ने बीच-बचाव करते हुए उन्हें हमलावरों के चंगुल से छुड़ाया। इसी दौरान आसपास के अन्य लोगों को आता देखकर आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। चार आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

घटना के संबंध में इसरार ने चरथावल थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी। प्रभारी निरीक्षक के आदेश पर पुलिस ने तसनीम उर्फ लल्ला, वसीम, जुनेद और आरिफ के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1), 352, 3(5), 115(2) और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना से मोहल्ले में निमार्णाधीन मकान की शिकायत को लेकर उपजे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। वहीं, पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

मुजफ्फरनगर में 'यातायात माह नवंबर का आगाज: एसएसपी ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ, नियमों के उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने, सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाने और सुरक्षित तथा सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रिजर्व पुलिस लाइन मुजफ्फरनगर में यातायात माह नवंबर 2026 का विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का श्रीगणेश मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) सूरज कुमार राय ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों, एनसीसी कैडेट्स, छात्र-छात्राओं और आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं आमजन को ऑडियो-विजुअल्स के माध्यम से यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा और सुरक्षित वाहन संचालन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां देकर जागरूक किया गया। एसएसपी राय ने सुरक्षा की दिलाई शपथ एसएसपी सूरज कुमार राय ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेट्स और नागरिकों को यातायात नियमों का पूर्ण निष्ठा से पालन करने तथा स्वयं और दूसरों की सुरक्षा के प्रति सदैव सजग रहने की शपथ दिलाई। तत्पश्चात उन्होंने फीता काटकर और हरी झंडी दिखाकर यातायात जागरूकता वाहन को रवाना किया। यह वाहन पूरे जनपद में भ्रमण कर लोगों को सड़क सुरक्षा का संदेश देगा।



अपने संबोधन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और बहुमूल्य मानव जीवन की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी बाध्यता से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी और दूसरों की जिंदगी की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने चालकों से अपील की कि दोपहिया वाहन पर हेलमेट, चारपहिया में सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें। साथ ही ओवरस्पीडिंग, नशे में वाहन चलाने, गलत दिशा में चलने, तीन सवारी बैठाने और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का उपयोग करने से बचें। एसएसपी ने बताया कि यातायात माह के दौरान मुजफ्फरनगर पुलिस दोहरी रणनीति पर काम करेगी।

एक तरफ स्कूलों, कॉलेजों, बस स्टैंड और मुख्य चौराहों पर जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे, वहीं दूसरी तरफ नियम तोड़ने वालों के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान चलाकर विधिक कार्रवाई की जाएगी। जनपद में ब्लैक स्पॉट्स (दुर्घटना संभावित स्थलों) का सीमांकन कर वहां विशेष निगरानी रखी जाएगी। दुर्घटना पीड़ितों की मदद के लिए सरकारी योजनाओं का प्रचार

यातायात माह के दौरान पुलिस आमजन को केंद्र सरकार की दो प्रमुख योजनाओं के प्रति भी जागरूक करेगी। इसके तहत सड़क दुर्घटना में घायल पात्र व्यक्तियों को 'गोल्डन ऑवर' के दौरान दुर्घटना की तारीख से अधिकतम 7 दिनों तक 1.5 लाख तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाता है।

सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाने वाले मददगार को



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
बुधवार 04 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



थार पर फायरिंग करने वाले 25 हजार के इनामी हर्ष त्यागी समेत दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

छपार पुलिस और एसओजी की संयुक्त कार्रवाई में हर्ष त्यागी के पैर में लगी गोली, दूसरा आरोपी उज्ज्वल शर्मा कॉम्बिंग के दौरान दबोचा; बिना नंबर प्लेट की स्कॉर्पियो, अवैध पिस्टल और तमंचा बरामद

मुजफ्फरनगर। पानीपत-खटीमा हाईवे पर थार गाड़ी पर फायरिंग कर सनसनी फैलाने वाले आरोपियों के खिलाफ छपार पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान 25 हजार रुपये के इनामी हर्ष त्यागी और उसके साथी उज्ज्वल शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में हर्ष त्यागी गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दूसरा आरोपी स्कॉर्पियो से उतरकर भागने के बाद पुलिस की घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक अवैध पिस्टल 32 बोर, एक तमंचा 315 बोर, तीन जिंदा और दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल काले रंग की बिना नंबर प्लेट वाली स्कॉर्पियो गाड़ी भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन और पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र के निर्देशन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण, पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार और छपार थाना प्रभारी मोहित कुमार के नेतृत्व में की गई। क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार के मुताबिक 25 अक्टूबर 2026 को पानीपत-खटीमा हाईवे पर गांव तिगरी, थाना देवबंद, जनपद सहारनपुर निवासी सद्दाम पुत्र मोहतसीम अपनी थार गाड़ी से जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात स्कॉर्पियो और बलेनो कार में सवार आरोपियों ने उनकी थार गाड़ी पर फायरिंग कर दी थी। अचानक हुई फायरिंग की घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी। मामले में थाना छपार पर मुकदमा अपराध संख्या 227/2026 धारा 109(1) बीएनएस के तहत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने आरोपियों की गिरफ्तारी और घटना के खुलासे के लिए थाना छपार पुलिस की चार अलग-अलग टीमों का



गठन किया था। साथ ही एसओजी टीम को भी जांच और गिरफ्तारी अभियान में शामिल किया गया। पुलिस टीमें लगातार संदिग्धों की तलाश में जुटी हुई थीं।

पुलिस के अनुसार 2 और 3 नवंबर की मध्यरात्रि थाना छपार पुलिस तथा एसओजी की संयुक्त टीम मुखबिर की सूचना पर रामपुर तिराहे के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम को काले रंग की एक संदिग्ध स्कॉर्पियो आती दिखाई दी। पुलिसकर्मियों ने चालक को रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसकी रफ्तार बढ़ा दी। पुलिस टीम ने तत्काल स्कॉर्पियो का पीछा शुरू कर दिया। पुलिस से बचने के प्रयास में चालक गाड़ी को पानीपत-खटीमा हाईवे पर ले गया और वहां से रई गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर मोड़ दिया। पुलिस टीम लगातार पीछा करती रही। कुछ दूरी आगे जाकर स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। गाड़ी से उतरकर पुलिस पर की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में इनामी घायल स्कॉर्पियो के पेड़ से टकराने के बाद उसमें सवार दोनों आरोपी नीचे उतरकर भागने लगे। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग के बाद पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की।

इस दौरान एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया। उसकी पहचान 25 हजार रुपये के इनामी हर्ष त्यागी के रूप में हुई। वहीं दूसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया और उसे कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों की पहचान हर्ष त्यागी पुत्र दीपक त्यागी निवासी साकेत कॉलोनी तथा उज्ज्वल शर्मा पुत्र विशाल शर्मा निवासी इंदिरा कॉलोनी, एसबीआई एटीएम वाली गली, थाना सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है।

भोपा क्षेत्र में बिजली विभाग को चोरों ने लगाया तीन लाख रुपये का चूना, जंगल में दो ट्रांसफार्मर खंगाले

बजीराबाद के जंगल में रजवाहे के पास वारदात, 63 और 25 केवीए के ट्रांसफार्मरों को नीचे गिराकर अंदर का कीमती सामान चोरी; अवर अभियंता की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। भोपा थाना क्षेत्र में बिजली चोरों ने जंगल में लगे दो विद्युत ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाते हुए उनके अंदर का कीमती सामान चोरी कर लिया। अज्ञात चोरों ने दोनों ट्रांसफार्मरों को उनके स्थान से नीचे गिराया और फिर उनके अंदर मौजूद सामान निकालकर फरार हो गए। चोरी की इस वारदात से बिजली विभाग को करीब तीन लाख रुपये की आर्थिक क्षति होने का अनुमान लगाया गया है। अवर अभियंता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रजवाहे के पास लगे दो ट्रांसफार्मरों को बनाया निशाना

पुलिस को दी गई तहरीर में बिजली विभाग के अवर अभियंता परमानंद शर्मा ने बताया कि एक और दो नवंबर की रात ग्राम बजीराबाद के जंगल में रजवाहे के पास स्थापित दो विद्युत ट्रांसफार्मरों को अज्ञात व्यक्तियों ने निशाना बनाया। चोरों ने पहले दोनों ट्रांसफार्मरों को उनके स्थान से नीचे गिराया और इसके बाद उनके अंदर का कीमती सामान चोरी कर लिया।

63 और 25 केवीए के ट्रांसफार्मरों से सामान चोरी

चोरी किए गए सामान में रविंद्र पुत्र धर्मपाल निवासी छछरौली के नाम से जुड़ा 63 केवीए का विद्युत ट्रांसफार्मर तथा प्रीतम पुत्र रिशाल निवासी बजीराबाद के नाम से जुड़ा 25 केवीए का विद्युत ट्रांसफार्मर शामिल है। दोनों ट्रांसफार्मरों को नीचे गिराकर उनके अंदर का सामान निकाल लिया गया। सुबह घटना की जानकारी होने पर बिजली विभाग में हड़कंप मच गया।

विभाग को करीब तीन लाख रुपये का नुकसान

अवर अभियंता के अनुसार दोनों ट्रांसफार्मरों के अंदर का सामान चोरी होने से बिजली विभाग को लगभग तीन लाख रुपये की आर्थिक क्षति होने का अनुमान है। जंगल में रजवाहे के पास हुई इस वारदात से साफ है कि चोरों ने सुनसान स्थान का फायदा उठाकर घटना को अंजाम दिया।

अवर अभियंता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

मामले में अवर अभियंता परमानंद शर्मा ने भोपा थाने में लिखित शिकायत देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब मामले की जांच में जुटी है और ट्रांसफार्मरों से सामान चोरी करने वाले आरोपियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

अल्ट्रासाउंड के लिए गूगल पर हेल्थकेयर वेबसाइट खोजना पड़ा महंगा

मोबाइल में ऐप इंस्टॉल होते ही साइबर ठगों ने बैंक खाते पर जमाया कब्जा, 3.20 लाख रुपये उड़ाए

मुजफ्फरनगर। साइबर अपराधियों ने ठगी का नया तरीका अपनाते हुए एक व्यक्ति के मोबाइल फोन का अनधिकृत एक्सेस हासिल कर उसके बैंक खाते से करीब 3 लाख 20 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने अल्ट्रासाउंड कराने के लिए गूगल पर हेल्थकेयर वेबसाइट की तलाश की थी। इसी दौरान उसके मोबाइल फोन में कथित तौर पर एक ऐप अपने आप इंस्टॉल हो गई। पीड़ित को इसकी जानकारी तक नहीं हुई और साइबर ठगों ने मोबाइल तक पहुंच बनाकर बैंक खाते से अलग-अलग माध्यमों से रकम निकाल ली। पीड़ित की शिकायत पर छपार थाना पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छपार थाना क्षेत्र के ग्राम खामपुर पोस्ट रेई निवासी भोपाल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 26 अक्टूबर 2026 को उनका अल्ट्रासाउंड होना था। इसी सिलसिले में उन्होंने गूगल पर एक हेल्थकेयर वेबसाइट सर्च की और उस वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त की। आरोप है कि वेबसाइट पर जाने के दौरान ही उनके मोबाइल फोन में एक ऐप इंस्टॉल हो गई, जिसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं हो सकी। इसी ऐप के माध्यम से साइबर अपराधियों ने उनके मोबाइल फोन का अनधिकृत एक्सेस प्राप्त कर लिया।

सुबह खाते से निकल गई रकम

भोपाल सिंह के अनुसार सुबह करीब 8:30 से 9 बजे के बीच उनके मोबाइल फोन और उससे जुड़े बैंक खाते में सेंध लगाकर करीब 3 लाख 20 हजार रुपये की रकम निकाल ली गई। पीड़ित को जब अपने खाते से हुए संदिग्ध लेनदेन की जानकारी मिली तो उनके होश उड़ गए। जांच करने पर पता चला कि खाते से अलग-अलग व्यक्तियों और कंपनियों के खातों में यूपीआई के माध्यम से भुगतान किया गया है। इसके अलावा लोन भुगतान और विभिन्न बिलों के भुगतान के नाम पर भी धनराशि ट्रांसफर की गई।

फोन-पे के स्क्रीनशॉट और लेनदेन की जानकारी पुलिस को सौंपी

पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया कि साइबर ठगी के दौरान हुए सभी संदिग्ध वित्तीय लेनदेन का विवरण उनके पास मौजूद है। उन्होंने फोन-पे के माध्यम से हुए लेनदेन के स्क्रीनशॉट, ट्रांजेक्शन आईडी और यूटीआर नंबर सहित संबंधित दस्तावेजों की छायाप्रतियां भी पुलिस को उपलब्ध कराई हैं। पीड़ित के अनुसार ये दस्तावेज धोखाधड़ी की जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकते हैं।

बैंक खाते फ्रीज कराने और रकम वापस दिलाने की मांग

भोपाल सिंह ने थाना प्रभारी से मामले में साइबर अपराध की प्राथमिकी दर्ज कर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने पुलिस से अनुरोध किया कि जिन बैंक खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर की गई है, उनकी तत्काल जांच कर संबंधित खातों और लाभार्थियों को चिह्नित किया जाए तथा नियमानुसार खातों को फ्रीज कराने की कार्रवाई की जाए। साथ ही धोखाधड़ी से निकाली गई करीब 3 लाख 20 हजार रुपये की धनराशि वापस दिलाने और मोबाइल फोन का अनधिकृत एक्सेस हासिल करने वाले आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

भोपाल सिंह की तहरीर के आधार पर छपार थाना पुलिस को साइबर धोखाधड़ी के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब संदिग्ध लेनदेन, यूपीआई भुगतान, लाभार्थी खातों और मोबाइल में इंस्टॉल हुई ऐप के संबंध में जांच कर रही है। इस घटना से एक बार फिर स्पष्ट हुआ है कि इंटरनेट पर स्वास्थ्य सेवाओं या अन्य जरूरी सुविधाओं की तलाश करते समय अनजान वेबसाइट और ऐप के प्रति सतर्क रहना जरूरी है।

मंसूरपुर में गैंगस्टर एक्ट के तहत पुलिस की बड़ी कार्रवाई, गैंग लीडर कार्तिक उर्फ कार्तिकेय समेत चार वांछित गिरफ्तार

गोगा माड़ी मंदिर के पास पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचे चारों आरोपी, गैंग लीडर कार्तिक पर सात और अन्य आरोपियों पर भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज

मुजफ्फरनगर। जनपद में अपराधियों और वांछित अभियुक्तों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंसूरपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित चल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में गैंग का कथित लीडर कार्तिक उर्फ कार्तिकेय भी शामिल है। पुलिस ने चारों को ग्राम मंसूरपुर स्थित गोगा माड़ी मंदिर के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों का पूर्व में भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहना सामने आया है। गैंग लीडर कार्तिक उर्फ कार्तिकेय के खिलाफ विभिन्न थानों में सात मुकदमे दर्ज हैं, जबकि अन्य तीन आरोपियों के खिलाफ भी चोरी, लूट और शस्त्र अधिनियम से संबंधित मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार थाना मंसूरपुर में मुकदमा अपराध संख्या 327/2026 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट के तहत अभियोग दर्ज है। इसी मुकदमे में चारों आरोपी वांछित चल रहे थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में जनपदभर में वांछित और वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी खतौली रूपाली राव तथा थाना प्रभारी मंसूरपुर विपिन त्यागी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की थी। तीन नवंबर को मंसूरपुर पुलिस को सफलता मिली। पुलिस टीम ने ग्राम मंसूरपुर स्थित गोगा माड़ी मंदिर के पास कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कार्तिक उर्फ कार्तिकेय पुत्र स्वर्गीय अमित, हिमांशु पुत्र विजयपाल, अरविन्द पुत्र प्रदीप तथा सुहैल पुत्र उस्मान कुरैशी के रूप में हुई है। चारों आरोपी ग्राम व थाना मंसूरपुर, जनपद मुजफ्फरनगर के निवासी हैं। पुलिस ने



कार्तिक उर्फ कार्तिकेय को गैंग का लीडर बताया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार गैंग लीडर कार्तिक उर्फ कार्तिकेय का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है। उसके खिलाफ थाना मंसूरपुर में वर्ष 2023 में आयुध अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। वर्ष 2024 में हत्या के प्रयास और आयुध अधिनियम से संबंधित मुकदमे दर्ज हुए। वर्ष 2025 में चोरी, चोरी के माल की बरामदगी तथा आयुध अधिनियम के मामले में भी उसके खिलाफ कार्रवाई हुई। इसके अलावा थाना सिखेड़ा में भी वर्ष 2025 में लूट और चोरी के माल की बरामदगी से संबंधित मुकदमा दर्ज है। इसके अतिरिक्त थाना मंसूरपुर में गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे में भी वह वांछित था। गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में चारों वांछित आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी विपिन त्यागी, उपनिरीक्षक शिखर चौधरी, उपनिरीक्षक शेर सिंह, मुख्य आरक्षी सुहैल, मुख्य आरक्षी राजीव कुमार, आरक्षी मोहित यादव, आरक्षी विवेक कुमार तथा आरक्षी शैलेन्द्र कुमार शामिल रहे।

मोरना में मीट की दुकान का ताला तोड़कर 16,500 रुपये और जरूरी कागजात चोरी, दो युवकों पर आरोप

मुजफ्फरनगर। भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा मोरना में चोरों ने एक मीट की दुकान को निशाना बनाते हुए ताला तोड़कर गल्ला चोरी कर लिया। गल्ले में दिनभर की बिक्री के रखे 16 हजार 500 रुपये के अलावा आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक और अन्य जरूरी कागजात भी रखे हुए थे। पीड़ित दुकानदार ने मोरना निवासी दो युवकों पर चोरी करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानसठ रोड पर हलाल मीट की दुकान चलाता है पीड़ित

पुलिस को दी गई तहरीर में ग्राम मोरना निवासी निजामु पुत्र यामीन ने बताया कि उसकी जानसठ रोड पर हलाल मुर्गा मीट की दुकान है। वह रोजाना की तरह दुकानदारी करने के बाद दिनभर की बिक्री के 16 हजार 500 रुपये दुकान के गल्ले में रखकर चला गया था। गल्ले में नकदी के साथ उसके कई महत्वपूर्ण व्यक्तिगत और बैंक संबंधी दस्तावेज भी रखे हुए थे।

पीड़ित के अनुसार 31 अक्टूबर 2026 की रात करीब 11:45 बजे रिहान पुत्र इमरान और सतेंद्र उर्फ भूरा पुत्र जोगेंद्र निवासी मोरना ने उसकी दुकान के खोखे का ताला तोड़ दिया। आरोप है कि दोनों दुकान के अंदर रखा पूरा गल्ला चोरी कर अपने साथ ले गए। घटना की जानकारी मिलने पर दुकानदार के होश उड़ गए। उसने दुकान पर पहुंचकर जांच की तो गल्ला गायब मिला।

नकदी के साथ जरूरी दस्तावेज भी ले गए आरोपी

पीड़ित ने बताया कि चोरी हुए गल्ले में दिनभर की दुकानदारी के रखे 16 हजार 500 रुपये मौजूद थे। इसके अलावा आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक, मोहंडी की पर्ची और हिसाब-किताब से संबंधित अन्य जरूरी कागजात भी गल्ले में रखे हुए थे। चोर नकदी के साथ सभी दस्तावेज भी ले गए, जिससे उसे आर्थिक नुकसान के अलावा महत्वपूर्ण कागजात गायब होने की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस से कार्रवाई की मांग

निजामु ने अपनी शिकायत में बताया कि घटना सीसीटीवी कैमरों में भी दिखाई दी है। उसने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और चोरी हुआ सामान बरामद कराने की मांग की है।

दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पीड़ित की शिकायत पर भोपा पुलिस ने रिहान पुत्र इमरान और सतेंद्र उर्फ भूरा पुत्र जोगेंद्र निवासी मोरना के खिलाफ चोरी के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद स्थानीय दुकानदारों में भी चोरी की वारदात को लेकर चिंता बनी हुई है।

शुक्रताल में आधुनिक सुविधाओं से लैस पुलिस कंट्रोल रूम का शुभारंभ, अब 24 घंटे रहेगी चप्पे-चप्पे पर नजर

डीएम और एसएसपी ने किया विधिवत उद्घाटन, सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी, वायरलेस संचार व्यवस्था के साथ हर समय तैनात रहेंगे पुलिसकर्मी; प्राथमिक उपचार और अग्निशमन की सुविधाएं भी उपलब्ध

मुजफ्फरनगर। जनपद के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल शुक्रताल में श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। थाना भोपा क्षेत्रान्तर्गत शुक्रताल में आधुनिक सुविधाओं से युक्त पुलिस कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसका विधिवत उद्घाटन जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने किया। इस कंट्रोल रूम के शुरू होने से शुक्रताल क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। अब क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जाएगी तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि, अप्रिय घटना या आपातकालीन स्थिति में पुलिस तत्काल कार्रवाई कर सकेगी। कंट्रोल रूम में चौबीसों घंटे पुलिसकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। शुक्रताल जनपद का प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल है,



जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में यहां कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आपातकालीन परिस्थितियों में तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। पुलिस प्रशासन की इस पहल से धार्मिक स्थल और उसके आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। तीन नवंबर को जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने शुक्रताल पहुंचकर नवनिर्मित पुलिस कंट्रोल रूम का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, क्षेत्राधिकारी भोपा राधारमण सिंह, थाना प्रभारी भोपा आशुतोष कुमार सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी तथा क्षेत्र के संभ्रांत लोग मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद अधिकारियों ने कंट्रोल रूम में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

पुलिस कंट्रोल रूम में क्षेत्र की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की गई है। इनके माध्यम से महत्वपूर्ण स्थानों और अधिक आवाजाही वाले क्षेत्रों पर नजर रखी जा सकेगी। इससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी समय रहते मिल सकेगी। किसी अप्रिय घटना की स्थिति में पुलिस को घटनास्थल और आसपास की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी। सीसीटीवी निगरानी से पुलिस की सतर्कता बढ़ने के साथ ही असामाजिक तत्वों पर भी नजर रखी जा सकेगी। कंट्रोल रूम में पुलिस और संबंधित इकाइयों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए वायरलेस संचार व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है। इसके माध्यम से किसी भी घटना या आपात सूचना को संबंधित पुलिस इकाइयों तक तत्काल पहुंचाया जा सकेगा।

भोपा पुलिस ने रहकड़ा गांव में हुई नकबजनी का किया खुलासा, हरिद्वार के दो शातिर चोर गिरफ्तार

घर का ताला तोड़कर तीन मोबाइल और बैग चोरी करने वाले आरोपियों को गंगनहर पुल के पास दबोचा, चोरी के दो मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल बिना नंबर की स्प्लेंडर बाइक बरामद

मुजफ्फरनगर। थाना भोपा क्षेत्र के ग्राम रहकड़ा में घर का ताला तोड़कर चोरी की गई नकबजनी की घटना का भोपा पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इसके अलावा वारदात को अंजाम देने में इस्तेमाल की गई बिना नंबर की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपी हरिद्वार जनपद के रहने वाले हैं। इनमें एक आरोपी मूल रूप से मुजफ्फरनगर के छपार थाना क्षेत्र के गांव रेतानंगला का निवासी है। पुलिस जांच में दोनों आरोपियों का पूर्व में भी चोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं में संलिप्त रहना सामने आया है। भोपा थाना प्रभारी आशुतोष कुमार के अनुसार थाना भोपा क्षेत्र के ग्राम रहकड़ा में 30 और 31 अक्टूबर की मध्यरात्रि अज्ञात चोरों ने एक मकान को निशाना बनाया था। चोर मकान का ताला तोड़कर अंदर घुस गए और वहां से तीन मोबाइल फोन तथा एक बैग चोरी कर फरार हो गए थे। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित की ओर से पुलिस को सूचना दी गई थी। मामले में थाना भोपा पर मुकदमा अपराध संख्या 282/2026 धारा 305 और 331(4) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में नकबजनी की वारदात का खुलासा करने के लिए थाना स्तर पर पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, क्षेत्राधिकारी भोपा राधारमण सिंह तथा प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से मिले सुरागों और अन्य जानकारियों के आधार पर आरोपियों की तलाश तेज कर दी थी।

गंगनहर पुल-बेहड़ा थ्रू के पास चेकिंग में पकड़े गए दोनों आरोपी

पुलिस के मुताबिक तीन नवंबर को थाना भोपा पुलिस गंगनहर पुल-बेहड़ा थ्रू के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे दो युवकों को रोककर पूछताछ की। तलाशी और जांच के दौरान उनके कब्जे से रहकड़ा में हुई चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से एक बिना नंबर की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद हुई, जिसका इस्तेमाल चोरी की वारदात में किया गया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शशि पुत्र सतीश निवासी ग्राम सलेमपुर, थाना रानीपुर, जनपद हरिद्वार (उत्तराखंड) तथा अर्जुन पुत्र राजेंद्र निवासी ग्राम रेतानंगला, थाना छपार, जनपद मुजफ्फरनगर, हाल निवासी ग्राम सलेमपुर, थाना रानीपुर, जनपद हरिद्वार के रूप में की है।

मुजफ्फरनगर में भाजपा नेता का अचानक निधन: दिल का दौरा पड़ने से राजबीर कश्यप का देहांत, पैतृक गांव लच्छेड़ा में छाया मातम

सहकारी केंद्रीय उपभोक्ता भंडार के चेयरमैन थे राजबीर कश्यप, पूर्व केंद्रीय मंत्री से मिलने आए थे, बाथरूम में मिले अचेत

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और सहकारी केंद्रीय उपभोक्ता भंडार के चेयरमैन राजबीर कश्यप (55) का सोमवार को हृदयगति रुकने (हार्ट अटैक) से अचानक निधन हो गया। यह दुखद हादसा पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान के एटूजेड कॉलोनी स्थित आवास पर उस समय हुआ, जब वह समर्थकों और परिजनों के साथ आगामी विधानसभा चुनाव-2027 के सिलसिले में मुलाकात करने पहुंचे थे।

जिलाध्यक्ष से मुलाकात के बाद पहुंचे थे पूर्व मंत्री के घर

जिले में मंसूरपुर क्षेत्र के गांव लच्छेड़ा निवासी राजबीर कश्यप लंबे समय से भाजपा से जुड़े हुए थे। सोमवार सुबह करीब 11 बजे वह अपने भाई, पुत्र और कई ग्रामीणों के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सुधीर सैनी के गांव बडसू स्थित आवास पर पहुंचे थे। वहां उन्होंने जिलाध्यक्ष को अपना बायोडाटा सौंपकर चरथावल सीट से पार्टी प्रत्याशी बनाए जाने की दावेदारी पेश की। करीब एक घंटे तक चुनावी रणनीतियों पर चर्चा करने के बाद वह अपने समर्थकों के साथ पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान के एटूजेड कॉलोनी स्थित आवास पर पहुंचे। जहां अचानतक उनका दिल का दौरा पडने से निधन हो गया। राजबीर कश्यप आगामी विधानसभा चुनाव में चरथावल सीट से भाजपा के प्रबल दावेदार थे। उनके असमय निधन से स्थानीय भाजपा कार्यकताओं, समर्थकों और



उनके पैतृक गांव में शोक की लहर दौड़ गई। इस आकस्मिक निधन की खबर मिलने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने लच्छेडा गांव पहुंचकर उनके शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की और उनके निधन पर गहरा शोक जताया है। पूर्व मंत्री के आवास पर राजबीर कश्यप की मुलाकात डॉ. संजीव बालियान के भाई विवेक बालियान से हुई। बातचीत के दौरान ही वह उठकर बाथरूम चले गए। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब वह बाहर नहीं आए, तो साथ आए लोगों ने उन्हें आवाज दी। शंका होने पर जब गांव का ही एक व्यक्ति भीतर देखने गया, तो राजबीर कश्यप बाथरूम में अचेत अवस्था में पड़े हुए थे। आनन-फानन में उन्हें पास के एसकेबी आरोग्यम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद पुष्टि की है कि हृदयगति रुकने (हार्ट फेलियर) के कारण उनका निधन हो चुका है।

पैतृक गांव लच्छेड़ा में गमगीन माहौल में हुआ अंतिम संस्कार

निधन की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन और समर्थक गमगीन माहौल में शव को लेकर अपने पैतृक गांव लच्छेड़ा पहुंचे। परिजनों ने किसी भी प्रकार की पुलिस कार्रवाई या पोस्टमार्टम से साफ इन्कार कर दिया। इसके बाद देर शाम गांव में ही उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, भाजपा नेता और ग्रामीण शामिल हुए।

संपादकीय

अदालत परिसरों में महिला वकीलों के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव

हाल ही में एक याचिका की सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि संविधान में दिए गए 'राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों' के तहत जिम्मेदारियों के अलावा साफ-सुथरे शौचालयों तक आम लोगों की पहुँच का अधिकार 'जीवन के अधिकार' का ही हिस्सा है।इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि आम जनता के लिए बुनियादी सुविधाओं का इंतजाम करने का जो काम सरकार को अपने स्तर पर पूरा करना चाहिए, उसके लिए अदालतों को ध्यान दिलाना पड़ता है। कहने को सरकार आए दिन देश भर में स्वच्छता का संदेश देने के लिए हर परिवार के लिए सार्वजनिक शौचालय की सुविधा मुहैया कराने का दावा करती रहती है और इस दिशा में कुछ काम हुए हैं।मगर आज भी हालत यह है कि न केवल सार्वजनिक जगहों पर, बल्कि बहुत सारे स्कूलों और यहाँ तक कि कई अदालतों के परिसरों तक में मौजूद बुनियादी सुविधाएँ बदहाली से दो-चार हैं। इस मामले में महिलाओं को किस स्तर की मुश्किल झेलनी पड़ती है, यह कोई छिपा तथ्य नहीं है।सवाल है कि सरकार के लिए पिछले एक दशक से ज्यादा समय से जो एक प्रमुख मुद्दा रहा है, उस मामले में आज भी दशा क्यों ऐसी है कि अलग-अलग जगहों पर समाज का एक बड़ा तबका साफ सार्वजनिक शौचालयों की कमी का सामना करता है और उसके लिए शीर्ष अदालत के सामने निर्देश जारी करने की नौबत आती है। क्या यह अपनी ही किसी बहुप्रचारित योजना को लेकर सरकार की अगंभीरता का उदाहरण नहीं है?गौरतलब है कि देश भर के अदालत परिसरों में महिला वकीलों के लिए बुनियादी सुविधाओं के अभाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख दिखाया है। अदालत ने सभी राज्य सरकारों, केंद्रशासित प्रदेशों और उच्च न्यायालयों को अपने-अपने क्षेत्राधिकार में महिला वकीलों के लिए अलग बार-कक्ष और शौचालय सहित आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। ऐसे अनेक मौके होते हैं, जब सरकारें नाहक ही फिजूलखर्ची करती दिखती हैं, लेकिन जनकल्याण के किसी काम का मसला आने पर धन की कमी का रोना रोती हैं।इसी के मद्देनजर शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य सरकारें इसके लिए आवश्यक बजट आवंटित करें और हाई कोर्ट की भवन एवं बुनियादी ढाँचा समितियाँ इन निर्देशों के क्रियान्वयन की निगरानी करें। सवाल है कि क्या यह एक ऐसी समस्या है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट को निर्देश देने की जरूरत पड़नी चाहिए थी। अगर कई राज्यों में बड़ी संख्या में जिला अदालत परिसरों में महिला वकीलों को अलग शौचालय के अभाव का सामना करना पड़ता है, तो यह किसकी नाकामी है? पिछले कई वर्षों से 'स्वच्छ भारत अभियान' केंद्र सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी योजना रही है, जिसके तहत देश भर में खुले में शौच की समस्या को खत्म करने और सभी परिवारों के लिए शौचालय मुहैया कराने का दावा किया जाता रहा है। मगर दूरदराज के गाँवों में आज भी यह समस्या गाहे-बगाहे चर्चा का कारण बनती रही है। हालत यह है कि दिल्ली जैसे कई शहरों में भी घर से बाहर निकलने के बाद लोगों के लिए अव्वल तो जरूरत के मुताबिक शौचालय खोजना मुश्किल होता है, दूसरे, अगर कहीं यह होता भी है।

नशे की लत सिर्फ व्यक्तिगत समस्या नहीं समाज और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी

नशे के प्रसार के पीछे आर्थिक हितों का प्रश्न भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। एक ओर सरकारें शराब और तंबाकू से राजस्व प्राप्त करती हैं, दूसरी ओर उन्हीं के दुष्परिणामों से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं, जागरूकता अभियानों और नशामुक्ति कार्यक्रमों पर खर्च करती हैं। यह विरोधाभास सार्वजनिक नीति की गंभीर चुनौती है। राजस्व को उपलब्धि मानने से पहले यह आकलन होना चाहिए कि नशे के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाला बोझ, कार्यक्षमता में कमी, दुर्घटनाएं, पारिवारिक संकट और अपराध की आशंका समाज से कितनी बड़ी कीमत वसूलते हैं। नशामुक्त समाज के लिए तीन स्तरों पर काम करना होगा-रोकथाम, उपचार और पुनर्वास। रोकथाम के तहत परिवार, विद्यालय और समुदाय मिलकर ऐसा वातावरण बनाएं, जिसमें नशे को प्रतिष्ठा नहीं, जोखिम समझा जाए।

(ज्योति सिडाना)

सरकार का दायित्व नागरिकों को केवल आर्थिक अवसर उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना भी है। नशीले पदार्थों से उपजी समस्या को भी इस कसौटी पर गंभीरता से देखने की जरूरत है। इनके वैध कारोबार से मिलने वाले राजस्व का तर्क अपनी जगह है, लेकिन सवाल है कि क्या यह कमाई समाज और अर्थव्यवस्था को नशे के कारण होने वाले नुकसान से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है!

जब किसी पदार्थ का सेवन व्यक्ति के स्वास्थ्य, विवेक, संबंधों और उत्पादकता को नष्ट करने लगे, तब उसे केवल व्यक्तिगत पसंद मानकर छोड़ देना सरकार और समाज, दोनों का जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने जैसा है। यही नहीं, नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार भी लगातार फैलता जा रहा है, जो खासकर युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहा है।

नशे की समस्या को समझने के लिए सबसे पहले आदत और लत के बीच का अंतर जानना जरूरी है। आदत को बदला जा सकता है, लेकिन लत व्यक्ति की इच्छाशक्ति, निर्णय क्षमता और दैनिक जीवन को इस हद तक प्रभावित कर सकती है कि उससे बाहर निकलना कठिन हो जाता है। यहां चर्चा मादक पदार्थों, शराब और तंबाकू के सेवन की हो रही है। आधुनिक तंत्रिका विज्ञान नशे की लत को मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में होने वाले बदलावों से जोड़ता है। नशीले पदार्थों के सेवन से मस्तिष्क की प्रणाली प्रभावित होती है और निर्णय लेने तथा आवेगों पर नियंत्रण रखने की क्षमता कमजोर पड़ती है। इसीलिए नशे की लत को केवल चरित्र की कमजोरी या इच्छाशक्ति का अभाव मानना उचित नहीं है। यह ऐसी समस्या है, जिसके लिए उपचार और पुनर्वास की जरूरत होती है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें, तो नशा कई बार व्यक्ति के लिए तनाव, अकेलेपन, अवसाद या पुराने मानसिक आघात से अस्थायी राहत पाने का माध्यम बन जाता है। सवाल यह नहीं कि व्यक्ति नशे की ओर क्यों आकर्षित हुआ, बल्कि यह भी है कि वह किस पीड़ा से बचने की कोशिश कर रहा है। बचपन में हिंसा, उपेक्षा, पारिवारिक कलह और असुरक्षा के अनुभव आगे चलकर नशे के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।

इसका अर्थ यह नहीं कि ऐसे अनुभवों से गुजरने वाला हर व्यक्ति नशे का आदी हो जाएगा, बल्कि यह कि समय रहते भावनात्मक सहारा और उचित सहायता मिलने से जोखिम कम किया जा सकता है। समाजशास्त्रीय दृष्टि से नशे को व्यक्तिगत समस्या तक सीमित नहीं रखा जा सकता। परिवार, मित्र समूह, रोजगार, सामाजिक संबंध और आसपास का वातावरण उसके व्यवहार को प्रभावित करते हैं। दूसरी ओर, यदि परिवार और मित्रों के बीच नशे को सामान्य व्यवहार या प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है, तो खासकर किशोर और युवा इसे अपनाने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। कभी वे परिपक्व दिखने के लिए, कभी साथियों के दबाव में और कभी आत्मविश्वास या ऊर्जा बढ़ाने की गलत धारणा के कारण नशे की शुरुआत करते हैं। इस तरह व्यक्तिगत चुनाव के पीछे सामाजिक परिस्थितियों की भूमिका भी खास होती है। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक ब्रूस अलेक्जेंडर के चर्चित 'रैट पार्क' प्रयोग ने इस संबंध में एक महत्त्वपूर्ण सवाल उठाया। प्रयोग में चूहों के अलगाव और समृद्ध सामाजिक वातावरण के बीच नशीले पदार्थों के सेवन के व्यवहार की तुलना की गई। इससे यह समझने में मदद मिली कि सामाजिक संपर्क और अनुकूल वातावरण नशे के व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। इसी तरह वियतनाम युद्ध के दौरान हेरोइन का सेवन करने वाले अमेरिकी सैनिकों पर किए गए एक अध्ययन में उनमें से ज्यादातर का स्वदेश लौटने के बाद नशे से दूर हो जाना दर्ज किया गया।



इन निष्कर्षों से यह संकेत मिलता है कि नशे की लत को समझने में वातावरण, तनाव और सामाजिक परिस्थितियों की अनदेखी नहीं की जा सकती। हालांकि, इससे यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं होगा कि केवल माहौल बदलने से हर व्यक्ति की लत बिना उपचार के छूट सकती है। कई लोगों को चिकित्सकीय सहायता और लंबे समय तक सहयोग की जरूरत होती है। नशे के प्रसार के पीछे आर्थिक हितों का प्रश्न भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। एक ओर सरकारें शराब और तंबाकू से राजस्व प्राप्त करती हैं, दूसरी ओर उन्हीं के दुष्परिणामों से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं, जागरूकता अभियानों और नशामुक्ति कार्यक्रमों पर खर्च करती हैं। यह विरोधाभास सार्वजनिक नीति की गंभीर चुनौती है। राजस्व को उपलब्धि मानने से पहले यह आकलन होना चाहिए कि नशे के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाला बोझ, कार्यक्षमता में कमी, दुर्घटनाएं, पारिवारिक संकट और अपराध की आशंका समाज से कितनी बड़ी कीमत वसूलते हैं। किसी पदार्थ से होने वाली आय को उसके सामाजिक नुकसान से अलग करके नहीं देखा जा सकता। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शराब और मनःप्रभावी पदार्थों के सेवन को गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती माना है। इसके बावजूद नशे का आकर्षण कम नहीं हो रहा। फिल्मों, मनोरंजन और सामाजिक आयोजनों में शराब या धूम्रपान को आधुनिकता, सफलता और उत्सव से जोड़कर दिखाने का असर युवाओं पर पड़ सकता है।

नशीले पदार्थों पर प्रतिबंध को लेकर कानूनी प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन की जरूरत है। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान न करने, शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर नियंत्रण, नाबालिगों को नशीले पदार्थों से दूर रखना और इनके अवैध कारोबार पर कार्रवाई जैसे कदम तभी प्रभावी होंगे, जब निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित हो। इस संदर्भ में आइसलैंड का अनुभव उल्लेखनीय है।

वहां किशोरों में नशे की प्रवृत्ति कम करने के लिए परिवारों की भागीदारी, खेलकूद, संगीत और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के अवसर बढ़ाने तथा बच्चों के खाली समय को सकारात्मक दिशा देने पर जोर दिया गया। इस दृष्टिकोण का मूल विचार था कि किशोरों को केवल नशे से दूर रहने की सलाह देना पर्याप्त नहीं, उन्हें ऐसे विकल्प भी चाहिए, जो जीवन में आनंद, अपनापन और उद्देश्य की भावना पैदा करें। भारत में भी खेल के मैदान, पुस्तकालय, सांस्कृतिक केंद्र और परामर्श सेवाएं विशेषकर छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ कराई जानी चाहिए। नशामुक्त समाज के लिए तीन स्तरों पर काम करना होगा-रोकथाम, उपचार और पुनर्वास। रोकथाम के तहत परिवार, विद्यालय और समुदाय मिलकर ऐसा वातावरण बनाएं, जिसमें नशे को प्रतिष्ठा नहीं, जोखिम समझा जाए। उपचार के स्तर पर नशे की लत से जूझ रहे व्यक्ति को अपराधी या नैतिक रूप से कमजोर मानने के बजाय चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई जाए। पुनर्वास में रोजगार, सामाजिक स्वीकार्यता और पारिवारिक सहयोग की भूमिका सुनिश्चित हो, ताकि उपचार के बाद व्यक्ति सम्मानपूर्वक जीवन की ओर लौट सके।

केवल नशा छोड़ने की सलाह देना पर्याप्त नहीं, उसे जीवन में लौटने का अवसर भी देना होगा। नशे के विरुद्ध लड़ाई का उद्देश्य केवल नशीले पदार्थों की खपत घटाना नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों को बदलना भी होना चाहिए, जो व्यक्ति को उनकी ओर धकेलती हैं। सुरक्षित बचपन, सार्थक रोजगार, मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं और रचनात्मक गतिविधियां नशामुक्ति की मजबूत नींव बन सकती हैं।

डीजे का खतरा- कानूनन 40 से 55 डेसिबल तक शोर की सीमा, रैलियों-जुलूसों में कई गुना तेज आवाज

(अतुल कनक)

मानव जीवन में उत्सवों का महत्त्वपूर्ण स्थान है। इनका सबसे बड़ा सकारात्मक पक्ष यह है कि ये व्यक्ति एवं समाज को सकारात्मक ऊर्जा देते हैं और उत्साह का संचार करते हैं। उत्सव वह अवसर होता है, जो हमारे मन से उलझनों के विषाद को हटा दे। प्राचीन काल से उत्सवों का आयोजन प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने, आस्था को अभिव्यक्त करने और परेशानियों को दूर रखकर आनंद की अनुभूति के लिए होता रहा है। धीरे-धीरे उत्सवों से विविध परंपराएँ जुड़ती गईं और नए उत्सवों ने आकार लिया, लेकिन इन खास अवसरों पर खुशी व्यक्त करने के रंग-ढंग वक्त के साथ बदलते गए।

अब उत्सवों पर भव्य आयोजन होने लगे हैं। मन को शीतलता प्रदान करने वाली ध्वनियों की जगह तेज संगीत और पटाखा-अतिशबाजियों के शोर-शराबे ने ले ली है। यहाँ तक कि विवाह समारोहों या धार्मिक कार्यक्रमों में भी तेज आवाज में बजने वाले डीजे अब आम हो गए हैं। मगर इस ओर शायद ही किसी का ध्यान जाता है कि यह शोर ध्वनि प्रदूषण का कारण बनता है, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए भी नुकसानदेह है।

पिछले दिनों उत्तराखंड के बदरीनाथ धाम में डीजे की तेज आवाज पर जिला प्रशासन की ओर से प्रतिबंध लगा दिया गया। कारण बताया गया कि बदरीनाथ एक शांत क्षेत्र है, लोग वहाँ ध्यान और शांति के लिए जाते हैं। प्राचीन परंपराओं में तो कई धार्मिक स्थलों पर शांति बनाए रखने के लिए क्षेत्र में शंख तक बजाने से परहेज किया जाता था। मगर आज लोग अपनी भक्ति की अभिव्यक्ति के लिए डीजे बजाने लगे हैं। उल्लेखनीय है कि डीजे की तेज आवाज संबंधित क्षेत्र के शांत वातावरण को ही भंग नहीं करती, बल्कि इससे उत्पन्न तरंगें वहाँ की पारिस्थितिकी पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। तेज ध्वनि मनुष्य को कैसे नुकसान पहुँचा सकती है, इसे समझने के लिए ध्वनि से मानव मस्तिष्क के रिश्ते की बारीकियों पर गौर करना जरूरी है। ध्वनि की तीव्रता को डेसिबल में मापा जाता है। आमतौर पर हम लोग जो आपस में बात करते हैं, उसकी तीव्रता 60 से 70 डेसिबल तक होती है। सत्तर डेसिबल तीव्रता पर होने वाली बात को तो कई बार चीखना-चिल्लाना कहा जाता है। कोई व्यक्ति 85 डेसिबल तीव्रता वाली आवाज के बीच यदि लंबे समय तक रहे, तो उसे चिड़चिड़ाहट होने लगती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 85 डेसिबल से अधिक तीव्रता की आवाज में देर तक रहने पर मनुष्य की सुनने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है और 120 डेसिबल तीव्रता की आवाज वाला संगीत जानलेवा भी हो सकता है। इन तथ्यों को जानने के बाद यह समझना किसी के भी मन में भय पैदा कर सकता है कि पारिवारिक या सामाजिक समारोहों में बजने वाले डीजे की आवाज 100 से 130 डेसिबल तक होती है और कई बार तो लोग अति उत्साह में इसे 140 डेसिबल तक कर देते हैं।

पशु-पक्षियों के लिए भी तेज आवाज नुकसानदेह होती है, क्योंकि वे आवाज के प्रति बहुत संवेदनशील होते हैं। जिन घरों में पालतू पशु हैं, उनमें रहने वाले लोग जानते हैं कि तेज आवाज के समय पशु कितने बेचैन और परेशान होते हैं। मनुष्य तो फिर भी तेज आवाज के समय अपने कानों को बंद करने के तरीके अपना सकता है, लेकिन जानवरों के पास यह सुविधा नहीं होती। ऐसे में सवाल है कि हम अपने परिवेश के प्रति इतने असंवेदनशील कैसे हो सकते हैं कि उन प्राणियों की परवाह न करें, जिनका पोषण प्रकृति हमारे साथ करती है? इसके अलावा मनुष्य का स्नायुतंत्र भी तेज आवाज में असहज हो जाता है। तेज शोर के बीच सिर दर्द, चक्कर आना, अचानक घबराहट होना या दिल की धड़कन तेज हो जाना सामान्य बात है। चिकित्सा विशेषज्ञों के मुताबिक, कई बार हमारे हृदय में कुछ अवरोध सुषुप्त अवस्था में होते हैं। तेज आवाज के कारण जब शरीर में रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है, तो वे अवरोध अचानक मुखर हो जाते हैं। ऐसे शोर का सामना करने के लिए शरीर कुछ ऐसी प्रतिक्रिया देता है कि रक्तचाप में भी आकस्मिक परिवर्तन हो जाता है। यह महज इत्तिफाक नहीं है कि पारिवारिक और सामाजिक समारोहों में अब शोर-शराबे के बीच कई लोगों की अचानक जान चली जाती है।

पिछले दिनों गणपति विसर्जन के दौरान भी देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे हादसे हुए, जिस कारण संवेदनशील लोग डीजे के नियंत्रित उपयोग के नियम बनाने की माँग करने लगे हैं। गत दिनों उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में एक स्कूल में बारह वर्षीय बालिका अचानक गश खाकर गिरी और उसकी मौत हो गई। आरोप है कि उस समय स्कूल के पास से तेज आवाज में डीजे बजाता हुआ एक जुलूस निकल रहा था। ऐसे ही मध्य प्रदेश के भोपाल में पिछले साल तेरह वर्षीय बालक अपने घर में खेल रहा था। डीजे बजाता हुआ एक जुलूस उसके घर के पास से निकला, तो वह उसे देखने चला गया, जहाँ अचानक उसकी मौत हो गई। ऐसी ही कई घटनाएँ दूसरे राज्यों में भी सामने आई हैं। जुलूसों में बजने वाले तेज डीजे पर पिछले दिनों बंबई उच्च न्यायालय ने गहरी चिंता जताई थी।

डिस्को के दौर में जब तेज आवाज के संगीत के प्रति दुनिया का रुझान बढ़ा, तो डीजे भी लोकप्रिय हुआ। भारत में डीजे की शुरुआत 1970 के दशक के उत्तरार्द्ध से मानी जा सकती है, लेकिन पिछले करीब दो दशकों में आवाज बढ़ाने वाले स्पीकर को वाहनों पर रखकर संगीत बजाने का सिलसिला जोर पकड़ रहा है। तेज आवाज से ध्वनि प्रदूषण होता है और डीजे की आवाज भी ध्वनि प्रदूषण (नियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 से नियंत्रित होती है। डीजे को बजाने के लिए प्रशासन की स्वीकृति आवश्यक होती है।

चीन को लगे 40 साल, पीएम मोदी ने 12 साल में कर दिखाया, 49.6 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठाया

तुलनात्मक रूप से देखें तो चीन ने 1978 के बाद लगभग चार दशकों में करीब 77 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का ऐतिहासिक दावा किया था। वहीं भारत ने विश्व बैंक के अक्टूबर 2026 के आंकड़ों के अनुसार, 2011 से 2023 के बीच महज 12 वर्षों में 49.6 करोड़ लोगों को 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर पहुंचाया। अत्यंत गरीबी का अनुपात भी इसी अवधि में 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गया। चीन की चार दशक लंबी यात्रा के मुकाबले भारत की 12 वर्षों की यह उपलब्धि अपने आप में असाधारण है।

(नीरज कुमार दुबे)

विश्व बैंक की पोवेर्टी एण्ड इक्यूटी ब्रिफ अक्टूबर 2026 के मुताबिक, भारत ने 2011 से 2023 के बीच अनुमानित 49.6 करोड़ लोगों को 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर उठाया। इस अवधि में इस श्रेणी में आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया।

बचपन में घोर गरीबी को बेहद करीब से देखने वाले और जीवनयापन के लिए रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाले नरेंद्र मोदी ने जब देश के प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संभाली, तो उनके सामने भारत की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक थी गरीबी। करोड़ों लोगों के पास न पक्का मकान था, न बैंक खाता, न शौचालय, न रसोई गैस और न ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों को सरकारी योजनाओं के केंद्र में रखते हुए गरीबी के अभिशाप से देश को बाहर निकालने का अभियान शुरू किया। अब इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं जिसे अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी मान रही हैं। उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की ताजा रिपोर्ट भारत की इसी परिवर्तनकारी यात्रा पर वैश्विक मुहर लगा रही है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट 49.6 करोड़ लोगों की जिंदगी में बदलाव : विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 2011 से 2023 के बीच अनुमानित 49.6 करोड़ लोगों को 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर उठाया। इस अवधि में इस श्रेणी में आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया। इससे भी महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अत्यंत गरीबी में रहने वाली आबादी का अनुपात 2011 के 27.1 प्रतिशत से घटकर 2023 में महज 2.6 प्रतिशत रह गया। विश्व बैंक ने भारत की इस प्रगति को दुनिया में गरीबी घटने की सबसे तेज प्रक्रियाओं में से एक बताया है। रिपोर्ट के अनुसार, मजबूत घरेलू उपभोग, रोजगार में वृद्धि, विशेषकर महिलाओं की बढ़ती रोजगार भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं ने इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।



गरीबी के खिलाफ मोदी सरकार की रणनीति : देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक नीतियों का एक महत्वपूर्ण आधार रहा है कि गरीबों को केवल आर्थिक सहायता देने के बजाय उन्हें बुनियादी सुविधाओं और वित्तीय व्यवस्था से जोड़ा जाए। जनधन योजना के जरिए करोड़ों बैंक खाते खुले। आधार और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर ने सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाने का रास्ता मजबूत किया। उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने गरीब परिवारों के जीवन स्तर को प्रभावित किया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से करोड़ों परिवारों को खाद्य सुरक्षा मिली। इसके साथ ही मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं के जरिए रोजगार, उद्यमिता और विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहित करने का प्रयास हुआ।

वैश्विक संकट में भी भारत की आर्थिक मजबूती : साथ ही कोरोना महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, ऊर्जा संकट, महंगाई और वैश्विक व्यापारिक तनाव के बीच भारत ने अपनी आर्थिक विकास गति बनाए रखने की कोशिश की है। बुनियादी ढांचे पर सरकारी निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था, घरेलू उपभोग और मजबूत बैंकिंग व्यवस्था ने अर्थव्यवस्था को सहारा दिया। भारत की डिजिटल भुगतान व्यवस्था और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण की क्षमता ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन को भी अधिक प्रभावी बनाया है।

क्या दुनिया में किसी नेता ने इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल की है? : यहां सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या दुनिया के किसी दूसरे नेता ने नरेंद्र मोदी जैसी आर्थिक उपलब्धि इतने कम समय में हासिल की है? तुलनात्मक रूप से देखें तो चीन ने 1978 के बाद लगभग चार दशकों में करीब 77 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का ऐतिहासिक दावा किया था। वहीं भारत ने विश्व बैंक के अक्टूबर 2026 के आंकड़ों के अनुसार, 2011 से 2023 के बीच महज 12 वर्षों में 49.6 करोड़ लोगों को 4.20 डॉलर प्रतिदिन वाली निम्न-मध्यम आय वर्ग की गरीबी रेखा से ऊपर पहुंचाया। अत्यंत गरीबी का अनुपात भी इसी अवधि में 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गया। चीन की चार दशक लंबी यात्रा के मुकाबले भारत की 12 वर्षों की यह उपलब्धि अपने आप में असाधारण है।इस उपलब्धि का राजनीतिक और नीतिगत महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि इस अवधि के अधिकांश वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते हैं। 2014 में सत्ता संभालने के बाद मोदी सरकार ने गरीबों के बैंक खाते खोलने, सीधे आर्थिक सहायता पहुंचाने, मुफ्त राशन, आवास, रसोई गैस, स्वास्थ्य बीमा, स्वच्छता और ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया। जनधन-आधार-डीबीटी की व्यवस्था से लेकर गरीब कल्याण योजनाओं तक, इन नीतिगत पहलों ने गरीबी के खिलाफ अभिय को व्यापक आधार दिया। इसलिए 2014 के बाद लागू और विस्तारित इन नीतियों को इस ऐतिहासिक बदलाव का एक महत्वपूर्ण नीतिगत श्रेय निश्चित रूप से दिया जाना चाहिए।

अभी बाकी है आर्थिक लड़ाई: साथ ही विश्व बैंक ने रोजगार की गुणवत्ता, युवाओं की बेरोजगारी और क्षेत्रीय असमानता को लेकर भी चिंता जताई है। देश की लगभग 57 प्रतिशत गरीब आबादी उत्तर प्रदेश से पश्चिम बंगाल तक फैले राज्यों के एक क्षेत्र में केंद्रित है। 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ की वृद्धि हुई, जिसमें ग्रामीण महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। लेकिन युवाओं के लिए बेहतर और उत्पादक रोजगार उपलब्ध कराना अभी बड़ी चुनौती है। विश्व बैंक के अनुमान के मुताबिक, 4.20 डॉलर वाली गरीबी रेखा पर गरीबी की दर 2026 के 14.2 प्रतिशत से घटकर 2028 तक 12.1 प्रतिशत हो सकती है।

बहरहाल, भारत की यह यात्रा केवल आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के जीवन में आए बदलाव की कहानी है। रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने से लेकर देश के प्रधानमंत्री बनने तक का सफर तय करने वाले नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबी के खिलाफ चलाए गए अभियान ने महत्वपूर्ण परिणाम दिए हैं। अब चुनौती इस उपलब्धि को स्थायी आर्थिक समृद्धि में बदलने की है, ताकि गरीबी से बाहर आए परिवार दोबारा अभाव के अंधेरे में न लौटें और भारत विकसित राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य की ओर मजबूती से बढ़ सके। **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

नगर पालिका शामली के सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके आश्रितों की पेंशन संबंधी समस्याओं का निस्तारण नहीं होने का आरोप

शामली। नगर पालिका शामली के सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके आश्रितों की पेंशन संबंधी समस्याओं का निस्तारण नहीं होने का आरोप लगाते हुए नगर पालिका अकेन्द्रीयत सेवानिवृत्त पेंशनर्स एसोसिएशन ने डीएम से कार्रवाई की मांग की है। एसोसिएशन ने कहा कि कुछ पेंशनर्स की सेवा पुस्तिकाएं कार्यालय में उपलब्ध नहीं होने या गुम होने का हवाला देकर उनके आश्रितों को पारिवारिक पेंशन का लाभ देने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई जा रही है। इससे पेंशन के हकदार परिवारों को परेशानी उठानी पड़ रही है। एसोसिएशन की ओर से ओम प्रकाश शर्मा ने डीएम को दिए प्रार्थना पत्र में सहारनपुर मंडल के आयुक्त के 20 जुलाई के पत्र का हवाला दिया है। इसमें मंडल के नगर निकायों के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन संबंधी समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करने की अपेक्षा की गई थी। आरोप है कि इसके बावजूद नगर पालिका शामली में इस मामले में ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। एसोसिएशन के अनुसार अकेन्द्रीयत सेवानिवृत्ति लाभ नियामावली में पात्र लाभार्थियों को पारिवारिक पेंशन का लाभ दिए जाने के आदेश हैं। इसके बावजूद संबंधित अधिकारियों से लगातार अनुरोध करने पर भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। पालिका अधिकारियों की ओर से कुछ पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाएं उपलब्ध नहीं होने या गुम होने की बात कही जा रही है। इस कारण उनके आश्रितों को पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ देने की कार्रवाई नहीं की जा रही है। विभागीय लापरवाही के कारण पेंशनर्स या उनके आश्रितों को वैधानिक अधिकारों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने डीएम से मामले में हस्तक्षेप कर नगर पालिका के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने और पात्र पेंशनर्स एवं उनके आश्रितों की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराने की मांग की है।

दीपावली के त्योहार पर नगर पालिका के आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतन बढ़ोतरी का तोहफा मिला

शामली। दीपावली के त्योहार पर नगर पालिका के आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतन बढ़ोतरी का तोहफा मिला है। शासन की ओर से जारी नए आदेश के बाद पालिका में कार्यरत सभी आउटसोर्स कर्मचारियों का वेतन निर्धारित नई दरों के अनुसार बढा दिया गया। बढ़े हुए वेतन का भुगतान अगले माह एरियर के साथ किया जाएगा। इस निर्णय से पालिका कर्मचारियों में खुशी की लहर है।

चेयरमैन अरविन्द संगल ने बताया कि प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 2 सितंबर 2026 को आउटसोर्सिंग और ठेके पर कार्यरत कर्मचारियों के लिए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का गठन किया था। इसके तहत कर्मचारियों को चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है। श्रेणी के अनुसार ही उन्हें पारिश्रमिक और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी हैं।इसी क्रम में प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन मनीष चौहान की ओर से 2 नवंबर को शासनादेश जारी किया गया। इसमें विभिन्न विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों का पारिश्रमिक शासनादेश 19 सितंबर 2025 के अनुरूप निर्धारित करने के निर्देश दिए गए हैं। शासनादेश में श्रेणीवार पारिश्रमिक और उस पर होने वाले व्ययभार का विवरण भी भेजा गया है।शासनादेश प्राप्त होते ही चेयरमैन अरविन्द संगल ने मामले का संज्ञान लेते हुए अधिशासी अधिकारी को पालिका में कार्यरत सभी आउटसोर्स कर्मचारियों का वेतन नई निर्धारित दरों के अनुसार तैयार कराने के निर्देश दिए। साथ ही दीपावली के अवसर पर कर्मचारियों को इस सुविधा का लाभ देने की पहल की गई है।

हिंदू रक्षा दल की ओर से मंगलवार को शामली के हनुमान धाम से कैराना तक प्रस्तावित हिंदू एकता पदयात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट रहा



शामली। हिंदू रक्षा दल की ओर से मंगलवार को शामली के हनुमान धाम से कैराना तक प्रस्तावित हिंदू एकता पदयात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट रहा। पदयात्रा रोकने के लिए हनुमान धाम पर पीएसी सहित भारी पुलिस बल तैनात किया गया। इस दौरान उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा के नेतृत्व में पहुंचे संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं को पुलिस ने आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके विरोध में कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और एसडीएम सदर सचिन राजपूत को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

दरअसल हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के माध्यम से तीन नवंबर को हनुमान धाम से कैराना तक हिंदू एकता पदयात्रा निकालने का ऐलान किया था। वीडियो में उन्होंने उत्तराखंड के लोगों को घुसपैठिया कहे जाने का विरोध जताते हुए कैराना पहुंचने की बात कही थी। उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि कैराना पहुंचकर हिंदुओं को बांटने का काम करने वालों को ठीक किया जाएगा। पदयात्रा के ऐलान के बाद पुलिस प्रशासन ने एहतियातन पिंकी चौधरी समेत संगठन के अन्य पदाधिकारियों और कार्यकताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया था। मंगलवार को हिंदू रक्षा दल उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा संगठन के पदाधिकारियों के साथ हनुमान धाम पहुंचे। यहां पहले से तैनात पुलिस और पीएसी ने उन्हें कैराना की ओर जाने से रोक दिया। इस दौरान कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए अपना विरोध जताया और प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की।ज्ञापन में समाजवादी पार्टी के कैराना विधायक नाहिद हसन द्वारा सहारनपुर जिले के गंगोह में दिए गए कथित बयान और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा उत्तराखंड के लोगों को कथित रूप से घुसपैठिया कहे जाने संबंधी मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई।संगठन ने आरोप लगाया कि इन बयानों से उत्तराखंड के नागरिकों के सम्मान और भावनाओं को ठेस पहुंची है। मांग की गई कि दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और कानून का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए।इस दौरान मोहित, हर्षित, मनीष, प्रिंस, भगवान सिंह, सोनू बंसल, विजय शर्मा आदि मौजूद रहे।

दिल्ली पुलिस में बगावत ! दो अधिकारियों के तबादले के खिलाफ पुलिसकर्मियों का मुख्यालय में जोरदार प्रदर्शन, अमित शाह की बढ़ी मुश्किलें

पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त ने पुलिसकर्मियों के साथ की बैठक

(उमाकांत लखेड़ा)

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस मुख्यालय में सोमवार को पुलिसकर्मियों का जोरदार विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। पूर्वी दिल्ली में तैनात एक एसीपी और एक इंस्पेक्टर को कथित तौर पर वकीलों के दबाव में गैर-कार्यात्मक इकाइयों में स्थानांतरित किए जाने के विरोध में पुलिसकर्मी मुख्यालय में जुटे। इस घटनाक्रम को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए बड़ी असहज स्थिति के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी की कानून-व्यवस्था सीधे उनके मंत्रालय के अधीन आती है।

दिल्ली पुलिस और नागरिक समाज, युवाओं तथा वकीलों के बीच टकराव की स्थिति जून में शुरू हुए जनविरोध प्रदर्शनों के बाद से लगातार बढ़ती रही है। आरोप है कि केंद्र शासित प्रदेश की राजधानी में आंदोलनों और प्रदर्शनों से निपटने के लिए दिल्ली पुलिस को सख्त रुख अपनाने के निर्देश दिए गए थे। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देशों के परिणामस्वरूप पुलिस की कथित बर्बरता के कई मामले सामने आए, जिनमें महिला प्रदर्शनकारियों के साथ छेड़छाड़ के आरोप भी शामिल हैं। प्रदर्शन कर रहे पुलिसकर्मियों ने दोनों अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई को अनुचित बताते हुए कहा कि इससे पुलिस बल का मनोबल प्रभावित होगा।

पुलिस बल के इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना

वहीं, शीर्ष सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि इन अधिकारियों के कथित दंडात्मक तबादले का आदेश केंद्रीय गृह मंत्रालय की दिल्ली पुलिस आयुक्त को दी गई सलाह के बाद आया था। वर्दीधारी पुलिस बल के सदस्यों द्वारा इस तरह खुले तौर पर विरोध प्रदर्शन करना एक गंभीर अनुशासनात्मक अवज्ञा माना जा रहा है। इसे सरकार के प्रति असम्मान के रूप में भी देखा जा रहा है। रिपोर्ट लिखे जाने तक प्रदर्शनकारी पुलिसकर्मियों को शांत करने और स्थिति को संभालने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे थे। देर शाम बीतने के साथ ही तनाव बढ़ता गया।



नाराज पुलिसकर्मियों ने पुलिस मुख्यालय के भीतर दिया धरना

प्रदर्शनकारी पुलिस एकता के समर्थन में नारे लगाते रहे, जबकि वरिष्ठ अधिकारी स्थिति को संभालने में असहाय नजर आए। बताया जा रहा है कि दिल्ली पुलिस के इतिहास में यह पहला ऐसा मामला है, जब पुलिसकर्मी मुख्यालय के भीतर दाखिल होकर उसके परिसर में इस तरह खुले तौर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। स्थिति गंभीर होने के बाद दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार और सभी विशेष पुलिस आयुक्तों को प्रदर्शनकारी पुलिसकर्मियों की शिकायतें सुनने के लिए बैठक बुलानी पड़ी। इसे पुलिस बल के इतिहास की एक अभूतपूर्व घटना बताया जा रहा है।

पुलिसकर्मियें ने खुलकर जाहिर की अपनी नाराजगी

यह बैठक पुलिस मुख्यालय स्थित आदर्श ऑडिटोरियम में आयोजित की गई, जो कुछ ही देर में पूरी तरह भर गया। विभिन्न जिलों से पुलिसकर्मी लगातार वहां पहुंचते रहे। इनमें से कई पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में थे और उन्होंने बैठक के दौरान खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की। मीडिया कर्मियों को पुलिस मुख्यालय परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार और कई विशेष पुलिस आयुक्त मंच पर मौजूद रहे और उन्होंने प्रदर्शनकारी पुलिसकर्मियों से बातचीत करने की कोशिश की। विभिन्न जिलों से पुलिसकर्मियों का मुख्यालय पहुंचना जारी रहा।

बैठक में पुलिसकर्मियों ने बारी-बारी से अपनी बात रखी और वकीलों के कथित व्यवहार तथा अपने साथियों के खिलाफ की गई कार्रवाई पर नाराजगी जताई। दिन चढ़ने के साथ प्रदर्शन ने और व्यापक रूप ले लिया। बड़ी संख्या में महिला पुलिसकर्मी भी इस आंदोलन में शामिल हो गईं। प्रदर्शन जारी रहने के दौरान पुलिस मुख्यालय के आसपास भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई। प्रदर्शनकारी पुलिसकर्मियों ने वरिष्ठ अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग की और अपने साथियों के खिलाफ कथित एकतरफा कार्रवाई रोकने की अपील की। पुलिस विभाग के भीतर इस अभूतपूर्व प्रदर्शन से काफी बेचैनी का माहौल पैदा हो गया।

पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार एसीपी मानसवी वशिष्ठ ने रखी कई मांगें

इन मांगों में प्रमुख रूप से यह शामिल था कि वकीलों के खिलाफ दर्ज मुकदमों को वापस न लिया जाए और मामले में बार काउंसिल के एक सदस्य का नाम भी न हटाया जाए। उन्होंने यह मांग भी रखी कि सोमवार के प्रदर्शन में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई न की जाए। दिल्ली पुलिस को देश के अनुशासित पुलिस बलों में गिना जाता है। लेकिन इस पूरे मामले को लेकर पुलिसकर्मियों में नाराजगी इस कदर बढ़ गई है कि वे पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के निर्देशों को भी मानने के लिए तैयार नहीं दिखाई दे रहे हैं।

नजफगढ़ में आयोजित थर्ड दिल्ली-एनसीआर कराटे ओपन चौंपियनशिप में शामली के एवेंजर्स फाइट क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन



शामली। नजफगढ़ में आयोजित थर्ड दिल्ली-एनसीआर कराटे ओपन चौंपियनशिप में शामली के एवेंजर्स फाइट क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए पदक जीतकर जिले और क्लब का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में क्लब के खिलाड़ियों ने छह स्वर्ण, पांच रजत और एक कांस्य पदक सहित कुल 12 पदक हासिल किए। प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में कुंज पाल, राघव शर्मा, आद्रिका मलिक, युवराज शर्मा, युवान भारद्वाज, आद्रिक सिंह और आरव चौधरी शामिल रहे। वहीं, रजत पदक विजेताओं में यश ढींगरान, सृष्टि दीक्षित, अभिनव शर्मा, युवान चौधरी और विवान चौधरी ने स्थान बनाया। व्योम जांगिड़ ने कांस्य पदक जीतकर क्लब का गौरव बढ़ाया।इस उपलब्धि पर एवेंजर्स फाइट क्लब के कोच शिवांश भार्गव और टीम मैनेजर एवं कोच ऋषभ कांत शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है कि वे प्रतियोगिताओं में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि क्लब का उद्देश्य बेहतर प्रशिक्षण देकर खिलाड़ियों को जिला, प्रदेश, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। खिलाड़ियों की उपलब्धि से क्लब और शामली में खुशी का माहौल है।

राजेश्वर बंसल को समाज के प्रति उल्लेखनीय कार्यों और समर्पण भाव के लिए महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकॉन अवार्ड 2026 से सम्मानित किया जाएगा



शामली। पूर्व विधायक व प्रमुख समाजसेवी राजेश्वर बंसल को समाज के प्रति उल्लेखनीय कार्यों और समर्पण भाव के लिए महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकॉन अवार्ड 2026 से सम्मानित किया जाएगा। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन की ओर से 14 नवंबर को नई दिल्ली स्थित आंबेडकर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, जनपथ में अग्र अलंकरण समारोह का आयोजन किया जाएगा।

अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल की ओर से राजेश्वर बंसल को भेजे गए आमंत्रण पत्र में बताया गया कि समाज के लिए उनके उल्लेखनीय कार्यों और समर्पण को देखते हुए सम्मान समिति ने उन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित करने का निर्णय लिया है।

संगठन ने कहा कि राजेश्वर बंसल जैसी प्रतिभाशाली विभूतियों का सम्मान समाज के अन्य लोगों को भी देश और समाज के लिए कार्य करने की प्रेरणा देगा। समारोह 14 नवंबर को सुबह 10:30 बजे आयोजित होगा। जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी सम्मलित होगी, जिस्के हाथों से राजेश्वर बंसल को सम्मानित किया जायेगा। राजेश्वर बंसल को सम्मानित किए जाने की सूचना से अग्रवाल समाज में हर्ष का माहौल है।

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला कार्यकारिणी का विस्तार



शामली। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए रितू जैन एडवोकेट को जिला मंत्री मनोनीत किया गया है। उनकी नियुक्ति भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के दिशा-निर्देशन में जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप तथा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष बबीता राणा की संस्तुति पर की गई है। डॉ. रितू जैन लंबे समय से अधिवक्ता के साथ समाजसेविका के रूप में भी सक्रिय हैं। अपनी नियुक्ति पर डॉ. रितू जैन ने पार्टी के प्रदेश नेतृत्व, जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप और महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष का आभार जताया। उन्होंने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगी। साथ ही भाजपा की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करेंगी। डॉ. रितू जैन को जिला मंत्री बनाए जाने पर वीरेश जैन, बबलू जैन, शरद जैन और सचिन जैन सहित संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकताओं तथा जैन समाज के लोगों ने बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने की मांग को लेकर किसान एक बार फिर लामबंद होने की तैयारी में

शामली। गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने की मांग को लेकर किसान एक बार फिर लामबंद होने की तैयारी में हैं। किसान एकता संघर्ष समिति और किसान उत्थान एसोसिएशन के संयुक्त नेतृत्व में किसानों ने डीएम को ज्ञापन सौंपकर शामली में शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकालने की अनुमति मांगी है। ज्ञापन में किसानों ने बताया कि पिछले पेराई सत्र 2025-26 में गन्ने का भाव 400 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित था, जबकि चालू पेराई सत्र के लिए अभी तक सरकार की ओर से गन्ना मूल्य घोषित नहीं किया गया है। लगातार बढ़ती महंगाई के चलते खेती की लागत में भी इजाफा हुआ है। खाद, बीज, डीजल, कीटनाशक और कृषि मजदूरी महंगी होने से किसानों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। ऐसे में मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल किया जाना चाहिए। किसानों ने कहा कि अपनी मांग को सरकार तक पहुंचाने के लिए वे शामली में शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकालना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने डीएम से मार्च निकालने की अनुमति प्रदान करने का अनुरोध किया है। इस दौरान परमवीर शास्त्री, प्रताप सिंह, विकास कुमार, संजीव कुमार, शिवेंद्र कुमार और इलम सिंह सहित दर्जनों किसान मौजूद रहे।

शहर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मंगलवार को क्षेत्रीय संस्कृति महोत्सव



शामली। शहर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मंगलवार को क्षेत्रीय संस्कृति महोत्सव की मूर्तिकला प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र रोनक को सम्मानित किया गया। विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य, उपप्रधानाचार्य और वरिष्ठ शिक्षकों ने छात्र को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की ओर से क्षेत्रीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन बरेली में कान्ति कपूर सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, नैनीताल मार्ग पर किया गया था।

इसमें सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज शामली के छात्र रोनक ने किशोर वर्ग की मूर्तिकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए उसने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उसकी इस उपलब्धि से विद्यालय और जनपद का गौरव बढ़ा।विद्यालय के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य आनंद प्रसाद ने की, जबकि संचालन आचार्य बृजेश कुमार ने किया।

प्रधानाचार्य आनंद प्रसाद ने कहा कि प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है। इसलिए विद्यार्थियों को जीवन में आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए।इस अवसर पर मलूक चंद, विक्रांत कुमार, नीटू कुमार, अमन कुमार, अंकुर कुमार, कुलदीप कुमार, मधुबन, अशोक सोम, नितिन कुमार, धीरज कुमार, भानू कुमार आदि मौजूद रहे।

रंग संसार

4000 करोड़ की रामायणम को लीक करने वालों की लगेगी 'लंका', बॉम्बे हाई कोर्ट का सख्त निर्देश



नई दिल्ली। आज के दौर में पाइरेसी को लेकर सिनेमा जगत के फिल्ममेकर्स की चिंता काफी बढ़ी रहती है। क्योंकि सिनेमाघरों में रिलीज होने के साथ-साथ फिल्म ऑनलाइन लीक हो जाती हैं। लेकिन रणबीर कपूर की रामायणम के साथ ऐसा करने वालों की खैर नहीं। 4000 करोड़ के बजट में बनी फिल्म को ऑनलाइन लीक से बचाने के मेकर्स की तरफ से मुंबई हाई कोर्ट में एक याचिका डाली गई थी, जिसको लेकर कोर्ट ने मेकर्स के हित में निर्देश दिया है। पूरा मामला क्या है, आइए जानते हैं- निर्देश नितेशी तिवारी की फिल्म रामायणम को ऑनलाइन लीक और पाइरेसी से सेफ रखने के लिए हाल ही में मेकर्स की तरफ से बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने निर्देश दिया है कि अगर कोई भी रामायणम फिल्म की क्लिप गैरकानूनी तरीके से रिकॉर्ड करता है, ऑनलाइन स्ट्रीमिंग और अपलोड करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।गॉडपावर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड की तरफ से बॉम्बे हाई कोर्ट में डाली गई इस याचिका पर जस्टिस माधव जामदार ने पाइरेसी के खिलाफ आदेश दिया है। इतना ही नहीं जस्टिस माधव जामदार इस मामले में अपने निर्देश में भी कहा है कि डिजिटल प्लेफॉर्म भी रामायणम के कॉपीराइट्स उल्लंघन को लेकर एक्शन ले सकते हैं और कंटेंट को डिलीट करवा सकते हैं।इसके अलावा मेकर्स ये भी कहा गया है कि वे ऐसी वेब साइट्स की पहचान चिन्हित कर लें, जिन पर बिना परमिशन के फिल्म को लीक करके परोसा जा रहा है। 5 नवंबर 2026 को दीवाली वीक में रिलीज होने वाली रामायणम के लिए ये एक बड़ा फैसला साबित हो सकता है, जिससे फिल्म की कमाई पर असर पड़ता नहीं दिखेगा। माइथोलॉजिकल अपकमिंग फिल्म रामायणम लंबे समय से 4000 करोड़ के मोटे बजट में बनने को लेकर सिनेमाई गलियारे में चर्चा का विषय बनी हुई है। हालांकि, रामायणम

राज काज

टूटे चावल के एक्सपोर्ट पर लगेगा ब्रेक? कीमतें 360 डॉलर के पार! एथनॉल और पोल्ट्री में डिमांड हाई



नई दिल्ली। भारत में टूटे चावल (100 फीसदी ब्रोकन राइस) की कीमतों में तेजी के बीच इसके निर्यात पर फिर से रोक लगने की आशंका जताई जा रही है। इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन (IREF) ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में टूटे चावल की कीमत 360 डॉलर प्रति टन के पार पहुंच गई है। इथेनॉल बनाने वाली कंपनियों, पोल्ट्री फीड इंडस्ट्री और विदेशी खरीदारों की बढ़ती मांग से कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के मुताबिक, 2 नवंबर को देश में टूटे चावल की औसत थोक कीमत 3,036 प्रति क्विंटल रही। 10 अक्टूबर को यह 2,883 प्रति क्विंटल थी। यानी तीन सप्ताह से कुछ अधिक समय में कीमत 5.3 प्रतिशत बढ़ गई। वहीं, सितंबर 2026 में टूटे चावल की थोक महंगाई दर सालाना आधार पर 5.38 प्रतिशत रही, जो अगस्त में 4.37 प्रतिशत थी। टूटे चावल की इंडस्ट्रियल मांग में तेजी IREF के डायरेक्टर जनरल विनोद कौल ने कहा कि टूटे चावल की कीमतों में तेजी पर ध्यान देने की जरूरत है। एथनॉल उत्पादन और पोल्ट्री फीड जैसे उद्योगों में इसकी मांग बढ़ रही है। घरेलू उद्योगों और निर्यात बाजार के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा से इसकी उपलब्धता और कीमतों पर दबाव पड़ रहा है। अगर यह रुझान जारी रहा तो सरकार इसके निर्यात पर फिर प्रतिबंध लगा सकती है। एथनॉल उद्योग से बढ़ी मांग

देश में पेट्रोल में एथनॉल मिलाने का कार्यक्रम बढ़ने से अनाज की मांग बढ़ी है। इसमें टूटे चावल, मक्का और भारतीय खाद्य निगम (FCI) के अतिरिक्त चावल का इस्तेमाल होता है। सरकार ने इथेनॉल बनाने के लिए FCI के अतिरिक्त चावल के इस्तेमाल की अनुमति दी है।

दैनिक राशिफल बुधवार 04 नवम्बर 2026

मेष – समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। कार्यक्षेत्र में आगे बढड़े में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें।

वृष – परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

मिथुन : जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कर्क – शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें।

सिंह– पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा।

कन्या – शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी।

तुला – समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। कार्यक्षेत्र में आगे बढड़े में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें।

वृश्चिक – किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्गजनों से मतभेद रहेगा।

धनु – बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे।

मकर – व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा।

कुंभ – आगे बढड़े के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है।

मीन – कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी।

दैनिक पंचांग

4 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.08 ब.से
चंद्र	सिंह में	धनु	09.24 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	11.29 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.15 बजे से
गुरु	सिंह में	मीन	14.48 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.19 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.59 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.57 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.10 बजे से
		सिंह	00.27 बजे से
		कन्या	02.38 बजे से
		तुला	04.49 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2026 वर्ष का 308 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 11.04 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 03.30 बजे रात्र को समाप्त। **योग** ब्रह्म 08.01 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि

जनपद में UIDAI का प्रथम आधार सेवा केंद्र प्रारंभ, नागरिकों को एक ही स्थान पर मिलेंगी आधार संबंधी सभी प्रमुख सुविधाएं

पासपोर्ट सेवा केंद्र की तर्ज पर विकसित अत्याधुनिक केंद्र में प्रतिदिन 600 आवेदनों के निस्तारण की क्षमता, सप्ताह के सातों दिन रहेगा संचालित

मुजफ्फरनगर। जनपदवासियों को आधार कार्ड बनवाने एवं आधार संबंधी विभिन्न संशोधन और अपडेट कराने की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) का जनपद मुजफ्फरनगर में प्रथम आधार सेवा केंद्र प्रारंभ हो गया है। केंद्र के संचालन से जनपद एवं आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को आधार संबंधी सेवाएं एक ही स्थान पर सुलभ हो सकेंगी तथा इस कार्य के लिए विभिन्न केंद्रों पर जाने की आवश्यकता कम होगी।

उक्त आधार सेवा केंद्र दीपक पैलेस, नानकी हॉस्पिटल के सामने, रुड़की रोड, मुजफ्फरनगर में स्थापित किया गया है। केंद्र को पासपोर्ट सेवा केंद्र की तर्ज पर आधुनिक तकनीक एवं व्यवस्थित कार्यप्रणाली के साथ विकसित किया गया है। यहां नागरिकों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क सहित विभिन्न कार्यों के लिए पृथक कर्मचारियों की व्यवस्था की गई है, जिससे आवेदकों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सुगम एवं व्यवस्थित सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

आधार सेवा केंद्र पर नवीन आधार नामांकन के साथ-साथ पूर्व में जारी आधार कार्ड में विभिन्न प्रकार के अपडेट एवं संशोधन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इनमें नाम, पता, जन्मतिथि, लिंग, मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी, फोटो एवं बायोमेट्रिक विवरण से संबंधित संशोधन एवं अपडेट शामिल हैं। इससे नागरिकों को आधार संबंधी विभिन्न कार्यों के लिए एक ही स्थान पर सुविधा प्राप्त हो सकेगी।



प्रतिदिन 600 आवेदनों के निस्तारण की क्षमता

केंद्र को प्रतिदिन लगभग 600 आधार संबंधी आवेदनों के निस्तारण की क्षमता के अनुरूप विकसित किया गया है। आवेदकों की सुविधा एवं कार्यों के सुव्यवस्थित संचालन के लिए प्रत्येक कार्य हेतु अलग-अलग कर्मचारियों की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त नागरिकों को आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित की गई है।

UIDAI द्वारा निर्धारित शुल्क ही देय

केंद्र पर आधार संबंधी सभी कार्य भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) द्वारा निर्धारित शुल्क के अनुसार किए जाएंगे। नागरिकों को निर्धारित शुल्क की जानकारी उपलब्ध कराने तथा शुल्क संबंधी पारदर्शिता बनाए रखने की व्यवस्था की गई है।

सप्ताह के सातों दिन संचालित रहेगा केंद्र

नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आधार सेवा केंद्र सप्ताह के सातों दिन प्रातः 09:00 बजे से सायं 05:30 बजे तक संचालित रहेगा। आधार संबंधी सेवाओं का लाभ प्राप्त करने के इच्छुक नागरिक UIDAI की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन अपॉइंटमेंट भी बुक कर सकते हैं।

जनपद में आधार सेवा केंद्र के प्रारंभ होने से मुजफ्फरनगर एवं आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को आधार संबंधी नामांकन एवं संशोधन कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर आधुनिक एवं सुव्यवस्थित सुविधा उपलब्ध होगी। इससे नागरिकों के समय एवं श्रम की बचत के साथ-साथ आधार सेवाओं की सुलभता में भी वृद्धि होगी।

आधार सेवा केंद्र का पताः दीपक पैलेस, नानकी हॉस्पिटल के सामने, रुड़की रोड, मुजफ्फरनगर।

संचालन समयः प्रातः 09:00 बजे से सायं 05:30 बजे तक।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10 लाभार्थियों को धनराशि का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया

मुजफ्फरनगर। दीपावली के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत ड्ड1,500 करोड़ की धनराशि से उत्तर प्रदेश के 1.89 करोड़ + पात्र परिवारों को रसोई गैस सिलेंडर रिफिल की सब्सिडी का वितरण प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में लखनऊ लोक भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका सीधा प्रसारण जिला पंचायत सभागार में विधायक बुढ़ाना राजपाल सिंह बालियान, प्रशासक जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वीरपाल निर्वाल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप, मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गंभीर सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी श्रीओम हरि उपाध्याय, सहित अन्य संबंधित अधिकारी तथा लाभार्थियों ने माननीय प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के संबोधन को सुना व देखा।

इस अवसर पर विधायक बुढ़ाना राजपाल बालियान ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना-"स्वच्छ ईंधन बेहतर जीवन" के नारे के साथ केंद्र सरकार ने 1 मई 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के अन्तर्गत जनपद बलिया से एक सामाजिक कल्याण योजना "प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरूआत की है। यह योजना एक धुँआ रहित ग्रामीण भारत की परिकल्पना करती है। यह योजना विशेषकर गरीबी रेखा से नीचे रह रही महिलाओं को रियायती एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखती है। योजना से एलपीजी के उपयोग में वृद्धि होगी और स्वास्थ्य संबंधी विकार, वायु प्रदूषण एवं वनों की कटाई को कम करने में मदद मिलेगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय इस योजना का कार्यान्वयन कर रहा है। उद्देश्य-महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा, खाना पकाने के लिए एक स्वस्थ ईंधन उपलब्ध कराना, जीवाश्म ईंधन के उपयोग के कारण ग्रामीण आबादी के लाखों लोगों के बीच स्वास्थ्य से संबंधित खतरों को रोकने के लिए।

इस योजना के अन्तर्गत समय-समय पर निःशुल्क रिफिल उपलब्ध कराये जाते रहे हैं तथा उपभोक्ता को सब्सिड़ी के माध्यम से सिलेण्डर का मूल्य उसके बैंक खाते में प्राप्त होता रहता है यह योजना तीन चरणों में लागू हुई है, जिसमें जनपद में तीनों ऑयल कम्पनियों (आईओसी, एचपीसी, बीपीसी) के कुल 256386 प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस कनेक्शन प्रचलित हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजनान्तर्गत प्रति रिफिल कुल रू0 957/- की सब्सिडी अनुमन्य है, जिसमें केन्द्र सरकार द्वारा रू0 304.60/- एवं राज्य सरकार द्वारा रू0 652.40/- सब्सिडी है। माननीय विधायक बुढ़ाना राजपाल सिंह बालियान,प्रशासक जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वीरपाल निर्वाल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप, मुख्य विकास अधिकारी श्री अमित कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गंभीर सिंह ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 10 लाभार्थियों को धनराशि का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया। तथा लाभार्थियों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं भी दी ।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा में मुजफ्फरनगर से जाएंगे तीन हजार कार्यकर्ता

सदर, बुढ़ाना, खतौली, चरथावल और पुरकाजी विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा नेताओं ने संभाली जिम्मेदारी, मंडल स्तर पर बैठकों के जरिए कार्यकर्ताओं से संपर्क तेज

मुजफ्फरनगर। गाजियाबाद में आगामी 5 नवंबर को आयोजित होने वाली भारतीय जनता पार्टी की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को लेकर मुजफ्फरनगर में पार्टी संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जनपद से करीब तीन हजार कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम में शामिल कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिले की सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। मंडल स्तर पर बैठकों और व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से कार्यकर्ताओं को गाजियाबाद पहुंचने का आह्वान किया जा रहा है। जिला मीडिया प्रभारी पवन अरोरा ने बताया कि भाजपा की ओर से आयोजित इस पदयात्रा का उद्देश्य विपक्ष की राजनीति, कथित अराजकता तथा संवैधानिक संस्थाओं और चुनाव आयोग को लेकर विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों एवं कथित भ्रामक नैरेटिव का जवाब देना बताया गया है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रहेंगे। गाजियाबाद में आयोजित पदयात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी शामिल होने का कार्यक्रम है।

सदर विधानसभा क्षेत्र में मंत्री कपिल देव अग्रवाल के नेतृत्व में तैयारी

सदर विधानसभा क्षेत्र में प्रदेश सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल के नेतृत्व में पदयात्रा की तैयारियां की जा रही हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता देशबंधु तोमर को यात्रा संयोजक बनाया गया है। पदयात्रा के जिला संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष विशाल गर्ग तथा जिला सहसंयोजक जिला मंत्री दिनेश पुंडीर और ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष विजय वर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा जिला महामंत्री संजय गर्ग, भाजपा नेता कुश पुरी, मंडल अध्यक्ष प्रवीण खेड़ा, दीपक मित्तल, अमित शास्त्री, नंदकिशोर पाल, राधे वर्मा, अमन तोमर और हरीश गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी कार्यकर्ताओं से संपर्क कर रहे हैं।



खतौली में जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी के नेतृत्व में तैयारियां तेज

खतौली विधानसभा क्षेत्र में भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सुधीर सैनी की अध्यक्षता में यनेश तंवर, विकास चौधरी , अरुण गुर्जर, योगेन्द्र चौधरी, रोहित खत्री, अनुज सहरावत, विनीत चौहान, रविकांत प्रधान, के नेतृत्व में पदयात्रा की तैयारियां की जा रही हैं।

बुढ़ाना में पूर्व विधायक उमेश मलिक ने संभाली जिम्मेदारी

बुढ़ाना विधानसभा क्षेत्र में पूर्व विधायक उमेश मलिक के नेतृत्व में तैयारियों को गति दी जा रही है। सहकारी बैंक के चेयरमैन ठाकुर रामनाथ, जिला मंत्री प्रमेश सैनी, विनोद सैनी तथा मंडल अध्यक्ष मनोज कुरथल, मुनीश त्यागी, सहदेव चौधरी, तेलूराम कश्यप और पवन वर्मा सहित सभी सेक्टर संयोजकों और प्रतिनिधियों को कार्यक्रम की सफलता के लिए जिम्मेदारी दी गई है।

चरथावल में सपना कश्यप और प्रमोद सैनी के नेतृत्व में तैयारी

चरथावल विधानसभा क्षेत्र में महिला आयोग की सदस्य सपना कश्यप और विधानसभा प्रभारी प्रमोद सैनी के नेतृत्व में पदयात्रा की तैयारियां चल रही हैं। पूर्व मंडल अध्यक्ष मनीष गर्ग के साथ मंडल अध्यक्ष प्रवीण राणा, वीरेंद्र सैनी, प्रशांत देशवाल और भोपाल सहित सभी महामंत्री एवं प्रतिनिधि कार्यकर्ताओं से संपर्क कर रहे हैं।

पुरकाजी में पूर्व विधायक प्रमोद ऊटवाल के नेतृत्व में जुटे भाजपा नेता

पुरकाजी विधानसभा क्षेत्र में पूर्व विधायक प्रमोद ऊटवाल के साथ श्रीमोहन तायल, धर्मेंद्र तोमर, अमित पवार, संदीप शर्मा, अजय पवार, हरेंद्र शर्मा, लक्ष्मण शर्मा, नरेश कोरी और अंकुर शर्मा सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता पदयात्रा में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास में जुटे हैं।

मुज़फ़्फ़रनगर में बुर्कानशीं युवती को जड़े दनादन थप्पड़: वायरल सीसीटीवी वीडियो के बाद आरोपी अयाज गिरफ्तार

साकेत कॉलोनी की वारदात, इंसानियत और कानून-व्यवस्था को दिखाया ठेंगा

मुजफ़्फरनगर। जनपद के थाना सिविल लाइंस क्षेत्र स्थित साकेत कॉलोनी से इंसानियत और कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहाँ सड़क किनारे खड़ी एक बुर्कानशीं युवती के साथ एक युवक द्वारा बेदर्दी से मारपीट और थप्पड़ों की बरसात करने का मामला गरमा गया है। पूरी घटना पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होते ही हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को हिरासत में ले लिया है। वायरल फुटेज लगभग 10 से 12 दिन पुराना बताया जा रहा है। वीडियो में स्पष्ट देखा जा सकता है कि साकेत कॉलोनी की एक गली में बुर्का पहने युवती खड़ी थी, तभी एक युवक वहां पहुँचता है। किसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू होती है और देखते ही देखते युवक आपा खो बैठता है। आरोपी युवती को ताबड़तोड़ कई थप्पड़ जड़ देता है और धक्का-



मुक्की करता है। पीड़िता खुद को बचाने का प्रयास करती है, लेकिन बेखौफ आरोपी उस पर हमला जारी रखता है। वीडियो वायरल होते ही एक्शन में पुलिस यह खौफनाक वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर शेयर हुआ, मुजफ़्फरनगर पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने सिविल लाइंस थाना पुलिस को आरोपी की तत्काल पहचान और गिरफ्तारी के निर्देश दिए। डिजिटल साक्ष्यों और स्थानीय नेटवर्क की मदद से पुलिस ने महज कुछ घंटों के भीतर वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी युवक को ढूंढ निकाला। थाना सिविल लाइंस पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी की पहचान अयाज के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक पूछताछ और जांच में यह तथ्य सामने आया है कि पीड़िता और आरोपी एक-दूसरे को पूर्व से जानते थे। दोनों के बीच पिछले कुछ समय से पैसों के लेन-देन और पारिवारिक रंजिश को लेकर विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते साकेत में कहासुनी के दौरान आरोपी ने युवती के साथ मारपीट की। मामले की जानकारी देते हुए सिविल लाइंस थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित पक्ष और वायरल वीडियो के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी अयाज को गिरफ्तार कर वैधानिक व कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। मुजफ़्फरनगर पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले और शांति व्यवस्था भंग करने वाले किसी भी अराजक तत्व को बख्शा नहीं जाएगा।

किसानों की मांगों को लेकर भाकियू तोमर ने नौचंदी एक्सप्रेस से किया लखनऊ कूच, आज राजधानी में गूंजेगी किसानों की आवाज

गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति कुंतल करने, मुफ्त बिजली और फसलों का उचित मूल्य देने सहित विभिन्न मांगों को लेकर होगी विशाल पंचायत

मुजफ्फरनगर। किसानों की विभिन्न समस्याओं और लंबित मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (तोमर) ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान करते हुए लखनऊ कूच कर दिया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी संजीव तोमर के नेतृत्व में मुजफ्फरनगर से हजारों किसान, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता नौचंदी एक्सप्रेस ट्रेन से उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के लिए रवाना हुए। किसानों में अपनी मांगों को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया।



संगठन द्वारा करीब 10 दिन पूर्व दिए गए अल्टीमेटम के तहत यह कूच किया गया है। भारतीय किसान यूनियन (तोमर) की ओर से 4 नवंबर को लखनऊ स्थित प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय पर विशाल किसान पंचायत का आयोजन किया जाएगा। पंचायत में प्रदेशभर से पहुंचे किसान अपनी समस्याओं और मांगों को शासन-प्रशासन के समक्ष उठाएंगे।

जनगणना को लेकर समस्त चार्ज अधिकारियों, मास्टर ट्रेनर्स और के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की

मुजफ्फरनगर। जनगणना 2027 के सफल संचालन हेतु मुजफ्फरनगर जिला प्रशासन मुस्तैद; अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने आगामी चरणों के प्रशिक्षण को लेकर कड़े निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि 26 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 2026 तक प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के प्रथम शिफ्ट का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया जिसके लिए सभी लोग बधाई के पात्र हैं, सभी को बधाई दे

उन्होंने कहा कि आगामी 04 से 06 नवंबर एवं 12 से 14 नवंबर तक आयोजित होने वाले अगले चरणों के प्रशिक्षण सत्रों के लिए रूपरेखा तैयार है, डिजिटल डेटा संकलन हेतु 'जनगणना मोबाइल ऐप' की बारीकियों और तकनीकी संचालन पर विशेष जोर रहेगा।

उत्तर प्रदेश सरकार के मंशानुरूप जनपद में राष्ट्रीय महत्व के कार्य 'जनगणना-2027' के द्वितीय चरण को समयबद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में आज कलेक्ट्रेट जिला पंचायत सभागार में सभागार में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) / जिला जनगणना अधिकारी गंभीर सिंह की अध्यक्षता में समस्त चार्ज अधिकारियों, मास्टर ट्रेनर्स और के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आहुत की गई।

बैठक में सर्वप्रथम पूर्व में 26 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक आयोजित की गई प्रथम शिफ्ट के प्रगणक एवं पर्यवेक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए अपर



जिलाधिकारी ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि प्रथम चरण का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक, सुचारू रूप से एवं निर्धारित मानकों के अनुसार संपन्न हो चुका है।

प्रथम शिफ्ट की सफलता को दोहराते हुए, आगामी 04 नवंबर से 06 नवंबर तथा 12 नवंबर से 14 नवंबर 2026 तक निर्धारित अगले चरणों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सफलता हेतु सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश । उन्होंने कहा कि जनगणना देश के विकास की नींव है। प्रथम शिफ्ट की ही तरह आगामी सत्रों में भी सभी चार्ज अधिकारी व मास्टर ट्रेनर्स निर्धारित मानकों के अनुसार फील्ड स्टाफ को गहन और बिंदुवार प्रशिक्षण प्रदान कराए।

उन्होंने कहा कि इस बार की जनगणना पूर्णतः आधुनिक और डिजिटल है। बैठक में विशेष निर्देश दिए गए कि सभी प्रगणकों को विभागीय मोबाइल ऐप के संचालन, ऑफलाइन डेटा एंट्री और डेटा सिंकिंग की प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अभ्यास (लाइव डेमो) कराया जाए, ताकि फील्ड में कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की तकनीकी बाधा उत्पन्न न हो।

उन्होंने कहा कि फील्ड अनुश्रवण और प्रशासनिक समन्वयः नामित चारों मुख्य मास्टर ट्रेनर्स विक्रांत तालियान, गौरव शर्मा, जितेंद्र सिंह एवं रविकांत) को अपनी-अपनी तहसीलों और स्थानीय निकायों के प्रशिक्षण स्थलों पर उपस्थित रहकर मॉनिटरिंग करने तथा फील्ड स्टाफ की तकनीकी समस्याओं का ऑन-स्पॉट निस्तारण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला जनगणना अधिकारी ने अंत में सचेत किया कि जनगणना कार्य राष्ट्रीय दायित्व है और इसमें किसी भी स्तर पर बरती गई लापरवाही या शिथिलता अक्षम्य होगी। उन्होंने जनपद के प्रगणकों और पर्यवेक्षकों से पूर्ण निष्ठा के साथ इस प्रशिक्षण का हिस्सा बनने की अपील की है। उन्होंने

भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष विजय वर्मा का मैढ़ क्षत्रिय सोनार समन्वय समिति ने किया भव्य स्वागत

व्यापारियों ने बाहरी राज्यों की पुलिस द्वारा बिना उचित जांच के कार्रवाई किए जाने का मुद्दा उठाया

मुजफ्फरनगर। रुड़की रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष मनोनीत होने पर विजय वर्मा का मैढ़ क्षत्रिय सोनार समन्वय समिति की ओर से भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का फूल-मालाओं, पगड़ी एवं पटका पहनाकर स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अजमीढ़ जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात शिवम वर्मा ने विजय वर्मा को पगड़ी एवं पटका पहनाकर तथा माला पहनाकर उनका सम्मान किया। समारोह का मंच संचालन सुनील वर्मा ने किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सतीश वर्मा ने की।

इस अवसर पर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विजय वर्मा ने अपने संबोधन में उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार सर्वसमाज के हितों को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है। पार्टी नेतृत्व ने उन्हें ओबीसी वर्ग की जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना और उनकी समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

समारोह के दौरान स्वर्ण समाज के प्रतिनिधियों एवं व्यापारियों ने अपनी समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि व्यापारियों के सामने इन दिनों एक गंभीर समस्या देखने को मिल रही है। आरोप लगाया कि बाहरी राज्यों की पुलिस किसी अज्ञात व्यक्ति को साथ लेकर स्थानीय दुकानों पर पहुंचती है और संबंधित व्यापारी पर चोरी का सामान खरीदने या बेचने का आरोप लगाते हुए उसे अपने साथ ले जाने की



कार्रवाई करती है। व्यापारियों का कहना था कि कई बार बिना पर्याप्त जांच-पड़ताल और तथ्यों की पुष्टि किए ही इस प्रकार की कार्रवाई से व्यापारियों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता है तथा उनके सम्मान और कारोबार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। व्यापारियों ने विजय वर्मा से इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए शासन-प्रशासन और सरकार के समक्ष उठाने की मांग की, ताकि व्यापारियों को अनावश्यक उत्पीड़न से राहत मिल सके और किसी भी कार्रवाई से पहले निष्पक्ष जांच सुनिश्चित हो। विजय वर्मा ने समाज के लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी ओर से उठाए गए विषयों को गंभीरता से संबंधित स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम में पवन वर्मा, राजेश वर्मा, मास्टर राजपाल वर्मा, शिवम वर्मा, सुनील वर्मा, सतीश वर्मा, पवन वर्मा, हिमांशु वर्मा, अंकित उप्पल, रवि वर्मा,महेश वर्मा, नीतू वर्मा, सुशील वर्मा डाई वाले, रोहतास वर्मा,विजय वर्मा,नरेंद्र भारती,राजेंद्र वर्मा, रवींद्र वर्मा बिरालसी, सुनील वर्मा बरवाला,अंशुल वर्मा बरवाला,यश वर्मा, विकास कुमार वर्मा, सुनील वर्मा फुगाना,योगेश वर्मा शेरनगर,राजेश वर्मा,रामकुमार वर्मा नेहा साउंड सर्विस,गौरव वर्मा, शिवम वर्मा,सुरेश चंद्र वर्मा, मास्टर भोपाल सिंह वर्मा, मास्टर तृष कुमार वर्मा, श्यामलाल वर्मा, विजय राज रान,रूपचंद वर्मा, शौर्य वर्मा, अंशुल वर्मा,राजीव वर्मा,नरेंद्र वर्मा,हिमांशु वर्मा, कोकील वर्मा,शिवकुमार वर्मा,नवीन वर्मा,अवीश कुमार वर्मा, रवि वर्मा, सागर वर्मा,दीपक वर्मा, देवेंद्र वर्मा, आयुष वर्मा,भोला वर्मा,अमन वर्मा, सहित मेढ़ क्षत्रिय सोनार समन्वय समिति के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

रेलवे रोड स्थित प्रस्तावित वाल्मीकि चौक का प्रस्ताव नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक में रखे जाने पर वाल्मीकि समाज ने मंत्री कपिल देव अग्रवाल का जताया आभार

महापुरुषों का सम्मान, सामाजिक समरसता और समाज के प्रत्येक वर्ग की भावनाओं का आदर करना हमारा नैतिक दायित्व है - कपिल देव अग्रवाल

मुजफ्फरनगर। प्रदेश सरकार में मंत्री कपिल देव अग्रवाल के मुजफ्फरनगर स्थित आवास पर वाल्मीकि समाज के सम्मानित एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भेंट कर रेलवे रोड स्थित प्रस्तावित वाल्मीकि चौक के प्रस्ताव को नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक में रखे जाने पर हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

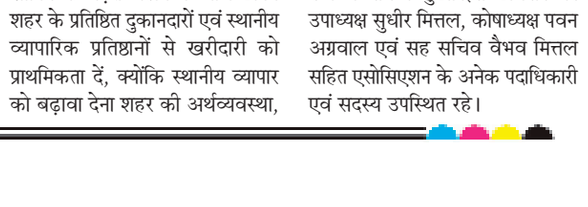
इस अवसर पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने सभी सम्मानित जनों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी भारतीय संस्कृति, साहित्य एवं आध्यात्मिक चेतना के महान प्रतीक हैं। उन्होंने रामायण जैसे महान ग्रंथ की रचना कर संपूर्ण मानव समाज को सत्य, मर्यादा, न्याय, सदाचार और मानवता का मार्ग दिखाया। उनके आदर्श एवं विचार सदियों से समाज को प्रेरणा देते आ रहे हैं।उन्होंने कहा कि महापुरुष किसी एक समाज या वर्ग की धरोहर नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र की अमूल्य विरासत होते हैं। उनका सम्मान करना, उनके विचारों को जन-जन तक पहुँचाना और उनसे जुड़ी जनभावनाओं का आदर करना हम सभी का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है। रेलवे रोड पर प्रस्तावित वाल्मीकि चौक इसी सम्मान, सामाजिक गौरव और महर्षि वाल्मीकि जी के प्रति श्रद्धा की भावना से जुड़ा विषय है। मंत्री कपिल देव ने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते



समाज के प्रत्येक वर्ग की भावनाओं, अपेक्षाओं एवं जनहित से जुड़ी मांगों को उचित मंच तक पहुँचाना उनकी जिम्मेदारी है।

मुजफ्फरनगर की सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और समरसता को मजबूत करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने आश्वस्त किया कि महापुरुषों के सम्मान एवं जनभावनाओं से जुड़े विषयों को सदैव प्राथमिकता के साथ उचित मंच पर उठाने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर सुमित भंवर सागर वाल्मीकि, डॉ. ललित बिरला, रविंद्र बेनीवाल, सुंदरलाल, दीपक वाल्मीकि, रमेश प्रधान, डॉ. विनोद काजल, श्रीमती सुधा एडवोकेट, महेश राज भगत, अजीत वाल्मीकि, अजीत निराला नगर, गजेंद्र अलमासपुर, दीपक सफाई नायक, राजू बेनीवाल, ललित मचल, सुधीर मचल, अनिकेत, राजकुमार सफाई नायक, सतीश दीवानजी, अमित शेरयार, सोनू खानपुर, विजय बेनीवाल, पुनीत बिरला, विकास बिरला, मुकेश बिरला, राहुल वाल्मीकि, राजकुमार बिरला, रवीश बिरला, सुमित बिरला, साहिल बिरला, रवि सौदे, अंगारी, श्रीमती शकुंतला, श्रीमती संतोष, श्रीमती आशा एवं श्रीमती बाला देवी सहित वाल्मीकि समाज के अनेक गणमान्य एवं सम्मानित व्यक्ति उपस्थित रहे। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सभी वर्गों का स्नेह, सहयोग और विश्वास ही सामाजिक समरसता की वास्तविक शक्ति है। महापुरुषों के सम्मान और जनभावनाओं के आदर के लिए सकारात्मक प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

सेनेट्री व्यापारिक एसोसिएशन का दीपावली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न



मुजफ्फरनगर। सेनेट्री व्यापारिक एसोसिएशन, मुजफ्फरनगर का दीपावली मिलन समारोह बड़े ही हर्षोल्लास एवं पारिवारिक वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में शहर के सेनेट्री व्यापार से जुड़े प्रतिष्ठित व्यापारी, एसोसिएशन के सम्मानित सदस्य एवं विभिन्न सेनेट्री प्रतिष्ठानों के संचालक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।एसोसिएशन के अध्यक्ष हरीश अग्रवाल ने सभी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए संगठन की एकता और आपसी भाईचारे को बनाए रखने का संदेश दिया।

एसोसिएशन के सचिव विकास भार्गव ने अपने संबोधन में सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के बदलते व्यापारिक परिवेश में हमें आधुनिक तकनीक के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है, लेकिन अपने स्थानीय व्यापार और बाजार की मजबूती को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने सभी से अपील की कि ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते चलन के बीच अपने शहर के प्रतिष्ठित दुकानदारों एवं स्थानीय व्यापारिक प्रतिष्ठानों से खरीदारी को प्राथमिकता दें, क्योंकि स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देना शहर की अर्थव्यवस्था, रोजगार और व्यापारिक एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।उन्होंने डिजिटल पेमेंट एवं बढ़कके बढ़ते उपयोग पर भी बात रखते हुए कहा कि डिजिटल भुगतान आज व्यापार को सरल और सुविधाजनक बना रहा है, लेकिन इसके साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति सतर्क रहना भी बेहद जरूरी है। किसी अनजान लिंक, फर्जी दफ कोड, डळढ या वढक ढक्ठ साझा करने से बचें और प्रत्येक डिजिटल लेनदेन में सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि

शुकतीर्थ में कार्तिक गंगा स्नान मेले की तैयारियां तेज: डीएम-एसएसपी ने किया निरीक्षण, आरती स्थल का काम जल्द पूरा करने के निर्देश

जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं पर दिया विशेष जोर

मोरना (मुजफ्फरनगर)। पौराणिक एवं ऐतिहासिक तीर्थनगरी शुकतीर्थ में आगामी 21 से 25 नवंबर तक आयोजित होने वाले भव्य कार्तिक गंगा स्नान मेले को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह सक्रिय हो गई है। मंगलवार को जिलाधिकारी उमेश मिश्रा तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज राय ने प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के पूरे लश्कर के साथ शुकतीर्थ पहुंचकर मेला स्थल और गंगा घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान मातहतों को सभी व्यवस्थाएं समय रहते सुदृढ़ व गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरी करने की हिदायत दी।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने गंगा घाट पर पिछले काफी समय से अधूरे पड़े आरती स्थल के निर्माण कार्य का बारीकी से जायजा लिया। निर्माण की धीमी गति पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने सीएनडीएस (उठऊ) के कर्मचारियों को सख्त लहजे में निर्देश दिए कि आरती स्थल का शेष कार्य एक सप्ताह के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि निमार्णाधीन आरती स्थल पर बाहर निकले हुए सरियों के कारण स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही वहां गहरे पानी की मौजूदगी के चलते किसी बड़े हादसे की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सड़कों को गड्ढामुक्त करने के दिए कड़े निर्देश तीर्थनगरी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का आवागमन सुगम



बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग (PWD) के अधिशासी अभियंता अनिल राणा को निर्देशित किया कि शुकतीर्थ को जोड़ने वाले सभी प्रमुख मार्गों को अविलंब गड्ढामुक्त एवं दुरुस्त कराया जाए। मेले के दौरान स्वच्छता और प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने का जिम्मा खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) मोरना प्रमोद कुमार को सौंपा गया। उन्हें मेले में निरंतर सफाई, बिहारगढ़ मार्ग पर स्ट्रीट लाइट/प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत जनसुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं शुद्ध पेयजल की उपलब्धता के लिए जल निगम के अधिकारियों को मेला क्षेत्र में समुचित व्यवस्थाएं करने के लिए पाबंद किया गया। मेला स्थल को विस्तृत और सुगम बनाने के लिए जिलाधिकारी ने एसडीएम रश्मि लाम्बा को निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में खड़ी गन्ने की फसल को समय से कटवाकर स्थल का समतलीकरण कराया जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत नगर पंचायतों को जिम्मेदारी दी गई है कि वे पक्के शौचालयों का निर्माण सुनिश्चित करें और मेला अवधि के दौरान वहां सफाई कर्मचारियों की रोस्टर के अनुसार तैनाती करें। निरीक्षण के उपरांत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज राय ने पत्रकारों को बताया कि कार्तिक गंगा स्नान मेले में देश-प्रदेश से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और उन्हें बेहतर माहौल उपलब्ध कराना पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुजफ्फरनगर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक हुए छात्र: जल संरक्षण व स्वच्छता का दिया संदेश

गदीश प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हुआ कार्यक्रम

मुजफ्फरनगर। नगर स्थित लाला जगदीश प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वंदना सत्र में मां शारदे के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शिव शंकर शर्मा ने विद्यार्थियों को प्रकृति के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति विस्तार से जागरूक किया। पर्यावरण रक्षा केवल दायित्व नहीं, नैतिक कर्तव्य भी: प्रधानाचार्य

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य शिव शंकर शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण संपूर्ण विश्व की सबसे प्रमुख आवश्यकताओं में से एक बन चुका है। लगातार बढ़ता प्रदूषण, गहराता जल संकट और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन भविष्य के लिए अत्यंत गंभीर चुनौती पैदा कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे संकट के समय में प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। पर्यावरण की रक्षा करना केवल हमारा प्रशासनिक या सामाजिक



दायित्व नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य के प्रति हमारा नैतिक कर्तव्य भी है।

प्रधानाचार्य ने छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल आदतें ढालने का सुझाव दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, जल का संरक्षण करने, प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करने या कम से कम करने तथा अपने आसपास सफाई बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा किए गए छोटे-छोटे सकारात्मक प्रयास भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं। यदि प्रत्येक विद्यार्थी अपने स्तर पर इन संकल्पों को अपनाए, तो समाज में एक व्यापक सुधार देखने को मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों का आह्वान किया गया कि वे स्वयं तो पर्यावरण के प्रति सचेत बनें ही, साथ ही अपने परिवार, पड़ोस और समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए निरंतर प्रेरित करें। प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान देना नहीं है, बल्कि उन्हें सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक कर एक सजग एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करना है। इस जागरूकता कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जानसठ में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की बड़ी कार्रवाई: हिमालय एग्रो प्लांट सील, ईटीपी प्लांट संचालित नहीं, मचा हडकंप

लखनऊ से जारी हुए थे सीलिंग के आदेश, सोमवार रात अधिकारियों ने पहुंचकर की जांच

मुजफ्फरनगर। जिले में प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में जानसठ क्षेत्र स्थित हिमालय एग्रो प्लांट को सील कर दिया गया। प्लांट के निरीक्षण के दौरान वहां ईटीपी (एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) संचालित नहीं मिला। जल प्रदूषण से संबंधित अनियमितताएं सामने आने के बाद विभागीय अधिकारियों ने सीलिंग की कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार हिमालय एग्रो प्लांट के खिलाफ कार्रवाई के आदेश लखनऊ मुख्यालय से जारी किए गए थे। आदेश मिलने के बाद सोमवार रात क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी गितेश चंद्र के नेतृत्व में विभागीय टीम प्लांट पर पहुंची। टीम में जेई राजा गुप्ता सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

ईटीपी संचालित न मिलने पर हुई सीलिंग

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हिमालय एग्रो प्लांट द्वारा जल प्रदूषण से संबंधित नियमों का अनुपालन न करने की शिकायतें मिल रही थीं, जिस पर संज्ञान लेते हुए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के लखनऊ मुख्यालय ने प्लांट को सील करने का आदेश जारी किया था। मुख्यालय से आदेश मिलते ही सोमवार रात क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी गितेश चंद्र के नेतृत्व में विभागीय टीम ने प्लांट परिसर पर अचानक छापा मारा। टीम में जूनियर इंजीनियर राजा गुप्ता समेत अन्य विभागीय कर्मचारी शामिल रहे। टीम ने जब प्लांट का स्थलीय निरीक्षण किया, तो वहां ईटीपी संचालित नहीं पाया गया। जल प्रदूषण और पर्यावरणीय मानकों में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नियमानुसार प्लांट को सील कर दिया।

जानिए क्यों जरूरी है ईटीपी का संचालन?

पर्यावरणीय एवं जल संरक्षण नियमों के तहत किसी भी औद्योगिक इकाई से



निकलने वाले जहरीले व दूषित पानी का उपचार करना अनिवार्य होता है। ईटीपी के जरिए कारखाने के रासायनिक पानी को साफ किया जाता है ताकि वह नदियों, नालों या भूजल को दूषित न करे। ईटीपी बंद होने की स्थिति में अनुपचारित रासायनिक जल सीधे जल स्रोतों में मिलता है, जिससे भूजल दूषित होता है और आसपास के पर्यावरण तथा जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा हो जाता है।

औद्योगिक क्षेत्र में सख्ती का संदेश

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की इस दंडात्मक कार्रवाई के बाद जानसठ और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में भारी हलचल देखने को मिल रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट संकेत दिया है कि नियमों से खिलवाड़ करने वाली किसी भी इकाई को बख्शा नहीं जाएगा। इस सीलिंग की कार्रवाई के बाद क्षेत्र के अन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों में भी ईटीपी संचालन और प्रदूषण मानकों के अनुपालन को लेकर चचाएँ तेज हो गई हैं अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान ईटीपी प्लांट संचालित नहीं पाया गया। जल प्रदूषण से संबंधित नियमों के अनुपालन में अनियमितताएं मिलने पर अधिकारियों ने नियमानुसार सीलिंग की कार्रवाई की।

औद्योगिक इकाइयों में मचा हड़कंप

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की इस कार्रवाई से जानसठ क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों में हलचल मच गई है। विभाग की कार्रवाई को प्रदूषण नियंत्रण नियमों के पालन को लेकर सख्ती के रूप में देखा जा रहा है। अधिकारियों की ओर से प्लांट को सील किए जाने के बाद क्षेत्र के अन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों में भी नियमों के अनुपालन को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

खतौली पालिका और चरथावल नगर पंचायत में भारी अनियमितता: ईओ राजीव कुमार के वेतन पर लगी रोक, सात दिन में मांगी रिपोर्ट

प्रशासनिक व वित्तीय धांधली की शासन स्तर से जांच शुरू, चरथावल में सफाई व्यवस्था की खुली पोल

मुजफ्फरनगर। नगर पालिका परिषद खतौली और नगर पंचायत चरथावल में वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताओं के साथ-साथ सफाई व्यवस्था में बरती जा रही घोर लापरवाही को जिला प्रशासन ने बेहद गंभीरता से लिया है। दोनों ही निकायों में अधिशासी अधिकारी (ईओ) का दायित्व संभाल रहे राजीव कुमार की कार्यप्रणाली अब जांच के दायरे में आ गई है। जिलाधिकारी के कड़े रुख के बाद अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) देश दीपक सिंह ने ईओ के अक्टूबर माह के वेतन आहरण पर अग्रिम आदेशों तक तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। वहीं, मामले की गंभीरता को देखते हुए चरथावल में सफाई व्यवस्था की स्थलीय जांच के आदेश दिए गए हैं। नगर पालिका परिषद खतौली के वर्तमान सभासद मनोज कुमार और पूर्व सभासद डॉ. मौ. अथर ने 29 सितंबर 2026 को उत्तर प्रदेश शासन को एक शिकायती पत्र भेजा था। इसमें पालिका में बड़े पैमाने पर जारी कथित वित्तीय और प्रशासनिक



गड़बड़ियों का पदार्फाश करते हुए निष्पक्ष जांच एवं दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई थी।

मामले को गंभीरता से लेते हुए उत्तर प्रदेश शासन के नगर विकास अनुभाग-2 के अनु सचिव चंद्रपाल सिंह ने 15 अक्टूबर 2026 को मुजफ्फरनगर जिलाधिकारी को पत्र भेजकर पूरे प्रकरण की गहन जांच कराकर 15 दिवस के भीतर विस्तृत स्पष्ट आख्या उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था।

दूसरी ओर नगर पंचायत चरथावल में सफाई कार्यों में जमकर लापरवाही बरती जा रही थी। स्थानीय निकाय निदेशालय उत्तर प्रदेश द्वारा 23 अक्टूबर 2026 को डीसीसीसी के माध्यम से नगर पंचायत की लाइव डिजिटल मॉनिटरिंग की गई।

इस दौरान कस्बे के कई प्रमुख स्थानों पर गंदगी और कूड़े के ढेर लगे पाए गए। निदेशालय ने इस लचर रवैये को विभागीय निदेशों का स्पष्ट उल्लंघन मानते हुए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों व माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों की अवहेलना पर गंभीर टिप्पणी की। हाल ही में चरथावल नगर पंचायत अध्यक्ष मास्टर इस्लाम और कई सभासदों ने भी ईओ पर सफाई व्यवस्था को ठप करने का सार्वजनिक आरोप लगाया था।

भोकरहेड़ी के तालाब किनारे दिखे मगरमच्छ से फैली दहशत: तीन मगरच्छ होने का दावा, ग्रामीणों ने की रेस्क्यू की मांग

सेंचुरी क्षेत्र में स्थिति पर नजर बनाए हुए है वन विभाग

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी स्थित वजीराबाद की सीमा पर मौजूद बड़े तालाब के किनारे मगरमच्छ दिखाई पड़ने से ग्रामीणों और किसानों में भारी दहशत फैल गई है। तालाब के पास अक्सर मगरमच्छों की चहलकदमी से आसपास के खेतों में काम करने वाले किसान और राहगीर सहमे हुए हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से इन मगरमच्छों को तुरंत पकड़कर किसी सुरक्षित स्थान पर छोड़ने की गुहार लगाई है। सुबह धूप सेंकते दिखा मगरमच्छ, मौके पर उमड़ी भीड़

मिली जानकारी के अनुसार, कस्बा भोकरहेड़ी में वजीराबाद सीमा पर स्थित विशाल तालाब के किनारे मंगलवार की सुबह-सुबह एक किसान की नजर धूप सेंक रहे मगरमच्छ पर पड़ी। तालाब किनारे मगरमच्छ होने की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई, जिसके बाद बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और किसान मौके पर एकत्र हो गए। पास में ही स्थित ताज ईंट भट्टा संचालक मोहम्मद शमशाद ने बताया कि इस तालाब में एक नहीं बल्कि तीन मगरमच्छ मौजूद हैं। उनकी लगातार मौजूदगी से



क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। मगरमच्छ अक्सर पानी से बाहर निकलकर किनारे पर आ जाते हैं, जिससे किसी बड़े हादसे का डर बना रहता है। उन्होंने मांग की कि वन विभाग की टीम इन्हें जल्द से जल्द पकड़कर कहीं दूर किसी नदी या सुरक्षित स्थान पर छोड़ दे। सेंचरी क्षेत्र में आता है भोकरहेड़ी: वन विभाग

मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग के क्षेत्राधिकारी (रेंजर) रविकांत ने बताया कि यह प्रकरण उनके संज्ञान में है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भोकरहेड़ी क्षेत्र सेंचुरी (संरक्षित वन्यजीव क्षेत्र) के अंतर्गत आता है और मगरमच्छों का एक परिवार काफी समय से इस स्थान पर प्राकृतिक रूप से रह रहा है। रेंजर ने बताया कि वन विभाग द्वारा महीनों पहले ही स्थानीय लोगों और किसानों को सतर्क रहने के लिए जागरूक किया जा चुका है। फिलहाल वन विभाग की टीम स्थिति पर पूरी नजर बनाए हुए है और सुरक्षात्मक उपाय अमल में लाए जा रहे हैं।

पुरकाजी में मोबाइल गेम खेलते हुए छात्र की मौत: अचानक लुढ़का और फिर नहीं उठा उत्तम, डॉक्टरों ने जताई हार्ट अटैक की आशंका

जिले में लगातार सामने आ रहे साइलेंट कार्डियक अरेस्ट के मामले, खतौली व शाहपुर में भी स्कूली छात्र बने काल का ग्रास

मुजफ्फरनगर। जिले में एक बेहद दुखद और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। पुरकाजी कस्बे में अपने घर पर मोबाइल गेम खेल रहे कक्षा 11 के 17 वर्षीय छात्र की अचानक दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। गेम खेलते समय छात्र अचानक फर्श पर लुढ़क गया और फिर उठ नहीं सका। परिजन तुरंत उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिले में कम उम्र के बच्चों और युवाओं में साइलेंट हार्ट अटैक (कार्डियक अरेस्ट) के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों और आम नागरिकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला मुजफ्फरनगर के पुरकाजी कस्बे के मोहल्ला नूर नगरियान की है। सोमवार दोपहर लगभग 12:30 बजे 17 वर्षीय छात्र उत्तम अपने घर में बैठकर मोबाइल पर गेम खेल रहा था। उस वक्त परिवार के अन्य सदस्य भी घर में मौजूद थे। गेम खेलने के दौरान ही उत्तम अचानक एक तरफ लुढ़क गया। कुछ देर बाद जब परिजनों की नजर उस पर पड़ी, तो वे घबराकर उसकी तरफ दौड़े। उसकी बिगड़ती हालत देख परिजन दोपहर 1 बजे उसे तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुरकाजी लेकर पहुंचे। पीएचसी प्रभारी डॉ. सुमित ने बताया कि जब छात्र को अस्पताल लाया गया, तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी।

चिकित्सकों ने हार्ट अटैक की आशंका जताई है। हालांकि, पोस्टमार्टम नहीं होने के कारण मौत की वास्तविक वजह की चिकित्सकीय पुष्टि नहीं हो सकी।

घटना की सूचना मिलने पर पुरकाजी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसओ डॉ. मानवेंद्र भाटी ने बताया कि



पुलिस ने नियमानुसार पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू की, लेकिन परिजनों ने स्पष्ट किया कि छात्र की मौत दिल का दौरा पड़ने (हार्ट फेलियर) से हुई है।

परिजनों द्वारा किसी भी प्रकार की पुलिस कार्रवाई या पोस्टमार्टम कराने से लिखित इन्कार करने के बाद शव बिना पोस्टमार्टम के उन्हें सौंप दिया गया। देर शाम गमगीन माहौल में छात्र का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

मुजफ्फरनगर जिले में पिछले कुछ दिनों के भीतर अचानक दिल का दौरा पड़ने और जान गंवाने की कई दर्दनाक घटनाएं दर्ज की गई हैं:

केस 1 (स्कूली छात्र): 31 अक्तूबर को रतनपुरी थाना क्षेत्र के रायपुर नगली गांव स्थित कंपोजिट विद्यालय में कक्षा 4 के छात्र निहाल की स्कूल में दौड़ते समय कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। वह दौड़ते-दौड़ते जमीन पर गिरा और बेहोश हो गया था।

केस 2 (ट्रक चालक): मुजफ्फरनगर-सहारनपुर स्टेट हाईवे पर रोहाना चौकी के पास एक ढाबे पर नाश्ता करने रुका ट्रक चालक मोबाइल पर बात करते-करते अचानक गिर पड़ा और हार्ट अटैक से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

केस 3 (प्रबंधक व समाजसेवी): शाहपुर कन्या इंटर कॉलेज और राज एकेडमी के प्रबंधक समाजसेवी अरविंद गुप्ता (65) का पिछले शुक्रवार को आर्यपुरी स्थित आवास पर मोबाइल देखते समय अचानक हृदयगति रुकने से निधन हो गया था।

केस 4 (क्रिकेट मैच के दौरान): पिछले साल सर्दियों में जानसठ रोड पर बॉक्स क्रिकेट मैच के दौरान नंदू की अचानक तबीयत खराब हुई। साथी अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन बचाया नहीं जा सका था। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया, जिसकी वजह दिल का दौरा पड़ना बताई गई।

नेचुरल बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में सूर्य चौहान ने जीता मेडल, परिवार और कॉलेज का बढ़ाया गौरव

बिना किसी शॉर्टकट के मेहनत, लगन और अनुशासन से हासिल की सफलता, बेटे की उपलब्धि पर परिवार में खुशी की लहर



मुजफ्फरनगर। एसडी डिग्री कॉलेज में फिजिकल एजुकेशन की पढ़ाई कर रहे सूर्य चौहान ने नेचुरल बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में मेडल जीतकर अपने परिवार, गुरुजनों और कॉलेज का नाम रोशन किया है। सूर्य की इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है और उन्हें बधाइयां देने वालों का तांता लगा हुआ है। सूर्य चौहान ने यह सफलता बिना किसी शॉर्टकट के अपनी कड़ी मेहनत, लगन, नियमित अभ्यास और अनुशासन के बल पर हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि में जिम कोच कन्हैया वर्मा का विशेष मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा। कोच के कुशल प्रशिक्षण और सूर्य की निरंतर मेहनत ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बेटे की इस सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए परिजनों ने कहा कि सूर्य ने अपनी पहली उपलब्धि के साथ ही यह साबित कर दिया है कि यदि लक्ष्य के प्रति समर्पण और मेहनत करने का जज्बा हो तो कोई भी मंजिल मुश्किल नहीं होती। उन्होंने कहा कि यह तो अभी शुरूआत है, सूर्य को भविष्य में और भी ऊंचाइयां हासिल करनी हैं।

परिजनों ने सूर्य चौहान को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और सभी शुभचिंतकों से अपील की कि वे सूर्य का उत्साहवर्धन करते हुए उसे अपना प्यार और आशीर्वाद प्रदान करें, ताकि वह आगे भी इसी तरह सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर सके।

दीपावली की शुभकामनाओं के साथ बच्चों ने उठाई शहर की समस्याओं पर आवाज, अधिकारियों को सौंपे हस्तलिखित पत्र

श्री गिरधारी लाल जैन मेमोरियल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों की अनूठी पहल, ट्रैफिक जाम, नशाखोरी, बार-बार स्कूलों की छुट्टियां और जलभराव की समस्या उठाई



मुजफ्फरनगर। दीपावली के पावन पर्व पर श्री गिरधारी लाल जैन मेमोरियल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने एक अनूठी एवं प्रेरणादायक पहल करते हुए त्योहार की खुशियों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ दिया। विद्यार्थियों ने शहर के जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं और अपने हाथों से तैयार किए गए आकर्षक शुभकामना कार्ड भेंट किए। इस दौरान बच्चों ने हस्तलिखित पत्रों के माध्यम से शहर की विभिन्न गंभीर समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाते हुए उनके समाधान की मांग की।

विद्यार्थियों ने उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, नगर पालिका परिषद की चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप, पूर्व चेयरपर्सन अंजू अग्रवाल, जिलाधिकारी उमेश मिश्रा आईएएस तथा अपर पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन से मुलाकात की। बच्चों ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए अपने विचारों और सुझावों से अवगत कराया।

यूपी में आईपीएस अफसरों का तबादला: संकल्प शर्मा बने गौतमबुद्धनगर के नए जेसीपी, संतोष कुमार मिश्रा को कानपुर भेजा

कानपुर नगर और जालौन में तैनात अधिकारियों की नई जिम्मेदारियों का आदेश जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने पुलिस प्रशासनिक व्यवस्था में फेरबदल करते हुए भारतीय पुलिस सेवा (IPS) के दो वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले का आदेश जारी किया है। जारी सूची के अनुसार 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी संकल्प शर्मा और संतोष कुमार मिश्रा के नवीन तैनाती के स्थान निर्धारित किए गए हैं। कानपुर नगर में संयुक्त पुलिस आयुक्त (जेसीपी) के पद पर तैनात संकल्प शर्मा को अब पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में संयुक्त पुलिस आयुक्त की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं दूसरी ओर, पीटीसी जालौन में पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) के पद पर तैनात संतोष कुमार मिश्रा को कानपुर नगर पुलिस कमिश्नरेट में संयुक्त पुलिस आयुक्त बनाया गया है।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने



मंगलवार को प्रशासनिक और पुलिस व्यवस्था को अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से दो वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। 2012 बैच के इन दोनों अधिकारियों–संकल्प शर्मा और संतोष कुमार मिश्रा को राज्य के दो अत्यंत महत्वपूर्ण और बड़े औद्योगिक शहरों, गौतमबुद्धनगर (नोएडा) और कानपुर नगर में संयुक्त पुलिस आयुक्त की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। शासन द्वारा जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। कानून-व्यवस्था के दृष्टिकोण से यूपी के इन दोनों महानगरों में हुआ यह फेरबदल काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि दोनों ही शहर औद्योगिक गतिविधियों और जनसंख्या के लिहाज से बेहद संवेदनशील और प्राथमिक श्रेणी में आते हैं। जानिए किस अधिकारी को मिली कौन सी नई जिम्मेदारी

शासन द्वारा जारी तबादला आदेश के तहत अधिकारियों की नई तैनातियों का विवरण इस प्रकार है:

संकल्प शर्मा (IPS 2012): अब तक पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर में संयुक्त पुलिस आयुक्त के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे आईपीएस संकल्प शर्मा को स्थानांतरित कर पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर (नोएडा) में संयुक्त पुलिस आयुक्त बनाया गया है। संकल्प शर्मा इससे पूर्व भी प्रदेश के कई महत्वपूर्ण जिलों व पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

संतोष कुमार मिश्रा (IPS 2012): पीटीएस (PTS) जालौन में पुलिस उपमहानिरीक्षक (DIG) के रूप में तैनात आईपीएस संतोष कुमार मिश्रा को वहां से हटाकर पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर में संयुक्त पुलिस आयुक्त (JCP) के पद की नई और बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।



18 साल में विकसित हुए इस फूल की कीमत करीबन 2 लाख रुपए

'गोल्डन फ्लीस' दुनिया के सबसे दुर्लभ और प्रसिद्ध स्नोड्रॉप फूलों के बल्बों में से एक है। यह फूल बागवानी के शौकीनों और दुर्लभ पौधों के संग्राहकों के बीच बेहद लोकप्रिय है।

दुनिया का सबसे महंगा बल्ब (पूर्व रिकॉर्ड धारक): वर्ष 2015 में नीलामी में 'गोल्डन फ्लीस' का केवल एक बल्ब लगभग 1.5 लाख रुपये में बिका था, जिसने उस समय दुनिया के सबसे महंगे स्नोड्रॉप बल्ब का रिकॉर्ड बनाया था। बाद में 2022 में इसी ब्रीडर के दूसरे फूल 'गोल्डन टीयर्स' ने करीब एक लाख 88 हजार रुपए से ज्यादा का नया रिकॉर्ड बनाया। इसे इंग्लैंड के मशहूर नर्सरीमैन जो शारमन द्वारा विकसित किया गया है।

इस फूल को विकसित होने में 18 साल का वक्त लगा था। स्नोड्रॉप फैन्स का कहना है कि यह अन्य स्नोड्रॉप फूलों से बेहद अलग है। इस फूल को 'स्नोड्रॉप्स के राजा' के रूप में जाना जाता है और इसे एक अनाम कलेक्टर ने खरीदा है। बता दें कि स्नोड्रॉप बल्ब को दुनियाभर के कई हिस्सों में उगाया जाता है। हालांकि, ब्रिटेन में इसकी काफी डिमांड है। यही वजह है कि इस स्नोड्रॉप बल्ब को खास तरीके से उगाया गया और अब इसे ऑनलाइन नीलामी में लाखों रुपए में बेचा गया। बता दें कि आम स्नोड्रॉप छोटे पौधे के रूप में होते हैं। यह फूल खिलने से पहले एक 'ड्रॉप' की तरह अपने डंठल से नीचे लटक जाते हैं।

इसकी विशेषता क्या है

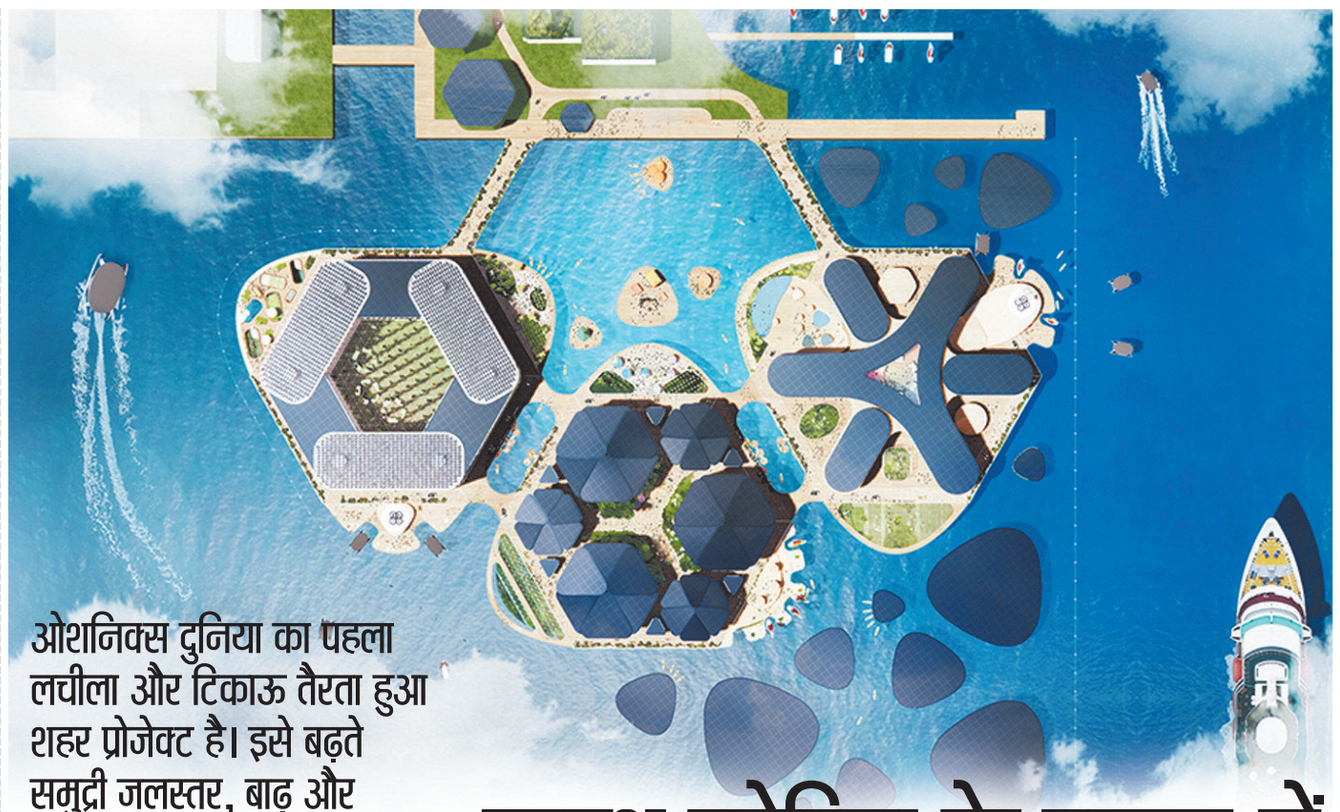
अनोखा पीला रंग: आम स्नोड्रॉप फूल पूरी तरह से सफेद और हल्के हरे रंग के होते हैं। लेकिन 'गोल्डन फ्लीस' दुनिया का पहला पीला और सफेद 'इन्वर्स पोकुलिफॉर्म' स्नोड्रॉप है। इसके पंखुड़ियों की बनावट और आंतरिक हिस्से पर गहरे पीले रंग के खूबसूरत निशान होते हैं

तैयार करने में लंबा समय: इस एक वैरायटी को क्रॉस-ब्रीडिंग के जरिए विकसित करने में ब्रीडर को 10 साल का समय लगा और इसे व्यावसायिक रूप से बाजार में लाने के लिए बढ़ाने में 8 साल और लगे।

विकास और देखभाल

धूप का असर: इस फूल को जितनी अच्छी धूप मिलती है, इसका पीला रंग उतना ही गहरा और आकर्षक निखरता है। छायादार जगहों पर यह हल्का हरा-पीला दिख सकता है।

पौधे की प्रकृति: हालांकि यह एक बहुत ही कीमती और दुर्लभ किस्म है, लेकिन एक बार बगीचे में स्थापित हो जाने के बाद यह काफी मजबूत साबित होती है और धीरे-धीरे फैलती है।



ओशनिक्स दुनिया का पहला लचीला और टिकाऊ तैरता हुआ शहर प्रोजेक्ट है। इसे बढ़ते समुद्री जलस्तर, बाढ़ और जलवायु परिवर्तन के खतरों से तटीय शहरों को बचाने के लिए एक अत्याधुनिक समाधान के रूप में डिजाइन किया गया है।

साउथ कोरिया के बुसान में बनेगा पानी पर तैरता शहर



दुनिया के सबसे पहले तैरने वाले शहर का प्रोटोटाइप तैयार किया जा रहा है। पानी पर तैरता हुआ यह शहर साउथ उथ कोरिया के बुसान शहर मैं बनने जा रहा है। वैज्ञानिक इसे संयुक्त राष्ट्र के समर्थन से तैयार कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट की घोषणा बीते साल की गई थी जिसका नाम ओशनिक्स है। 15.5 एकड़ के क्षेत्रफल में फैला यह शहर एक-दूसरे से प्लेटफॉर्म के जरिए जुड़ा रहेगा। यहां 12 हजार लोगों को बसाया जा सकता है। अनुमान जताया गया है कि इसे बनाने में करीबन 15 अरब रुपयों से ज्यादा खर्च होगा। हालांकि पहले इसे 2025 तक पूरा करने का अनुमान लगाया गया था, लेकिन जटिल समुद्री कानूनों, मूरिंग राइट्स (लंगर डालने के अधिकार) और अधिकार क्षेत्र से जुड़े कानूनी मामलों के कारण वास्तविक निर्माण की गति में देरी हुई है। वर्तमान में यह एक पूरी तरह से इंजीनियर और स्वीकृत ब्लूप्रिंट है, जो आने वाले समय में पानी पर इंसानी बस्तियों का भविष्य तय करेगा।

मुख्य विशेषताएँ और संरचना

मॉड्यूलर डिजाइन: यह शहर पानी पर तैरते हुए हेक्सागोनल (षटकोणीय) प्लेटफॉर्म्स से मिलकर बनेगा। शुरुआती चरण में 3 प्लेटफॉर्म बनाने की योजना है जो 12,000 निवासियों और आगंतुकों को संभाल सकेंगे, और इसे भविष्य में 100,000 से अधिक लोगों के लिए विस्तारित किया जा सकता है।

ऊंचाई और स्थिरता: हवा के दबाव से बचने और स्थिरता बनाए रखने के लिए इमारतों को कम ऊंचाई (4 से 7 मंजिला) का रखा जाएगा। निर्माण में स्थानीय रूप से मिलने वाले बांस और मजबूत प्रीफ़ैब्रिकेटेड सामग्रियों का उपयोग होगा।

पारिस्थितिकी तंत्र का पुनर्निर्माण : समुद्र के नीचे डूबे हुए स्टील फ्रेम पर हल्की बिजली प्रवाहित की जाएगी। इससे समुद्री पानी के खनिज जमा होकर कंक्रीट से भी मजबूत चूना पत्थर की परत बनाएंगे, जो कृत्रिम रीफ का काम करेगी और समुद्री जीवों को बढ़ावा देगी।

तटीय इलाके में रह रहे लोगों की मदद है उद्देश्य

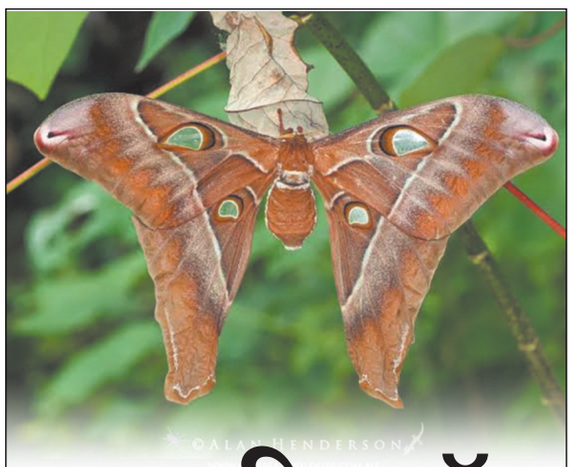
ओशनिक्स के सीआईओ फिलिप हॉफमैन इस शहर के बारे में बात करते हुए कहते हैं कि इस प्रोजेक्ट से हमारा उद्देश्य तटीय इलाकों में रह रहे लोगों की मदद करना है। हम उन लोगों की मदद करना चाहते हैं जिनके अस्तित्व पर समुद्र के बढ़ते जलस्तर की वजह से खतरा पैदा हो गया है। ओशनिक्स की तरफ से बताया गया है कि दुनिया में बाढ़ की वजह से हर साल लाखों लोग अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर हैं।

ज्यादा ऊंची नहीं होंगी इमारतें



इस शहर को बेहद खूबसूरत नीले लैगून पर बसाया जाएगा। यहां कई पूल भी मौजूद होंगे। शहर को अलग-अलग हिस्सों में बांटा जाएगा जिसमें रहने, रिसर्च और घूमने के लिए अलग-अलग सुविधाएं मौजूद रहेंगी। शहर में इमारतों की ऊंचाई ज्यादा नहीं होगी। ऐसी इमारतें बनाई जाएंगी जो सात मंजिल से कम ऊंचाई की हो जिससे इन इमारतों पर तेज हवाओं का प्रभाव न पड़े। बता दें कि बुसान में हर साल झुलसाने वाली गर्मी पड़ती है। इसे ध्यान में रखते हुए इन इमारतों की छतें छायादार बनाई जाएंगी। हर I हर द्वीप छह कोने वाला होगा। इन सभी पर चूने और पत्थर की परत चढ़ाई जाएगी जो कंक्रीट से भी मजबूत होती





हरक्यूलिस मॉथ 27 सेमी होते हैं पंखों के आयाम

हरक्यूलिस मॉथ को ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा पतंगा होने दर्जा प्राप्त है। यह मूल रूप से उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और न्यू गिनी के जंगलों में पाया जाता है। इनका सामान्य नाम हरक्यूलिस मॉथ संभवतः यूनान के शक्तिशाली और बलिष्ठ देवता हरक्यूलिस से आया है क्योंकि यह पतंगों की दुनिया का हरक्यूलिस है। सका पंखों का फैलाव लगभग 27 सेंटीमीटर (11 इंच) तक होता है। इसके पंखों का सतही क्षेत्रफल लगभग 300 वर्ग सेंटीमीटर है, जो किसी भी जीवित कीट में सबसे बड़ा माना जाता है। वयस्क हरक्यूलिस मॉथ के पास भोजन करने के लिए कोई कार्यशील मुंह नहीं होता है। ये कुछ नहीं खाते और इल्ली अवस्था में जो ऊर्जा स्टोर करते हैं, उसी पर जीवित रहते हैं। वयस्क होने के बाद इनका जीवन बहुत छोटा होता है, जो केवल 10 से 14 दिनों का होता है। इस दौरान इनका मुख्य उद्देश्य साथी ढूंढना और प्रजनन करना होता है। मादा आकार में बड़ी और भारी होती है तथा उसके पंख चौड़े होते हैं। मादा एक खास तरह का फेरोमोन छोड़ती है जिसे नर 2 किलोमीटर से भी अधिक दूर से सूंघ सकता है। नर के पिछले पंख लंबे और नुकीले (ट्विस्टेड टेल जैसी पूंछ वाले) होते हैं।

1876 में हुआ था पहला विवरण

मुख्य रूप से यह विशाल पतंगा सुनहरे भूरे रंग का होता है जिसके प्रत्येक अग्र पंख पर एक पारदर्शी गोल धब्बा बना होता है। वहीं पिछले पंख की पूंछ जैसी रचना मादा की तुलना में ज्यादा लंबी और पतली होती है। इसके सिर से निकले लंबे पंख नुमा एंटीना मादा द्वारा छोड़ी गई फेरोमोन की गंध को 2 किलोमीटर दूर से भी सूंघने की क्षमता रखते है। इसका सर्वप्रथम विवरण विलियम हेनरी ने 1876 में दिया था। इसके पंखों का आयाम 27 सेंटीमीटर तक देखा गया है।

एक बार में देती है 300 अंडे

मादा पतंगा एक बार में 300 अंडे देती है जिन्हें वह अपने पोषक पौधों की पत्तियों पर चिपका देती है। 2 सप्ताह बाद अंडों लारवा निकलते हैं जो पत्तियों को चट करना शुरू कर देते हैं।

वयस्क का मुंह ही नहीं होता

सबसे मजेदार बात यह है कि इनके वयस्कों यानी जिसे हम पतंगा के नाम से जानते हैं वो जीवन भर कुछ नहीं खाते क्योंकि इनका मुंह ही नहीं होता। इन्होंने ईल्ली अवस्था में जो खा लिया सो खा लिया। यह केवल 10 से 14 दिन तक ही जिंदा रहते हैं और इनका मुख्य उद्देश मादा को ढूंढना और प्रजनन करना होता है। मादा एक फेरोमोन गंध छोड़ती है जिसे सूंघकर यह 2 किलोमीटर दूर से पीछे-पीछे चले आते हैं।





पेट में भरे रंगीन पत्थरों के कारण संकट में आया निकोबारी कबूतर का अस्तित्व

निकोबारी कबूतर, जिसका वैज्ञानिक नाम कैलोएनास निकोबारिका है, दुनिया के सबसे खूबसूरत और अनूठे पक्षियों में से एक है। यह मुख्य रूप से भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से लेकर दक्षिण-पूर्व एशिया और प्रशांत महासागर के छोटे द्वीपों पर पाया जाता है। इस पक्षी की सबसे बड़ी ऐतिहासिक और वैज्ञानिक खासियत यह है कि यह दुनिया से विलुप्त हो चुके प्रसिद्ध डोडो पक्षी का सबसे करीबी जीवित रिश्तेदार है। निकोबारी कबूतर सभी कबूतरों और फाख्ताओं में सबसे ज्यादा रंगीन और खूबसूरत है। इसे अंडमान निकोबार द्वीप से लेकर सोलोमन द्वीप तथा पलाउ तक देखा जा सकता है।

निकोबारी कबूतर से जुड़े प्रमुख मुख्य तथ्य इस प्रकार हैं:

- **अद्भुत रंग-रूप:** यह आकार में सामान्य कबूतरों से काफी बड़ा (लगभग 32-40 सेमी) होता है। इसके शरीर पर धात्विक हरे, चमकीले नीले, तांबे और सुनहरे रंग के मिश्रित पंख होते हैं, जो रोशनी पड़ने पर मोर्फो तितली की तरह चमकते हैं।
- **गर्दन की बनावट:** इसकी गर्दन पर लंबे, नुकीले और नीचे लटके हुए हैकल पंख होते हैं, जो इसे एक राजसी रूप देते हैं।
- **सफेद पूंछ:** इसकी पूंछ बहुत छोटी और पूरी तरह से बर्फ जैसी सफेद होती है, जो मुख्य रूप से इसके उड़ान भरने के समय दिखाई देती है।
- **आवास और व्यवहार:** यह स्वभाव से शर्मीला, शांत और जमीन पर रहकर भोजन तलाशने वाला पक्षी है। यह अक्सर घने जंगलों वाले निर्जन और दूरदराज के छोटे द्वीपों पर रहना और प्रजनन करना पसंद करता है।
- **संरक्षण स्थिति:** वनों की कटाई, अवैध शिकार और पालतू जीवों के व्यापार के कारण इनकी संख्या लगातार कम हो रही है। इसी वजह से आईयूसीएन रेड लिस्ट में इसे संकट के निकट श्रेणी में रखा गया है।

इनके पेट में सब कुछ पिस जाता है

यह कबूतर फल, कीट व बगैर हड्डी वाले जंतु का भक्षण कर लेते हैं। यह अक्सर 10 मिलीमीटर आकार के कंकर पत्थर भी निगलते रहते हैं। इन कबूतरों के गिजार्ड में उपस्थित रंगीन पत्थरों का इस्तेमाल आभूषण बनाने में होता है, इसलिए इनका शिकार किया जाता है।

नर से छोटी होती हैं मादाएं

इस प्रजाति के कबूतर 40 सेंटीमीटर ऊंचे, 53 से 38 सेंटीमीटर लंबे और 460 से 550 ग्राम वजन के होते हैं। सिर नीला भूरा, गले के ऊपरी हिस्से पर चटक हरे और तांबई रंग के हेकल्स यानी गले की लंबी चमकती लटकनओं के रूप में हमें दिखाई देते हैं। शरीर के शेष पंख धात्विक हरे रंग के होते हैं तो कहीं-कहीं लालिमा भी देखी जाती है। मादाएं नर से थोड़ी छोटी होती हैं।

20 से 30 के समूह में बनाते घोसला

निकोबारी कबूतर अपना घोंसला जंगलों में बनाते हैं। अक्सर 20 से 30 के समूह में। एक बार में एक ही अंडा देते हैं। इनके अंडों का हैचिंग पीरियड 30 दिन का होता है। इनका जीवन काल 20 साल तक होता है।





दीपावली मिलन समारोह में पुलिस अधिकारियों और पत्रकारों ने साझा कीं खुशियां



नोएडा । नोएडा मीडिया क्लब में मंगलवार को संयुक्त पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्रा के सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह, डीसीपी साद मियां खान के विदाई समारोह और दीपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों और पत्रकारों ने शिरकत की। इस दौरान राजीव नारायण मिश्रा को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया, वहीं साद मियां खान को आगरा स्थानांतरण पर विदाई दी गई।

कार्यक्रम के दौरान संयुक्त पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्रा को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए पुलिस व्यवस्था को मजबूत बनाने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस व मीडिया के बीच बेहतर समन्वय की दिशा में उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया गया। उपस्थित पत्रकारों ने उनके साथ कार्यकाल के दौरान बने सकारात्मक संबंधों और सहयोग की भावना को याद किया तथा उनके आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

वहीं, नोएडा और ग्रेटर नोएडा जोन में अपनी सेवाएं दे चुके तथा वर्तमान में आगरा स्थानांतरित डीसीपी साद मियां खान को भी शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। पत्रकारों और पुलिस अधिकारियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समारोह में एडीसीपी नोएडा अभय कुमार मिश्रा, एसीपी प्रवीण कुमार सिंह, थाना सेक्टर-20 के प्रभारी अरविंद कुमार सिंह और थाना सेक्टर-39 के प्रभारी डीपी शुक्ला को भी स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नोएडा मीडिया क्लब के सदस्य और विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़े पत्रकार मौजूद रहे।

इस अवसर पर आयोजित दीपावली मिलन समारोह में सभी पत्रकार साथियों को दीपावली की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम ने सम्मान, आत्मीयता और आपसी सौहार्द का संदेश दिया। राजीव नारायण मिश्रा ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया और पुलिस की भूमिकाएं महत्वपूर्ण हैं। दोनों के बीच संवाद, पारदर्शिता और बेहतर तालमेल से जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से सामने लाने तथा आमजन तक सही जानकारी पहुंचाने में मदद मिलती है।

नोएडा मीडिया क्लब की ओर से आयोजित यह समारोह सम्मान और विदाई के साथ-साथ पुलिस एवं मीडिया के बीच मधुर संबंधों को मजबूत करने और दीपावली की खुशियां साझा करने का अवसर बना।

त्योहारों से पहले पुलिस ने उद्यमियों और व्यापारियों के साथ की बैठक, बोनस और सुरक्षा पर चर्चा



ग्रेटर नोएडा। आगामी त्योहारों के मद्देनजर गौतमबुद्धनगर पुलिस ने थाना कासना क्षेत्र में विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों, उद्यमियों और व्यापारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक के दौरान कंपनियों में कर्मचारियों को मिलने वाले बोनस वितरण और इलाके की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तार से बातचीत की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह बैठक पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन तथा डीसीपी ग्रेटर नोएडा श्रवण कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में आयोजित की गई। इस दौरान एडीसीपी ग्रेटर नोएडा संतोष कुमार ने एसीपी-3 डॉ. रवि शंकर के साथ मिलकर बैठक की और सभी पक्षों की बातें सुनीं। बैठक के दौरान उपस्थित सभी प्रतिनिधियों से अपने अपने क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई। इसके अलावा अधिकारियों ने कंपनियों के कर्मचारियों के साथ बेहतर तालमेल और समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया ताकि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।

पुलिस अधिकारियों ने कंपनियों में बोनस वितरण की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा किए जाने पर विशेष जोर दिया। साथ ही, आगामी त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए और पुलिस प्रशासन के साथ पूरा सहयोग बनाए रखने की अपील की गई। पुलिस का मुख्य उद्देश्य इस दौरान औद्योगिक क्षेत्रों में पूरी तरह से शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था को कायम रखना है।

युवा क्रांतिकारी सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं



नोएडा। युवा क्रांतिकारी सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह का जन्मदिन मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। जन्मदिन के अवसर पर समाजसेवी एवं उद्यमी पीयूष द्विवेदी ने न केवल अविनाश को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी बल्कि केक काटकर पटका पहनाकर उन्हें सम्मानित किया और उनके सम्मान में एक पार्टी भी दी। इस अवसर पर पत्रकार एवं सामाजिक संगठन के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि अविनाश सिंह नोएडा में सबसे सक्रिय युवा समाजसेवी है और ये हर सामाजिक आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं।

भाकियू ने किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु दादरी तहसील में की बैठक



दादरी। गौतम बुद्ध नगर किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु दादरी तहसील स्थित सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का नेतृत्व दादरी जिलाध्यक्ष मनोज मावी ने किया तथा अध्यक्षता गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने की।

बैठक में किसानों एवं ग्रामीणों से संबंधित समस्याओं को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इसमें भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से अनिल कुमार, विद्युत विभाग से राजकुमार मौर्य, विकास खंड से फनीस कुमार, उप जिलाधिकारी अरुण कुमार, लोक निर्माण विभाग से प्रमोद शर्मा, तहसीलदार कृष्ण चौरसिया सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने नए भूमि अधिग्रहण कानून के तहत उचित मुआवजा वितरण, विद्युत विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार, टूटी एवं जर्जर सड़कों की मरम्मत, ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य, तालाबों का सौंदर्यीकरण, किसानों की जरूरत के अनुसार फुट ओवरब्रिज, एवं अंडरपास निर्माण, दाखिल-खारिज संबंधी समस्याएं, मूल एवं निवास प्रमाण पत्र बनवाने में भ्रष्टाचार, गांवों में मकान निर्माण के नाम पर नोटिस जारी कर अवैध वसूली तथा ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की कमी जैसे गंभीर मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने अधिकारियों को किसानों एवं ग्रामीणों की समस्याओं के प्रति गंभीरता दिखाने और उनका तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने विभिन्न विभागों में व्याप्त अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के लिए जवाबदेह बनाया।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने संबंधित समस्याओं के निस्तारण हेतु 15 दिनों का समय मांगा। इस पर दादरी जिलाध्यक्ष मनोज मावी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समयावधि में समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन तहसील प्रांगण में ट्रैक्टरों के साथ पहुंचकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

बैठक के दौरान किसानों एवं ग्रामीणों की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी अरुण कुमार को सौंपा गया।

इस दौरान विपिन प्रधान, सिंहराज गुर्जर, परविंदर गुर्जर, रामकेश भाटी, जगत अवाना, सचिन अवाना, राजा चौधरी, आजाद चौधरी, मनित नागर, धीरेंद्र भाटी टीनू, विकास भाटी, अभिषेक कसाना, सुदर्शन शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा विभिन्न मिठाई निर्माणशालाओं से 07 खाद्य पदार्थों के नमूनें जांच हेतु संग्रहित किए गए



गौतमबुद्धनगर। आगामी दीपावली पर्व के दृष्टिगत जनपद वासियों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारीगण खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु संग्रहित कर रहे हैं।

इसी श्रृंखला में सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि मंगलवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी विशाल कुमार गुप्ता एवं रितु सक्सैना की टीम द्वारा गढ़ी चौखंडी सेक्टर-121 नोएडा स्थित गणेश स्वीट निर्माणशाला से बूंदी लड्डू का 01 नमूना लिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओ पी सिंह व अमर बहादुर सरोज की टीम द्वारा बिलासपुर दनकौर ग्रेटर नोएडा स्थित सुंदर सिंह की मिठाई निर्माणशाला से छेना तथा रसगुल्ला का 01-01 लेकर शेष लगभग 100 किग्रा रसगुल्ला में मक्खी, मच्छर पड़े होने, प्रदूषित अवस्था में पाए जाने तथा प्रथम दृष्टया मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त होने के कारण नष्ट कराए गए। इसी टीम द्वारा बिशनपुर सेक्टर 58 नोएडा में संचालित सोनू मिठाई निर्माणशाला से बूंदी लड्डू का एक नमूना संग्रहित किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार एवं विजय बहादुर पटेल की टीम द्वारा सेक्टर 62 रसूलपुर नवादा नोएडा स्थित सम्यक मिठाई वाले की निर्माणशाला से रसगुल्ला, बूंदी लड्डू एवं बूंदी का 01-01 नमूना लिया लिया गया तथा शेष लगभग 450 किग्रा बूंदी को सीज किया गया एवं लगभग 300 किग्रा रसगुल्ला, मिठाई में मक्खी मच्छर पड़े होने, प्रदूषित होने व प्रथम दृष्टया मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त होने के कारण नष्ट कराई गई। इसके अतिरिक्त निर्माण इकाई में अत्यंत अस्वच्छकर परिस्थितियों में निर्माण कार्य किए जाने के कारण सुधार किए जाने तक लाइसेंस निलंबन की कार्यवाही की जा रही है तथा तब तक व्यवसाय के संचालन पर रोक लगा दी गई। इस प्रकार कुल 07 नमूने लिए जा चुके हैं तथा कार्यवाही देर रात तक जारी रहेगी। सभी खाद्य कारोबारियों को हिदायत दी गई कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत लाइसेंसी/पंजीकृत आपूर्तिकर्ता से खरीदें तथा खरीद बिल अवश्य लिए जाएं और निर्माण तिथि व बैच नंबर आदि देखकर ही खाद्य सामिग्री प्राप्त करें व उपभोक्ताओं को बिक्री करें।

हायक आयुक्त खाद्य द्वितीय ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार से जिलाधिकारी के निर्देशन में जांच अभियान संचालित करते हुए नमूने संग्रहित करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि जनपद वासियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध हो सके।

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले रामकुमार वालिया



नोएडा। आज पुनः कांग्रेसी नेतापुर राज्य मंत्री उत्तराखंड तथा भारतीय सर्व समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकुमार वालिया ने दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकाअर्जुन खड़गे से उनके दिल्ली आवास पर भेंट वार्ता की,इस वार्ता में मुख्य रूप से उत्तराखंड में पार्टी के कार्यक्रमों के संबंध में भी वार्ता हुई तथा श्री वालिया ने उनको मिलकर दीपावली की अग्रिम शुभ कामनाएं भी दी।

मिट्टी के दीयों से दीपावली रोशन होगी, बाजारों में सजावटी दीयों की भी भरमार

नोएडा। दीवाली पर्व नजदीक आने के साथ शहर के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। भंगेल मार्केट, सेक्टर-59 की मामूरा मार्केट, सेक्टर-18 की अट्टा मार्केट और सेक्टर-27 की इंदिरा मार्केट समेत शहर के अन्य प्रमुख बाजारों में सजावटी सामान और पूजा सामग्री की दुकानें सजी हुई हैं। जहां इस बार बाजारों में मिट्टी के पारंपरिक दीयों के साथ कई तरह के सजावटी दीये भी ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। इनमें लड़ी वाले दीये, प्लास्टिक के डिजाइनर, एलईडी, कमल के आकार, पंचमुखी, रंगीन और पानी में तैरने वाले दीयों के साथ कई प्रकार के दीये शामिल है। हालांकि, ग्राहकों की पसंद में मिट्टी के पारंपरिक दीये भी बने हुए हैं। कुम्हारों ने इस बार छोटे से लेकर बड़े आकार तक 12 से 15 तरह के दीये तैयार किए हैं। इनकी कीमत बाजारों में 10 रुपये से 120 रुपये तक है, जिनके दामों में पिछले साल के मुकाबले ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई हैं। वहीं शहर के प्रमुख मंदिरों में भी दिपावली पर्व को लेकर साफ-सफाई और फूलों व लाइटों से सजावट की जा रहीं हैं।

सजावटी दीयों की कई प्रकार: बाजारों में इस बार घरों को सजाने के लिए कई तरह के डिजाइनर दीये मिल रहे है। इनमें प्लास्टिक के रंगीन दीये, लड़ी, एलईडी, कमल डिजाइन, पंचमुखी, पानी में तैरने वाले फ्लोटिंग दीये और मोम वाले सजावटी दीये समेत अन्य प्रकार के दीये शामिल हैं। इन दीयों को घरों के दरवाजें, बालकनी, मंदिर और सजावटी वाली जगहों पर लगाने के लिए बाजारों में खरीदारी की जा रही है। दुकानदार संतोष ने बताया कि सजावटी दीयों की कीमत में हर साल दो से पांच रुपये तक की बढ़ोतरी होती है। जिससे ग्राहक अपनी पसंद और घर की सजावट के हिसाब से खरीद रहे हैं।

कुम्हारों के लिए दिपावली खास पर्व: दिपावली का त्योहार कुम्हारों के लिए साल का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। शहर के अलग-अलग बाजारों और सड़कों के किनारे कुम्हार मिट्टी के दीयों और करवे की दुकानें लगाए हुए हैं। इस बार छोटे दीयों से लेकर बड़े आकार तक करीब 12 से 15 तरह के दीये मिल रहे है। मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हार दीपक ने बताया कि सबसे बड़े दीये की कीमत लगभग 120 रुपये है, जो करीब 6 से 7 घंटे तक रोशन रह सकता है। हालांकि मिट्टी के दीयों के दामों में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। दीयों को बेचने वाले कुम्हार खुद मिट्टी से अपने हाथों से दीये तैयार करते हैं। इन्हें बनाने और सुखाने में कई दिनों का समय लगता है। उन्होंने बताया कि दीये बनाना उनके परिवार की पुश्तैनी परंपरा और रोजी-रोटी का मुख्या साधन है। दिपावली और शादी-ब्याह के सीजन में ही अधिक बिक्री होती है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की विशेष पहल, अब आपका निर्णय आपकी भाषा में



गौतमबुद्धनगर। उच्चतम न्यायालय एवं माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा भारत के नागरिकों को उनकी अपनी भाषा में निर्णय उपलब्ध कराने तथा विधिक जागरूकता फैलाने हेतु विशेष पहल की गई हैं। 'सुवास प्रकोष्ठ' (सुप्रीम कोर्ट विधिक अनुवाद साफ्टवेयर) के माध्यम से माननीय उच्चतम न्यायालय व माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के निर्णयों को हिन्दी भाषा में अनुवादित कराया गया है। जिसका उद्देश्य भारत के समस्त नागरिकों को अब माननीय उच्चतम न्यायालय एवं माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के निर्णय को उनकी अपनी भाषा में उपलब्ध कराया जायेगा।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर शिवानी रावत द्वारा बताया गया कि उपरोक्त निर्देशों के क्रम में एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर अतुल श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में एवं नोडल अधिकारी/अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम गौतमबुद्धनगर मयंक त्रिपाठी की अध्यक्षता में आज जागरूकता शिविर का आयोजन दीवानी न्यायालय परिसर के मीटिंग हॉल में किया गया।

जिसमें माननीय उच्चतम न्यायालय एवं माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा उपरोक्त के संबंध में दिये गये निर्देशों की जानकारी शिविर में उपस्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर के पैनल अधिवक्तागण, मध्यस्थगण, एल0ए0डी0सी0ए0स0 में नामित अधिवक्तागण को दी गई। शिविर में उपरोक्त विषय के संबंध में जानकारी देते हुये अधिक से अधिक जनसामान्य के मध्य विधिक जागरूकता फैलाने हेतु अपील की गई।

उक्त शिविर के माध्यम से माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा जारी निम्नवत वेवसाईट भी उपलब्ध करायी गई। जिसके माध्यम से निर्णयों को हिन्दी भाषा में अवलोकित कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

शिविर के माध्यम से यह भी अवगत कराया गया कि उपरोक्त के संबंध में जनपद बार एसोसिएशन, पी0एल0वी0 जिला प्रशासन के साथ, स्थानीय प्राधिकरणों के साथ एवं विधि विद्यालयों व विश्वविद्यालयों आदि संस्थाओं के मध्य व सहयोग से जनसामान्य के मध्य अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कराया जायेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

भाजपा किसान मोर्चा की नवगठित टीम ने की विधायक पंकज सिंह एवं भाजपा जिलाध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट





नोएडा। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा, नोएडा महानगर के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मुक्तानंद शर्मा ने आज अपनी नवगठित जिला टीम के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ विधायक पंकज सिंह एवं भाजपा जिला अध्यक्ष महेश चौहान से शिष्टाचार भेंट की तथा पूरी टीम का उनसे परिचय कराया।

इस अवसर पर जिला महामंत्री ओमवीर अवाना भी विशेष रूप से उपस्थित रहे, जो पूर्व में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा, नोएडा महानगर के जिला अध्यक्ष का दायित्व निभा चुके हैं। उनके अनुभव एवं मार्गदर्शन में नवगठित जिला टीम ने दोनों वरिष्ठ नेताओं का सानिध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

विधायक पंकज सिंह एवं भाजपा जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने तथा पार्टी की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का मार्गदर्शन दिया।

इस अवसर पर जिला महामंत्री अमित त्यागी और जिला महामंत्री चन्दगी राम यादव इनके अतिरिक्त भाजपा किसान मोर्चा जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री पप्पू प्रधान एवं श्री चरण सिंह प्रधान, जिला उपाध्यक्ष श्री अंकित कौशिक, श्री ठाकुर अवधेश सिंह, श्री दिनेश चौहान, श्री विष्णु शर्मा, श्री दुर्वेश तंवर एवं श्री नरेंद्र चौहान, जिला महामंत्री श्री प्रवेश कुमार चौहान, श्री इंद्राज खटाना एवं श्री अनिल मास्टर, जिला मंत्री श्री विजय अवाना, श्री जयप्रकाश ठाकुर, श्री सौरभ चौहान, श्री कुलदीप यादव, श्री मोमराज एवं श्री प्रदीप शर्मा, जिला मीडिया संयोजक श्री विनय द्विवेदी, जिला सह मीडिया संयोजक श्री प्रमोद शर्मा एवं श्री रवि यादव, जिला कार्यालय मंत्री श्री सौरव बैसल्या, जिला सह कार्यालय मंत्री श्री प्रदीप शर्मा एवं श्री बल्लू यादव, जिला सोशल मीडिया संयोजक श्री गोविन्द सिंह कोरंगा, जिला सोशल मीडिया सह संयोजक श्री पवन शर्मा एवं श्री हर्ष मिश्रा, जिला आईटी संयोजक श्री अभिषेक मिश्रा, जिला आईटी सह संयोजक श्री विकास शर्मा एवं श्री भगवत शर्मा, जिला शोध प्रमुख श्री सुभाष वाल्मीकि तथा जिला सह शोध प्रमुख श्री प्रमोद कुमार श्रीवास्तव एवं श्री अंकित नागर सहित नवगठित जिला टीम के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंत में नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्री मुक्तानंद शर्मा जी ने सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की नवगठित जिला टीम संगठन की मजबूती, किसानों के हितों की रक्षा एवं पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पूरी एकजुटता और समर्पण के साथ कार्य करेगी।

नोएडा के बैंकेट हॉल में लगी भीषण आग



नोएडा। नोएडा के सेक्टर-51 स्थित शौर्या बैंक्वेट हॉल में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने फायर सूट और ऑक्सीजन मास्क पहनकर हॉल के अंदर प्रवेश किया और करीब 60 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

आग लगने के समय हॉल में स्टाफ मौजूद था। आग की जानकारी मिलते ही सभी कर्मचारी बाहर निकल आए। मौके पर मौजूद गार्ड ने दमकल और पुलिस विभाग को सूचना दी थी।सीएफओ प्रदीप कुमार ने बताया कि आग हॉल की फॉल सीलिंग में लगी थी। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। आग बुझने के बाद फॉल सीलिंग की कूलिंग की जा रही है, ताकि दोबारा आग न भड़के। इसके लिए उस पर पानी डाला जा रहा है।आग लगने के बाद मौके पर दमकल की गाड़ी पहुंची। आग जहां लगी उसकी जानकारी देने के लिए स्टॉफ छत पर चढ़ गया। उनके बताए गए एरिया में पानी का छिड़काव किया गया। दरअसल आग फार सिलिंग में लगी थी। समय रहते नहीं बुझाने से आग तेजी से फैल सकती थी।

हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी में लापरवाही, बीट मुख्य आरक्षी निलंबित



नोएडा। हिस्ट्रीशीटरों की गतिविधियों पर निगरानी रखने में लापरवाही बरतने पर पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में तैनात बीट मुख्य आरक्षी संजीव कुमार को निलंबित कर दिया गया है। सेंट्रल नोएडा के डीसीपी डॉ. प्रवीण रंजन सिंह ने सोमवार को यह सख्त कार्रवाई करते हुए उनके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी है।

थाना फेज-3 क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटरों की गतिविधियों पर नजर रखने की पूरी जिम्मेदारी बीट मुख्य आरक्षी संजीव कुमार को सौंपी गई थी। लेकिन जांच के दौरान यह बात सामने आई कि वह अपने बीट क्षेत्र में प्रभावी ढंग से निगरानी नहीं कर रहे थे। इसके अलावा वह हिस्ट्रीशीटरों की हरकतों पर नजर रखने के अपने काम में लगातार लापरवाही बरत रहे थे।

लापरवाही पर तत्काल प्रभाव से एक्शन: पुलिस अधिकारियों ने इसे कर्तव्यों के प्रति गंभीर लापरवाही और भारी शिथिलता माना है। इसी आधार पर बीट मुख्य आरक्षी संजीव कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। डीसीपी डॉ. प्रवीण रंजन सिंह ने यह भी स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरतने वाले किसी भी पुलिसकर्मी को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी रहेगा।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से मोबाइल चोर घायल, दो आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। थाना फेस-2 पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में मोबाइल चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस द्वारा चलाई गई जवाबी गोली से एक आरोपी पैर में गोली लगने के कारण घायल हो गया। वहीं उसके दूसरे साथी को पुलिस की टीम ने कांबिंग अभियान चलाकर धर दबोचा। पकड़े गए बदमाशों के पास से पुलिस ने चोरी किए गए चार मोबाइल फोन, बिना नंबर प्लेट की एक मोटरसाइकिल और एक अवैध तमंचा बरामद किया है।

एडीसीपी सेंट्रल नोएडा स्वतंत्र कुमार सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 2/3 नवंबर की रात पुलिस टीम गश्त पर थी। थाना फेस-2 पुलिस दादरी मेन रोड पर ग्राम भंगेल के समीप वाहनों की चेकिंग कर रही थी। उसी समय सलारपुर की तरफ से एक मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध युवक आते हुए दिखाई दिए।

चेकिंग कर रही पुलिस टीम ने जब उन युवकों को रुकने का इशारा किया, तो वे रुकने के बजाय तेज रफ्तार में भागने लगे। पुलिस टीम ने तुरंत उनका पीछा करना शुरू किया। पीछा करने के दौरान कुछ दूरी पर उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर फिसल गई और दोनों गिर पड़े। इसके बाद खुद को घिरता देख दोनों आरोपियों ने पुलिस टीम पर सीधी गोली चला दी। पुलिस ने भी अपना बचाव करते हुए जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की ओर से चलाई गई गोली एक आरोपी के पैर में लग गई, जिससे वह वहीं गिर पड़ा।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान और ठिकाने: पुलिस की जवाबी गोली से घायल हुए आरोपी की पहचान अमन चतुर्वेदी (24) के रूप में हुई है। अमन चतुर्वेदी मूल रूप से मध्य प्रदेश का रहने वाला है और फिलहाल हल्दौनी, गौतमबुद्धनगर में रह रहा था।

वहीं मौके से भागने की कोशिश कर रहे दूसरे आरोपी की पहचान आकाश यादव (20) के तौर पर हुई है। आकाश यादव मूल रूप से फिरोजाबाद का रहने वाला है और वर्तमान में डेरीन, गौतमबुद्धनगर में रह रहा था। आकाश यादव को पुलिस ने इलाके में कांबिंग करके पकड़ा।

बरामद सामान और चोरी का तरीका: पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से कुल चार चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इसके अलावा उनके पास से एक .315 बोर का तमंचा, दो जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस भी मिला है।

बदमाशों के पास से बरामद स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बिना नंबर प्लेट की पाई गई। जांच में सामने आया कि यह बाइक ईकोटेक-3 थाने में दर्ज चोरी के एक मुकदमे से जुड़ी हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने यह मोटरसाइकिल कुलेसरा गांव से चुराई थी। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाकर लोगों के मोबाइल चोरी करते थे। इसके बाद चोरी किए गए इन मोबाइलों को राहगीरों को सस्ते दामों पर बेच दिया करते थे।

आरोपियों का आपराधिक इतिहास: पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, घायल आरोपी अमन चतुर्वेदी का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। अमन चतुर्वेदी के खिलाफ गौतमबुद्धनगर और बदायूं के अलग-अलग थानों में चोरी, हत्या, हत्या के प्रयास और शस्त्र अधिनियम के तहत कई संगीन मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

दूसरे आरोपी आकाश यादव के खिलाफ भी विभिन्न थानों में चोरी और हत्या से संबंधित मामले दर्ज हैं। एनकाउंटर में घायल हुए आरोपी अमन चतुर्वेदी को उपचार के लिए तुरंत अस्पताल भिजवा दिया गया है। पुलिस की टीम इन दोनों आरोपियों की अन्य आपराधिक गतिविधियों और वारदातों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

संक्षिप्त समाचार

बेटे की सगाई के अगले दिन गहने चोरी

नोएडा। हल्दौनी गांव में सोमवार को एक घर में चोरी हो गई। एक दिन पहले ही घर में बेटे की सगाई हुई थी। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। पीड़ित सुधीर सिंह ने बताया कि रविवार को उनके बेटे की सगाई का कार्यक्रम धूमधाम से हुआ। इसके चलते घर में गहने और कीमती सामान रखा था। परिवार के सभी सदस्य सोमवार को रोजाना की तरह अपने काम पर चले गए। इसी दौरान चोर छत के रास्ते घर में दाखिल हुए। इसके बाद ताले तोड़कर अंदर रखे सामान को खंगाला और सगाई में मिले गहनों समेत कीमती सामान लेकर फरार हो गए।

शाम करीब 6:30 बजे जब परिवार के सदस्य नौकरी से घर लौटे तो कमरों के ताले टूटे मिले। घर के अंदर सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी और अन्य जगहों पर रखे गहने गायब थे। जांच करने पर करीब 10 लाख रुपये के सामान की चोरी होने की जानकारी हुई। इसकी शिकायत पुलिस से की है। ईकोटेक तीन कोतवाली पुलिस के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है। चोरों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

तीन निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र बदले

नोएडा। प्रशासनिक जरूरतों के मद्देनजर पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने मंगलवार को तीन निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया। फेज-1 थाने के पूर्व प्रभारी अमित कुमार मान को आईजीआरएस प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सेक्टर-142 थाने के पूर्व प्रभारी विनोद मिश्रा को चुनाव सेल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निरीक्षक अवधेश सिंह को न्यायालय सुरक्षा का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इससे पहले पुलिस कमिश्नर फेज-3, सेक्टर-63 और सेक्टर-49 थानों के प्रभारियों को हटाकर नए अधिकारियों की तैनाती कर चुकी हैं। लगातार हो रहे फेरबदल को पुलिस विभाग में प्रशासनिक व्यवस्था दुरुस्त करने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में कुछ अन्य थानों के प्रभारी भी बदले जा सकते हैं।

वाहन की चपेट में आने से डेढ़ साल के मासूम की मौत, परिवार में मचा कोहराम

नोएडा। थाना सेक्टर-142 क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर-141 स्थित शहदरा गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में करीब डेढ़ साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई। बच्चा सड़क पर एक वाहन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में भी शोक का माहौल बन गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार को डायल-112 के माध्यम से थाना सेक्टर-142 पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम शहदरा, सेक्टर-141 में एक सड़क दुर्घटना हो गई है। हादसे में एक छोटे बच्चे की मृत्यु हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई।

जांच के दौरान मृतक बच्चे की पहचान शिवराज पुत्र सनी मोदी के रूप में हुई। उसकी उम्र करीब एक से दो वर्ष बताई गई है। वह मूल रूप से बिहार के लखीसराय जिले के हलसी थाना क्षेत्र के ग्राम देहरा का रहने वाला था। वर्तमान में उसका परिवार नोएडा के सेक्टर-141 स्थित ग्राम शहदरा में रह रहा था। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, शिवराज वाहन की चपेट में आ गया था। वाहन की चपेट में आने से उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मृत्यु हो गई।

हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। पुलिस ने बच्चे के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, दुर्घटना में शामिल वाहन को भी कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मृतक के परिजनों से लिखित शिकायत (तहरीर) प्राप्त की जा रही है। तहरीर के आधार पर मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हादसे से जुड़े तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्पा की आड़ में सजता था देह व्यापार का बाजार, आरोपी को नहीं मिली राहत

नोएडा। स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार कराने के मामले में आरोपी लोकेश शर्मा की अग्रिम जमानत अर्जी सत्र अदालत ने खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया आरोपी की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता और अपराध गंभीर प्रकृति का है। आरोपी के खिलाफ थाना बीटा-2 में दर्ज में मुकदमा दर्ज है।

अभियोजन के अनुसार 18 जुलाई 2026 को मुखबिर की सूचना पर एएचटीयू, महिला थाना टीम और स्थानीय पुलिस ने ग्रेटर नोएडा के जीएनएस प्लाजा स्थित कई स्पा सेंटरों पर दबिश दी। मौके से कुल 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि स्पा संचालकों सागर तिवारी, अनूप शर्मा, एक महिला और लोकेश शर्मा के नाम प्रकाश में आए थे। तलाशी में चारों स्पा सेंटरों से 62,720 रुपये नकद, 30 सील पैक, अपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई थी। इस संबंध में 19 जुलाई को एसीपी प्रणाली गंगवार की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

पूछताछ में यहां मिली महिलाओं ने आरोप लगाया कि उन्हें नौकरी के नाम पर स्पा में लाकर पैसों का लालच और दबाव देकर देह व्यापार कराया जाता था। वहीं पकड़े गए पुरुषों ने पुलिस के सामने ग्राहकों को बुलाकर महिलाओं से देह व्यापार कराने की बात बताई। विदेशी महिला ने खुद को केन्या के नैरोबी की निवासी बताया और कहा कि पासपोर्ट व वीजा तत्काल उपलब्ध नहीं है। दोनों पक्षों की बहस सुनने और अभियोजन पत्रों के अवलोकन के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत देने से मना कर दिया।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान इमरान हत्याकांड के दो आरोपी गिरफ्तार, दोनों के पैर में लगी गोली

ग्रेटर नोएडा। जेवर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। झांझर रोड पर स्थित पावर हाउस के पास हुई इस मुठभेड़ में इमरान हत्याकांड में वांछित दो आरोपियों के पैर में पुलिस की जवाबी गोली लगी है। पैर में गोली लगने से घायल दोनों आरोपियों को पुलिस ने मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।



पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 2/3 नवंबर की रात जेवर पुलिस झांझर रोड पर स्थित पावर हाउस के पास चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम को दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने संदेह होने पर दोनों को रुकने का इशारा किया, लेकिन वे रुकने के बजाय भागने लगे। पुलिस टीम ने तुरंत उनका पीछा किया। खुद को घिरता देख दोनों संदिग्धों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। इसके बाद पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी और वे वहीं गिर पड़े।

इमरान हत्याकांड में फरार चल रहे थे आरोपी: गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान शेरू उर्फ शेर मुहम्मद और मौसीम के रूप में हुई है। शेरू उर्फ शेर मुहम्मद जहांगीरपुर, जेवर का रहने वाला है। दूसरा आरोपी मौसीम पहासू, बुलंदशहर का निवासी है।

पुलिस ने बताया कि 7 अक्टूबर की रात को वादी के 36 वर्षीय भाई इमरान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 8 अक्टूबर को जेवर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। शेरू और मौसीम अपने अन्य साथियों के साथ इस हत्याकांड में शामिल थे और वारदात के बाद से ही लगातार फरार चल रहे थे।

अवैध पिस्टल बरामद और पुराना आपराधिक इतिहास: पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से .32 बोर की दो अवैध पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं। दोनों घायल अभियुक्तों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों का पुराना आपराधिक इतिहास भी है। शेरू उर्फ शेर मुहम्मद के खिलाफ जेवर थाने में हत्या के मुकदमे के अलावा वर्ष 2020 और वर्ष 2026 के अन्य मामले दर्ज हैं। वहीं मौसीम के खिलाफ भी हत्या के मुकदमे के साथ वर्ष 2026 का एक अन्य मामला दर्ज है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

स्लीपर बसों के हादसे रोकने के लिए अध्ययन होगा

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे समेत अन्य हाइवे पर स्लीपर बसों में होने वाले हादसे रोकने के लिए अध्ययन होगा। इसके लिए शासन स्तर पर कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें यमुना विकास प्राधिकरण को बतौर सदस्य शामिल किया गया है। कमेटी स्लीपर बसों के डिजाइन बदलने पर भी मंथन करेगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि स्लीपर बसों में हो रहे हादसों को रोकने के लिए शासन स्तर पर एक कमेटी बनाई गई है। कमेटी में यीडा को भी बतौर सदस्य शामिल किया गया है। यह कमेटी हादसों का समय, कारण और बसों के डिजाइन पर अपनी रिपोर्ट देगी। यह निर्णय पिछले दिनों एक्सप्रेसवे पर बस में आग से नौ लोगों की मौत के बाद लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में एक्सप्रेसवे और हाइवे पर दौड़ रही अधिकांश स्पीलर बसों से आपात स्थिति में सुरक्षित निकलना मुश्किल है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हादसा होने के बाद यात्रियों को बस से निकलने की जगह तक नहीं मिलती। बस में सिर्फ एक ही गेट होता है। इमरजेंसी गेट के सामने सीट लगा दी जाती है, जबकि यह नियमों के विपरीत है। बसों में बिजली की वायरिंग पर भी सवाल उठते रहे हैं। अब इन खामियों को दूर करने की तैयारी है। वहीं, एक्सप्रेसवे पर अधिकांश बड़े हादसे रात के समय होते हैं। हादसों का समय रात 12 बजे से सुबह छह बजे के बीच होता है। इसका कारण नींद की झपकी या फिर ओवर स्पीडिंग निकलकर आता है। ऐसे में बसों से होने वाले हादसों को रोकने के लिए नई पहल की जाएगी।

सड़क सुरक्षा के लिए चार 'ई' पर काम होगा: अधिकारियों ने बताया कि सड़क सुरक्षा के लिए चार 'ई' अनिवार्य हैं। इनमें इंजीनियरिंग, एजुकेशन, इमरजेंसी और इंफोर्समेंट शामिल हैं। हाइवे या एक्सप्रेसवे पर यदि किसी मोड़ या एक जगह पर चार से अधिक हादसे होते हैं, भले ही उन हादसों में किसी की जान न गई हो उसे ब्लैक स्पॉट के रूप में चिह्नित किया जाएगा।

महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और यातायात नियमों के प्रति दी गई जागरूकता

नोएडा। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर और जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति 6.0 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन (आईबीए) और एनआईईटी ग्रेटर नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं, महिलाओं, उद्यमियों और आम लोगों को महिला सुरक्षा, नारी सम्मान, साइबर अपराधों से बचाव और यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत एनआईईटी के निदेशक डॉ. विनोद कुमार ने आए हुए अतिथियों का स्वागत करके की। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान बांटना नहीं है, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना बढ़ाना और समाज के लिए जागरूक नागरिकों का निर्माण करना भी है।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंचीं एडीसीपी (महिला सुरक्षा एवं यातायात) मनीषा सिंह ने छात्र-छात्राओं और महिलाओं को जरूरी जानकारियां दीं। एडीसीपी मनीषा सिंह ने महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव और डिजिटल सुरक्षा के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने यातायात के नियमों का पालन करने पर खास जोर दिया और कहा कि जागरूक नागरिक ही एक सुरक्षित समाज का निर्माण कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि साइबर अपराधों से बचने के लिए सही जानकारी और सतर्कता ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा सिंह ने युवाओं को जीवन में सफलता पाने के लिए प्रेरित किया। एसीईओ प्रेरणा सिंह ने युवाओं से कहा कि वे शिक्षा, अनुशासन, आत्मविश्वास और लगातार मेहनत के बल पर जीवन में बड़े और ऊंचे लक्ष्य हासिल करें। उन्होंने अपना प्रशासनिक अनुभव साझा किया और युवाओं से लोक सेवा तथा राष्ट्र निर्माण के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की।



उद्योग जगत और शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी पर जोर: आईबीए के अध्यक्ष अमित कुमार उपाध्याय ने कहा कि महिला सुरक्षा, सम्मान और उनको आत्मनिर्भर बनाना पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत का यह फर्ज बनता है कि वह काम करने की जगह पर महिलाओं को पूरी तरह सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल दे तथा उन्हें बराबर के मौके उपलब्ध कराए।

वहीं एनआईईटी की अतिरिक्त प्रबंध निदेशक नीमा अग्रवाल ने कहा कि शिक्षण संस्थानों को अपने छात्र-छात्राओं में सामाजिक संवेदनशीलता, नैतिक मूल्यों और नागरिक के कर्तव्यों की भावना को विकसित करना चाहिए।

गणमान्य लोगों की मौजूदगी और सामूहिक शपथ: इस कार्यक्रम में आईबीए के कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष नरेश चौहान और संयुक्त सचिव वीरेंद्र रावल मौजूद रहे। इनके साथ ही कार्यकारिणी सदस्य हर्ष तोमर, सिमरन खत्री, पूनम माहेश्वरी, रंजना दीक्षित, शन्नी खत्री और आकाश चौहान भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त उद्योग जीपी गोस्वामी, डॉ. चंचल वार्ष्णेय, एनआईईटी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. नरेश कुमार के अलावा शिक्षक, उद्यमी, मीडिया प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

कार्यक्रम के आखिर में एनआईईटी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. नरेश कुमार ने सभी अतिथियों और हिस्सा लेने वाले लोगों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का समापन महिला सम्मान, साइबर सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन करने की सामूहिक शपथ के साथ किया गया।

मणिपुर में 24,475 अवैध प्रवासियों की पहचान: पूर्व सीएम बीरेन सिंह ने मांगा बायोमीट्रिक डाटा

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य सरकार से अवैध प्रवासियों के बायोमीट्रिक पंजीकरण की ताजा जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है। उनका कहना है कि राज्य के गृह विभाग को नियमित रूप से यह बताना चाहिए कि अब तक कितने अवैध प्रवासियों का बायोमीट्रिक डाटा जुटाया गया है और कितने लोगों की पहचान व सत्यापन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि यह मुद्दा राजनीति से जुड़ा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमाओं की रक्षा और राज्य के लोगों के भविष्य को सुरक्षित रखने से संबंधित है। बीरेन सिंह ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, 'यह राजनीति का मामला नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा, हमारी सीमाओं की रक्षा और अपने लोगों के भविष्य को सुरक्षित रखने से जुड़ा है। मिजोरम सरकार ने अवैध प्रवासियों के प्रवेश पर करीब से नजर रखकर और राज्य के हितों की रक्षा के लिए



कदम उठाकर सतर्कता का महत्व दिखाया है।' उन्होंने आगे कहा कि मणिपुर के गृह विभाग को भी बायोमीट्रिक डाटा से जुड़ी अद्यतन जानकारी नियमित रूप से जनता के साथ साझा करनी चाहिए।

सरकार से किस तरह की जानकारी मांगी गई?

पूर्व मुख्यमंत्री ने खास तौर पर बायोमीट्रिक पंजीकरण से जुड़े आंकड़े सार्वजनिक करने की बात कही है। उनके मुताबिक, गृह विभाग को यह जानकारी देनी चाहिए। अब तक कितने लोगों का बायोमीट्रिक डाटा एकत्र किया गया है, इसकी अद्यतन जानकारी सार्वजनिक की जाए। बायोमीट्रिक प्रक्रिया के तहत कितने लोगों की पहचान की गई है और कितने लोगों का सत्यापन पूरा हुआ है, यह बताया जाए। गृह विभाग इस पूरी प्रक्रिया से जुड़े आंकड़े समय-समय पर जनता के सामने रखे, ताकि जानकारी को लेकर पारदर्शिता बनी रहे।

मिजोरम सरकार का जिक्र क्यों किया?

बीरेन सिंह की यह मांग मिजोरम सरकार की ओर से म्यांमार के शरणार्थियों के बायोमीट्रिक पंजीकरण को लेकर दी गई जानकारी के एक दिन बाद आई है। मिजोरम सरकार ने कथित तौर पर बताया था कि राज्य में शरण लिए म्यांमार के शरणार्थियों का बायोमीट्रिक पंजीकरण अंतिम चरण में पहुंच गया है। इसका जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने मिजोरम सरकार की निगरानी व्यवस्था का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि अवैध प्रवासियों की आवाजाही पर नजर रखना।

त्रिपुरा में तस्करों का बीएसएफ जवानों पर हमला, हथियार छीनने की कोशिश; 8 आरोपी गिरफ्तार

अगरतला, एजेंसी। त्रिपुरा के अशाबारी में सोमवार को कुछ उपद्रवियों ने सीमा सुरक्षा बल के जवानों पर हमला कर दिया। उपद्रवियों ने तीनों क्रस्स्र जवानों को डंडे से वार किया और साथ ही एक गाड़ी भी तोड़ दी। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने इन उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों पर हमले को गंभीर चिंता का विषय बताया। इस मामले में 8 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। तस्करों के एक समूह ने सोमवार सुबह त्रिपुरा के बॉक्सा नगर इलाके के अशाबारी में सीमा सुरक्षा बल के तीन जवानों पर बेरहमी से हमला किया, जिससे इलाके में तनाव फैल गया। इस मामले में अभी तक यह जानकारी सामने आई है कि हमलावरों ने घायल जवानों से हथियार छीनने की कोशिश की और एक सरकारी वाहन की भी तोड़फोड़ की। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने इस हमले पर चिंता जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मैं अशाबारी में हमारे बहादुर क्रस्स्र जवानों पर उपद्रवियों के एक समूह द्वारा किए गए बर्बर हमले की कड़ी निंदा करता हूं।

संक्षिप्त समाचार

तलविंदर ने म्यूज़िकल एक्सपीरियंस में अपनी ईपी पेंटेड फीलिंग्स के रिलीज़ का जश्न मनाया

इंदौर, एजेंसी। अस्से पस्से और मंगदा वापिस क्यों के बाद, अपनी रूहानी और विविध शैलियों वाली आवाज़ के लिए मशहूर कलाकार तलविंदर ने पूरी तरह से पेंटेड फीलिंग्स की दुनिया का अनावरण किया है। अपनी चार-ट्रैक की ईपी को दो नए गानों गीत और जिंद मेरी के साथ पूरा करते हुए, यह सिंगर-सॉन्गराइटर चार अलग-अलग कहानियों को एक साथ लाया है, जो प्यार, लालसा और भावनाओं के विभिन्न रंगों को दर्शाती हैं। इस रिलीज़ के साथ, गीत का म्यूज़िक वीडियो भी आउट हो गया है, जिसमें तलविंदर एक शानदार काउबॉय लुक में नज़र आ रहे हैं, जो ट्रैक में एक अलग विज़ुअल आयाम जोड़ता है। इस ईपी के पूरे होने के मौके पर, तलविंदर ने एक खास लिसनिंग और आर्ट एक्सपीरियंस का आयोजन किया। कला, संगीत और लाइव परफॉर्मेंस की इस शानदार शाम ने गानों से परे भावनाओं और कहानियों को जीवंत कर दिया। मुंबई में सजी यह शाम 'पेंटेड फीलिंग्स' के जश्न में संगीत और कला को एक साथ लेकर आई। तलविंदर के इस विश्वास पर आधारित कि भावनाओं को विभिन्न रूपों में व्यक्त किया जा सकता है, इस कार्यक्रम में यह दर्शाया गया कि कैसे संगीत के माध्यम से आवाज़ पाने वाली भावनाएं कला के ज़रिए भी आकार ले सकती हैं। 50 से अधिक कलाकारों ने एक साथ आकर कैनवस पर 'पेंटेड फीलिंग्स' की अपनी समझ और व्याख्या को प्रदर्शित करते हुए भित्तिचित्र (म्यूरल) बनाए, जिनमें से हर एक ने एल्बम के लिए एक अनूठा नज़रिया पेश किया। इस शाम में तलविंदर ने अपने लाइव परफॉर्मेंस से मंच पर भी अपना जादू बिखेरा, जिसमें ह्वस्स और किडजेवेस्ट भी उनके साथ शामिल हुए, जिससे फैंस के लिए यह ईपी जीवंत हो उठी। यह संगीत, कला और उस रचनात्मक समुदाय का उत्सव था जो लगातार तलविंदर की दुनिया से जुड़ा हुआ है।

मणिपुर में क्षत-विक्षत मिले युवकों के शव, सुरक्षाबलों से भिड़े प्रदर्शनकारी

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के सेनापति जिले में दो युवकों के क्षत-विक्षत शव मिलने के बाद कांगपोकपी जिले में सोमवार को प्रदर्शनकारियों की सुरक्षाबलों से झड़प हो गई। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों पर पत्थर भी फेंके। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षाबलों ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। एक प्रदर्शनकारी के सिर में चोट आई है। उसकी हालत स्थिर है। अधिकारियों ने बताया कि कांगपोकपी जिले के एक गांव से लापता हुए दो युवकों के क्षत-विक्षत शव रविवार को सेनापति जिले में केले के खेत में बोरियों में मिले थे। शव मिलने के बाद रविवार रात कांगपोकपी जिले के कई इलाकों में प्रदर्शन शुरू हो गए। सोमवार को अतिरिक्त सुरक्षाबल तैनात किए गए। इस बीच हत्या के विरोध में कुकी संगठन कमेटी आन ट्राइबल यूनिटी (सीओटीयू) ने बंद 48 घंटे और बढ़ा दिया है। शव मिलने के बाद संगठन ने रविवार से जिले में 24 घंटे के बंद का आह्वान किया था। संगठन ने सरकार पर कार्रवाई में देरी का आरोप लगाते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

ग्रेटर नोएडा में भारत उद्यम संगम, स्टार्टअप, नवाचार और उद्यमिता को मिला नया मंच

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। नॉलेज पार्क स्थित जीएल बजाज इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी एंड मैनेजमेंट में भारत उद्यम संगम 2026 का आयोजन हुआ। जीएल बजाज सेंटर फार रिसर्च एंड इन्क्यूबेशन की ओर से आयोजित सम्मेलन में करीब 500 विद्यार्थियों, शिक्षकों, स्टार्टअप संस्थापकों, उद्यमियों, निवेशकों और उद्योग विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में प्रयोगशाला में विकसित होने वाले शोध और तकनीकी नवाचार को बाजार तक पहुंचाने, स्टार्टअप को निवेश उपलब्ध कराने और युवाओं में उद्यमशीलता की सोच विकसित करने पर चर्चा हुई। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के इनोवेशन हब के सहयोग से आयोजित सम्मेलन का विषय प्रयोगशाला से बाजार तक मुख्य अतिथि भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के पूर्व महानिदेशक एवं सेवानिवृत्त आइएएस सुरेंद्र नाथ त्रिपाठी और विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय के विज्ञानी डॉ विशाल चौधरी रहे।

गोल मार्केट में फोटोस्टेट की दुकान चलाने वाला दुर्लभ कुमार था

ढाबा संचालक और फोटोस्टेट की दुकान चलाने वालों ने किया पीजीआई में घोटाला, मरीजों के करोड़ों रुपये किए ट्रांसफर

चंडीगढ़, एजेंसी। पीजीआई में बीते वर्ष प्राइवेट ग्रांट सेल के 1.14 करोड़ रुपये के घोटाले का बड़ा मामला सामने आया था। इस मामले में सरगना पीजीआई स्थित गोल मार्केट में फोटोस्टेट की दुकान चलाने वाला दुर्लभ कुमार था। इसके साथ ही इसमें दूसरा सरगना उसी मार्केट में ढाबा चलाने वाला साहिल सूद है। सीबीआई की ओर से दर्ज की गई एफआईआर में साहिल को दुर्लभ का पार्टनर बताया गया है। वहीं, जागरण की पड़ताल में सामने आया कि दोनों ही पार्टनर नहीं हैं। मुख्य सरगना दुर्लभ अलग से फोटोस्टेट की दुकान चलाता है, जबकि साथी सरगना ढाबा चलाता है।

इसके साथ ही पीजीआइ के छह कर्मचारियों की मिलीभगत से



प्राइवेट ग्रांट सेल के तहत गरीब और जरूरतमंद मरीजों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता के फर्जी दस्तावेज बनाकर घोटाला कर रहे थे। इस मामले में सीबीआई ने दुर्लभ, साहिल समेत पीजीआई के छह कर्मचारियों समेत आठ आरोपितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

बता दें कि यह प्राइवेट ग्रांट सेल स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष, राष्ट्रीय आरोग्य निधि, हंस कल्चर सोसायटी और अन्य सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं से मिलने वाली ग्रांट के प्रबंधन का काम करता है।

इसी सेल में गरीब और जरूरतमंद मरीजों को वित्तीय सहायता और दवाएं उपलब्ध करवाई जाती हैं। आरोपितों ने मिलकर गरीब और जरूरतमंद मरीजों को मिलने वाली आर्थिक सहायता की रकम अपने बैंक खातों में ट्रांसफर कर ली थी।

उसका डिजिटल रिकॉर्ड भी डिलीट कर दिया गया था और 22,01,839 रुपये की राशि आरटीजीएस के माध्यम से निवास यादव नामक एक निजी व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर कर दी गई थी।

प्राइवेट ग्रांट सेल के अधिकारियों से था संपर्क

सीबीआई की जांच में सामने आया था कि यह घोटाला पीजीआई की ही गोल मार्केट में फोटोकोपी की दुकान से चल रहा था। इस दुकान के मालिक का पीजीआई के प्राइवेट ग्रांट सेल के अधिकारियों से लगातार संपर्क था। इनमें पीजीआई के जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव असिस्टेंट (रिटायर्ड) धर्मचंद, मेडिकल रिकॉर्ड क्लर्क सुनील कुमार, लोअर डिवीजन क्लर्क प्रदीप सिंह, चेतन गुप्ता, हास्पिटल अटेंडेंट नेहा और प्राइवेट ग्रांट सेल के कर्मचारी गगनप्रीत सिंह शामिल हैं। घोटाले का पर्दाफाश तब हुआ जब एक लाभार्थी मरीज कमलेश देवी (फाइल नंबर 18796) के पति दवाओं के लिए स्वीकृत ढाई लाख की ग्रांट का लाभ लेने प्राइवेट ग्रांट सेल पहुंचे। वहां पता चला कि यह फाइल नष्ट कर दी गई थी।

इंस्टाग्राम पर मैसेज भेजकर बुलाया था बाहर, अगले ही दिन बोरे में मिला 17 वर्षीय किशोर का शव

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरलम के तिरुवनंतपुरम में रविवार दोपहर घर से निकले 17 वर्षीय अभिराम का शव अगले दिन एक सुनसान प्लॉट में बोरे में बंद मिला। अभिराम ने घर से निकलते समय परिवार को बताया था कि उसके किसी दोस्त का फोन आया है। देर रात तक जब वह वापस नहीं लौटा और फोन बंद आने लगा, तो घरवालों ने श्रीकार्यम पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जांच के बाद शव बरामद कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि अभिराम को इंस्टाग्राम पर मैसेज भेजकर पंगप्पारा इलाके में बुलाया गया था, जहां से बाद में उसका शव मिला। इस मामले में पुलिस ने 17 और 19 वर्ष के दो किशोरों को हिरासत में लिया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वारदात में किसकी क्या भूमिका थी। क्या शव को छिपाने में किसी अन्य व्यक्ति ने भी मदद की थी। पुलिस के शुरुआती अनुमान के मुताबिक, हत्या की वजह एक लड़की के साथ अभिराम की दोस्ती से जुड़ा विवाद हो सकता है। प्राथमिक जांच से पता चला है कि पहले उसका गला घोंटा गया और फिर पहचान छिपाने व सबूत मिटाने के लिए शव को एक बोरे में भरकर सुनसान जगह पर फेंक दिया गया। मृतक के पिता के अनुसार, अभिराम 1 नवंबर की दोपहर करीब 3 बजे घर से निकला था। शाम को फोन करने पर उसने जल्द घर लौटने की बात कही थी, लेकिन कुछ घंटों बाद उसका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। कझाकूटम सहायक पुलिस आयुक्त के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया है। पुलिस अब उस इंस्टाग्राम अकाउंट की बारीकी से जांच कर रही है जिससे मैसेज भेजकर अभिराम को बुलाया गया था।



झारखंड हाईकोर्ट को मिली डिजिटल ताकत, सीजेआई सूर्यकांत ने डेटा सेंटर का किया उद्घाटन

रांची, एजेंसी। झारखंड की न्यायपालिका ने तकनीक के क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाई है. अब अदालतों में न्यायिक कामकाज को अधिक तेज, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा. सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सोमवार देर शाम रांची स्थित झारखंड हाईकोर्ट परिसर में अत्याधुनिक डेटा सेंटर का उद्घाटन किया. इसके साथ ही उन्होंने हाईकोर्ट की नई वेबसाइट, मोबाइल ऐप और छह महत्वपूर्ण डिजिटल सुविधाओं की शुरुआत की. इस पहल से न सिर्फ जजों और अधिवक्ताओं को सहूलियत मिलेगी, बल्कि आम वादियों को भी घर बैठे कई न्यायिक सेवाओं का लाभ मिल सकेगा. उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल सीजेआई सूर्यकांत ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से न्यायपालिका की कार्यप्रणाली अधिक सुगम और प्रभावी होगी. इससे न्यायिक व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी और लोगों को मिलने वाली सुविधाओं का विस्तार होगा. उन्होंने डिजिटल तकनीक को न्यायिक व्यवस्था के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया. करीब 35 करोड़ रुपये की लागत से तैयार डेटा सेंटर को आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस किया गया है. इसमें हाई-परफॉर्मेंस जीपीयू सर्वर, आधुनिक नेटवर्क सुरक्षा, निर्बाध बिजली आपूर्ति, केंद्रीकृत स्टोरेज और बैकअप सिस्टम की व्यवस्था है. इसके जरिए केस इंफॉर्मेशन सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक न्यायिक रिकॉर्ड और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी सेवाओं को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सकेगा. साथ ही न्यायालयों के महत्वपूर्ण और संवेदनशील डिजिटल रिकॉर्ड की सुरक्षा भी मजबूत होगी. इस डिजिटल पहल के तहत न्यायिक अधिकारियों को 'सुप्रीम टुडे एआई' सॉफ्टवेयर की सुविधा भी दी जा रही है. इसकी मदद से जज पुराने फैसलों, कानूनी नजीरों और जरूरी संदर्भों को तेजी से खोज सकेंगे. इससे कानूनी शोध और आदेशों की ड्राफ्टिंग में लगने वाला समय कम करने में मदद मिलेगी. वहीं, 'ड्रैग्न स्पीच रिकग्निशन सॉफ्टवेयर' के जरिए न्यायिक अधिकारी बोलकर आदेश और फैसले तैयार कर सकेंगे. इसकी खासियत यह है कि यह ऑफलाइन काम करेगा, जिससे न्यायिक दस्तावेजों की गोपनीयता बनी रहेगी. इस पूरी व्यवस्था का सीधा फायदा आम लोगों को मिलने वाला है. अब झारखंड के विभिन्न सिविल कोर्ट से जुड़े आदेशों और फैसलों की प्रमाणित प्रतिलिपि के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा.

गुरुग्राम-सोहना हाईवे पर सातवीं बार धंसी सड़क, करोड़ों खर्च फिर भी नहीं समाधान

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम-सोहना हाईवे पर सोहना चौक के नजदीक सोमवार को सातवीं बार सड़क धंसने से एनएचएआइ और जीएमडीए की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। गड्ढा बनने के बाद बैरिकेडिंग कर एक लेन में यातायात बंद कर दिया गया है। इससे चौक के नजदीक हाईवे पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। हैरानी की बात यह है कि छह बार गड्ढे की मरम्मत के नाम पर तीन करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। अब सातवीं बार गड्ढा बनने के बाद अधिकारी स्थायी समाधान की बात कर रहे हैं। इसके लिए दो करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है। इस बार हाईवे के नीचे से गुजर रही लगभग 120 मीटर सीवर लाइन को पूरी तरह हटाकर सर्विस लेन पर शिफ्ट किया जाएगा। एनएचएआई के परियोजना निदेशक योगेश तिलक का दावा है कि सीवर लाइन को शिफ्ट करना ही समस्या का स्थायी समाधान है। सवाल यह है कि जब सीवर लाइन ही समस्या की जड़ थी, तो पिछली छह बार की मरम्मत में इसका समाधान क्यों नहीं किया गया? क्या हर बार केवल गड्ढा भरकर सड़क चालू करना ही अधिकारियों की जिम्मेदारी थी? पिछली बार जब हाईवे पर गड्ढा बना था, उस समय भी जीएमडीए के सीईओ पीसी मीणा और एनएचएआइ के परियोजना निदेशक योगेश तिलक ही थे। उस समय भी एनएचएआइ की ओर से स्थायी समाधान का दावा किया गया था। इसके बावजूद तीन महीने के भीतर फिर गड्ढा बन गया। जब एनएचएआई के परियोजना निदेशक योगेश तिलक से पूछा गया कि पिछली बार ही 120 मीटर सीवर लाइन को शिफ्ट क्यों नहीं किया गया तो उनके पास कोई जवाब नहीं था। एक-दो बार किसी तकनीकी कारण से अस्थायी मरम्मत की नौबत समझी जा सकती है, लेकिन छह बार मरम्मत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं होना गंभीर लापरवाही की ओर इशारा करता है। छह बार में तीन करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने के बाद अब दो करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने की तैयारी है। बैरिकेडिंग लगाकर एक लेन बंद करना तत्काल सुरक्षा उपाय हो सकता है।



बंगाल में बीजेपी विधायक पर पार्टी कार्यकर्ताओं का हमला, विधायक अस्पताल में भर्ती

डेबरा, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के देबरा विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी विधायक शुभाशीष ओम पर उनकी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं के कथित हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए. उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया. बताया जा रहा है कि मामला कथित जबरन वसूली से शुरू हुआ. देबरा से बीजेपी विधायक शुभाशीष ओम पर कथित रूप से जबरन वसूली को लेकर हमला किया गया. आरोप है कि उन पर उनकी ही पार्टी के कुछ सदस्यों ने हमला किया. घायल विधायक को देबरा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया.

बीजेपी के घाटल ऑर्गेनाइजेशनल डिस्ट्रिक्ट के प्रेसिडेंट तन्मय दास के फॉलोअर्स पर आरोप लग रहे हैं. देबरा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में विधायक से मिलने के बाद तन्मय दास ने कहा, 'मुझे ऐसी किसी घटना की जानकारी नहीं है. हॉस्पिटल जाकर मैंने देखा कि वह ठीक हैं.'

हालांकि अगर पार्टी के खिलाफ शिकायतें हैं, तो उन्हें पब्लिक में लाने के बजाय अंदर ही अंदर बात करना बेहतर है.' बीजेपी सूत्रों के मुताबिक देबरा विधायक सोमवार को कुछ काम देखने के लिए एक सरकारी ऑफिस गए थे. वहां उन्हें कई शिकायतों के बारे में पता चला और इसके बाद वह मामले पर बात करने



के लिए पुलिस स्टेशन गए. पुलिस स्टेशन के बाहर बदमाशों के एक ग्रुप ने उन्हें कथित रूप से घेर लिया और उन पर हमला कर दिया. विधायक के ग्रुप का दावा है कि हमलावर सभी घाटल बीजेपी लीडर तन्मय दास के फॉलोअर्स हैं. इसके बाद विरोधी ग्रुप के बीजेपी कार्यकर्ता भी पुलिस स्टेशन पहुंच गए, जिससे टकराव हो गया. पुलिस ने बीच-बचाव करके हालात को काबू में किया. इस घटना में कई लोग घायल हो गए. विधायक जिन पर पुलिस स्टेशन के बाहर हमला हुआ था, उन्हें पहले देबरा हॉस्पिटल ले जाया गया लेकिन, उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें मिदनापुर सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में ट्रांसफर कर दिया गया. विधायक ने कहा, 'हमारी पार्टी के कुछ वर्कर एक झगड़े के बाद एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने पुलिस स्टेशन गए थे. मैं वहां मामला सुलझाने में मदद करने गया था, क्योंकि हम सब एक ही पार्टी के बैनर तले काम करते हैं. उस समय उनमें से कुछ लोग मेरे खिलाफ हो गए. वे हमारी ही पार्टी के मेंबर हैं. असल में हमारी लड़ाई जबरन वसूली के खिलाफ है.'

इस बीच बीजेपी के घाटल डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट तन्मय दास ने कहा, 'मुझे इस मामले की जानकारी नहीं है और जानकारी इकट्ठा करने के बाद ही मैं कुछ कह पाऊंगा. मैं यह नहीं बता सकता कि जबरन वसूली कहां हुई होगी. कुछ इलाकों से शिकायतें मिली हैं, लेकिन मैं यह नहीं कह सकता कि पार्टी का कोई मेंबर इसमें शामिल है या नहीं. घाटल बीजेपी युवा मोर्चा के वाइस-प्रेसिडेंट प्रहलाद चक्रवर्ती ने कहा, 'यह घटना बीजेपी डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट और उनके फॉलोअर्स ने करवाई थी. उन्होंने हॉस्पिटल में मुझ पर हमला करने की भी कोशिश की.

यूपी में बदला मौसम, सुबह-शाम छाएगा कोहरा, आईएमडी का अपडेट

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मौसम लगातार बदल रहा है, एक ओर जहां दिन के समय हल्की गर्मी के साथ-साथ सुबह के वक्त हल्की ठंडक महसूस होने लगी है। वहीं, बारिश थमने के बाद अब कोहरे का दौर शुरू हो सकता है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, मंगलवार से आने वाले सात दिनों तक प्रदेश के कई जिलों में सुबह-शाम हल्का से मध्य कोहरा पड़ने की संभावना है। हालांकि मौसम विभाग के पूर्वानुमान का असर दिखाई दिया। शामली की सड़कों पर सुबह के समय कोहरा छाया। इसके अलावा प्रदेश में अगले सात दिनों तक मौसम साफ रहने की उम्मीद है। आठ नवंबर तक उत्तर प्रदेश के किसी भी जिले बारिश या खराब मौसम के आसार नहीं है। अर्णब तूफान के बाद सोमवार को पश्चिम-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती तूफान मुरासु का प्रदेश पर कोई असर नहीं पड़ने की संभावना है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, सोमवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हल्की धूप और ठंडी हवाओं की वजह से न्यूनतम तापमान लगातार गिर रहा है और आगे भी जारी रहेगा। वहीं, सोमवार को सबसे कम तापमान इटावा और उरई में दर्ज किया गया। वहां न्यूनतम तापमान 15.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि मुजफ्फरनगर में न्यूनतम तापमान 6.0 डिग्री सेल्सियस रहा। प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान झांसी में 31.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आने वाले 2-3 दिनों तक रात में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्यसियस की गिरावट आने की संभावना है। सुबह के समय तापमान में गिरावट और ठंडक की वजह से प्रदेश के कुछ हिस्सों में छिछला से मध्यम कोहरा और धुंध पड़ने की संभावना जताई गई है। सोमवार को भी कुछ जिलों में धुंध छाई।



इंग्लैंड के खिलाफ मौका नहीं मिलने पर लिया फैसला

मैक्सवेल का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास



नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर 5 मैचों की टी20 सीरीज में नहीं चुने जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर ग्लेन मैक्सवेल ने सोमवार (3 नवंबर) को संन्यास का ऐलान कर दिया। 38 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी 1ह्य फर्स्ट-क्लास क्रिकेट और लिस्ट-ए मैचों से भी संन्यास ले लिया है। वह बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स के लिए खेलना जारी रखेंगे, क्योंकि उनके अनुबंध को 2027-28 सीजन तक बढ़ा दिया गया है। मैक्सवेल ने पिछले साल जून में ही वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन वह टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपलब्ध रहे। उन्होंने 2026 में हुए टी20 वर्ल्ड कप में भी हिस्सा लिया, जहां उनकी टीम ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ पाई। फरवरी में ओमान के खिलाफ उस टूर्नामेंट का आखिरी मैच उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का भी आखिरी मैच साबित हुआ।

एमसीजी में खेलकर लेना चाहते थे विदाई

दो बार के वनडे विश्व कप विजेता और 2021 में ऑस्ट्रेलिया के टी20 विश्व चैंपियन बनने पर विजयी रन बनाने वाले मैक्सवेल की इच्छा थी कि वह अपने घरेलू मैदान मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर अपने देश के लिए एक आखिरी बार मैदान में उतर पाते, लेकिन उनकी यह हसरत पूरी नहीं हो सकी।

ग्लेन मैक्सवेल ने क्या कहा?

मैक्सवेल ने 'द फाइनल वर्ड'पॉडकास्ट पर कहा,'टी20 वर्ल्ड कप से पहले और बाद में हमारी कई बार बातचीत हुई। और यह बातचीत काफी खुली थी। उस तरफ (ऑस्ट्रेलिया टीम मैनेजमेंट) से कोई दबाव नहीं था और हमने तय किया कि आगे के लिए रास्ते खुले रखे जाएं। कुछ सीरीज आने वाली थीं। वे भविष्य पर ध्यान देना चाहते थे और हमने बांग्लादेश में देखा कि वहां खिलाड़ियों को मौके मिले और उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।'

एमसीजी में खेलकर विदा होना चाहते थे मैक्सवेल

मैक्सवेल ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि एक छोटी सी उम्मीद या शायद इस पर बात होनी चाहिए थी कि मुझे एमसीजी में एक विदाई मैच खेलने का मौका मिल सकता है, लेकिन इस टीम को लेकर वे जिस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं मैं उसे पूरी तरह समझ सकता हूं। मुझे लगता है कि अगले 12 से 24 महीनों में काफी बदलाव देखने को मिलेंगे, खासकर इसलिए क्योंकि (2028 में) ओलंपिक है। ऐसे में उन्हें कुछ युवा खिलाड़ियों पर नजर रखनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय दबाव का अनुभव मिले। एक ऐसा अनुभव जो शायद हमेशा बीबीएल के मैचों में नहीं मिल पाता।'

इंग्लैंड सीरीज को लेकर क्या बोले मैक्सवेल

इंग्लैंड की टीम व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया आने वाली है, जिसमें मेलबर्न में होने वाला एक टी20 मैच भी शामिल है। मैक्सवेल के मन में इस सीरीज के लिए खुद को तैयार करने का विचार आया था। उन्होंने कहा, 'यह एक विकल्प था, लेकिन मैं अपने घुटने में इंजेक्शन लगवाने के लिए भी तैयार था, ताकि यह पक्का हो सके कि मैं बीबीएल के लिए फिट रहूं। दोनों ही स्थितियों में कुछ न कुछ सकारात्मक था। जैसे ही वह मौका हाथ से निकल गया, मुझे अपने शरीर पर फिर से ध्यान देने का समय मिल गया।

बीबीएल के लिए तैयारी

मैक्सवेल ने आगे कहा, 'अब मैं 8 हफ्तों तक अच्छे से रिहैब करूंगा, ताकि मैं पूरी तरह मजबूत हो जाऊं और आने वाले बीबीएल के लिए तैयार रहूं। यह कुछ-कुछ उस परीकथा जैसा है, जिसमें आप अपने हीरो या आदर्शों को ऐसी स्थितियों से गुजरते हुए देखते हैं। आपका मन भी उसी दिशा में सोचने लगता है। शायद ही कोई और फॉर्मेट होता जिसके लिए मैं ऐसी इच्छा रखता, सिवाय इसके, जहां पिछले 15 सालों से मुझे बिल्कुल अपने घर जैसा महसूस होता रहा है।'

ग्लेन मैक्सवेल का करियर

ग्लेन मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 130 टी20 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 154.42 के स्ट्राइक रेट से 2897 रन बनाए हैं और 51 विकेट लिए हैं। इस फॉर्मेट में उनके नाम पांच शतक हैं, जो एक विश्व रिकॉर्ड है। इस रिकॉर्ड में वे रोहित शर्मा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में सात मैच खेले हैं, जिनमें से आखिरी मैच 2017 में था और कुल 339 रन बनाए हैं। रांची में भारत के खिलाफ बनाया गया 104 रनों का स्कोर उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है।

भारत-पाकिस्तान मैच का गजब जुनून, 84 लाख लोगों को चाहिए टिकट



भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट को लेकर मारामारी

क्रिकेट में हालांकि भारत और पाकिस्तान के मुकाबले से बढ़कर कोई राइवेलरी नहीं रही है. खासकर तब जब मुकाबला वर्ल्ड कप का हो तो और भी. लेकिन, इस सिक्के का दूसरा पहलू ये भी है कि हाल के दिनों में इन दो चिर-प्रतिद्वन्दियों में घमासान एकतरफा ही दिखा है. पिछली 9 भिड़ंत में पलड़ा भारत का झुका रहा है. पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ आखिरी जीत 2022 के एशिया कप में हासिल की थी.

नई दिल्ली, एजेंसी। जरा सोचिए कि अगले साल 10 अक्टूबर को क्या होगा? ऐसा इसलिए क्योंकि अगले साल 10 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान मैच है, जिसके टिकट 84 लाख लोगों को चाहिए. भारत-पाकिस्तान के बीच 10 अक्टूबर 2027 को मुकाबला वनडे वर्ल्ड कप में खेला जाएगा, जो कि जोहानिसबर्ग के वांडरर्स मैदान पर होगा. अब हैरानी इसलिए है क्योंकि वांडरर्स मैदान की क्षमता सिर्फ 34000 दर्शकों की है. ICC मेंस वनडे वर्ल्ड कप 2027 का फाइनल भी जोहानिसबर्ग के वांडरर्स मैदान पर ही 21 नवंबर को होना है, जिसके लिए कुल 9 लाख लोग टिकट की होड़ में हैं. टूर्नामेंट की शुरुआत 7 अक्टूबर को होगी, जो कि 2023 वर्ल्ड कप के फाइनल का ही रिपीट होगा. मतलब उसमें ऑस्ट्रेलिया और भारत की टीमें आमने-सामने होंगी.

भारत-पाक के ग्रुप में ये टीमें – भारत और पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के साथ एक ग्रुप में हैं. वहीं इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश, श्रीलंका और न्यूजीलैंड दूसरे ग्रुप में. ग्रुप स्टेज से दोनों ग्रुप से टॉप थ्री टीम के अलावा बेस्ट चौथे नंबर की टीम सुपर-7 स्टेज में जाएगी, जहां से टॉप की 4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेगी.

चोला ग्रैंडमास्टर्स शतरंज

पांच खिलाड़ी संयुक्त बढ़त पर, प्रणेश और नारायणन भी शीर्ष पर पहुंचे



चेन्नई, एजेंसी। पहले चोला चेस ओपन इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के चौथे राउंड के बाद खिताबी दौड़ और रोमांचक हो गई है। अब पांच खिलाड़ी 3.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। ये हैं ग्रैंडमास्टर कार्तिकेयन मुरली, ग्रैंडमास्टर लियोन ल्यूक मेंडोंसा, अर्मेनिया के ग्रैंडमास्टर सैमवेल टेर-सहक्यान, ग्रैंडमास्टर प्रणेश एम. और ग्रैंडमास्टर एस.एल. नारायणन। पहले बोर्ड पर कार्तिकेयन मुरली और लियोन ल्यूक मेंडोंसा आमने-सामने थे। दोनों ने अब तक अपनी सभी बाजियां जीती थीं और यह मुकाबला ड्रॉ रहा। दूसरे बोर्ड पर शीर्ष वरीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने काले मोहरों से खेलते हुए टेर-सहक्यान से अंक बांटे। यह अरविंद का लगातार दूसरा ड्रॉ रहा। अब वे 3 अंकों के साथ बढ़त से आधा अंक पीछे हैं।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026

भारत ने दक्षिण कोरिया को 8-0 से रौंदा

लगातार 5वीं जीत के साथ शीर्ष पर रहा, दिलप्रीत सिंह ने दागे 2 गोल



नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 हॉकी टूर्नामेंट में गत चैंपियन भारत का अजेय अभियान जारी है। भारतीय टीम ने सोमवार दो नंवबर 2026 को अपने पांचवें और आखिरी राउंड रॉबिन मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 8-0 से करारी शिकस्त देकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत 15 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर रहा। भारत की ओर से दिलप्रीत सिंह ने दो गोल किये, जबकि जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, संजय और अंगद बीर सिंह ने 1-1 गोल किया।

टूर्नामेंट का अंतिम चरण अब मोहाली में होगा। टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल मैच में बुधवार को भारत का सामना फिर दक्षिण कोरिया से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल मैच में मलेशिया का सामना जापान से होगा।

एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम के बाद जापान, एशियन गेम्स की रजत पदक विजेता मलेशिया और दक्षिण कोरिया का स्थान रहा। इससे पहले भारत ने टूर्नामेंट में बांग्लादेश को 13-0, चीन को 5-2, जापान को 4-1 और मलेशिया को 4-2 से हराया था। स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह (8वें और 40वें मिनट) ने दो गोल किये, जबकि भारत के लिए अन्य गोल जुगराज सिंह (11वें), हरमनप्रीत सिंह (15वें), शिलानंद लकड़ा (33वें), सुखजीत सिंह (34वें), संजय (36वें) और अंगद बीर सिंह (60वें) ने किये।

भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत की और चौथे मिनट में ही गोल करने का पहला प्रयास किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पास पर सुखजीत सिंह ने सर्कल के ऊपरी हिस्से से एक 'रिवर्स हिट' लगाई, लेकिन दक्षिण कोरिया के सतर्क गोलकीपर जेह्योन किम ने उसे अपने दस्तानों से रोक दिया। चार मिनट बाद भारत ने दिलप्रीत सिंह के जरिये बढ़त बना ली। जरमनप्रीत सिंह से मिले पास पर उन्होंने एक बेहतरीन रिवर्स हिट लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। कोरियाई टीम जब 11वें मिनट में लगातार मिले पेनल्टी कॉर्नर्स का फायदा उठाने में नाकाम रही तब जुगराज ने रिबाउंड पर गोल कर दिया और भारत ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी।

फॉर्म में लौटे यशस्वी जायसवाल

टेस्ट सीरीज से पहले न्यूजीलैंड में ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया की सबसे बड़ी टेंशन दूर हो गई है. भारतीय टीम की टेंशन यशस्वी जायसवाल के फॉर्म को लेकर थी, जो पिछली कुछ टेस्ट पारियों से हिचकोले खा रही थी, पिछली 9 पारियों में से 4 में तो वो खाता भी नहीं खोल पाए थे. लेकिन, अब सब ठीक है. यशस्वी फॉर्म में लौट आए हैं, जिसका प्रमाण है न्यूजीलैंड ए के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के आखिरी दिन उनके बल्ले से निकला शतक. यशस्वी ने ना सिर्फ धमाकेदार शतक जड़ा है बल्कि इस दमदार पारी के दौरान फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपने 5000 रन भी पूरे किए.

दर्द के आगे शतक है – यशस्वी जायसवाल को शतक तक पहुंचने के दौरान दर्द का भी सामना करना पड़ा. ये दर्द उन्हें तब मिला जब वो 87 रन पर खेल थे और दूसरी पारी में इंडिया ए की इनिंग का 32वां ओवर चल रहा था. न्यूजीलैंड ए के गेंदबाज जेरॉड मकॉय ने इस ओवर की दूसरी गेंद बाउंसर फेंकी, जो सीधा जाकर उनके हेलमेट पर जोर से लगी. गेंद हेलमेट पर लगने के बाद यशस्वी को दर्द हुआ और वो थोड़े परेशान दिखे. उनका कनक्शन टेस्ट हुआ. कनक्शन जांच के बाद हालांकि वो खेलने के लिए फिट पाए गए.

ये शतक नहीं 9 पारियों की नाकामी का अंत है – यशस्वी जायसवाल के लिए क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड ए के खिलाफ जमाया शतक कितना खास है, उसका अंदाजा पिछली 9 पारियों के उनके आंकड़े देखकर लगाया जा सकता है. उन 9 पारियों में उनके नाम 4 डक के अलावा सिर्फ 1 फिफ्टी प्लस स्कोर है. उन 9 पारियों में 3 पारियां तो यशस्वी ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ ही खेली, जिसमें सिर्फ 21 रन उनके खाते में आए. लेकिन, अब न्यूजीलैंड ए के खिलाफ चौथी पारी में उन्होंने वो शतक जड़ दिया है, जो टीम इंडिया के साथ साथ करोड़ों भारतीय क्रिकेट फैंस को सुकून देने वाला है.

18 शतक, 5000 रन और यशस्वी जायसवाल

यशस्वी जायसवाल ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ 119 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया. उन्होंने शतक की दहलीज 99 रन के स्कोर पर छक्का लगाते हुए लांघी. ये उनके फर्स्ट क्लास करियर का 18वां शतक रहा. इस शतकीय पारी के दौरान ही यशस्वी जायसवाल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपने 5000 रन भी पूरे किए.



न्यूजीलैंड दौरा खत्म...

सूर्यवंशी के सामने नई परीक्षा!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज में वैभव सूर्यवंशी को ज्यादा मौके नहीं मिले. 15 साल के वैभव सिर्फ दूसरे और तीसरे मुकाबले में खेलने उतरे क्योंकि ईशान किशन चोटिल थे. वैभव ने क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में तीसरे नंबर पर बैटिंग करते हुए 4 रन बनाए. फिर वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में वैभव को ओपनिंग करने का मौका मिला तो उन्होंने गदर काट दिया. वैभव ने 4 छक्के और चार चौके की मदद से सिर्फ 19 बॉल पर 45 रन ठोक दिए. बाकी के तीन मुकाबलों में वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया गया, जिसे लेकर सवाल खड़े हुए.



अब भारतीय टीम को न्यूजीलैंड दौरे पर पांच मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है. फिर दो मैचों की टेस्ट सीरीज का भी आयोजन भी होना है. 'बेबी बॉस' के नाम से मशहूर वैभव इन दोनों सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं हैं, ऐसे में वो भारत लौट रहे हैं. हालांकि वैभव सूर्यवंशी क्रिकेटिंग एक्शन से ज्यादा दूर नहीं रहने वाले हैं. 14 नवंबर से घरेलू टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 की शुरुआत हो रही है. ऐसे में पूरी उम्मीद है कि वैभव भी इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनेंगे. बिहार की टीम इस टूर्नामेंट के लिए घोषित नहीं हुई है, लेकिन वैभव का सेलेक्शन लगभग तय है. SMAT के आगामी सीजन में बिहार को एलीट ग्रुप बी में रखा गया है.

प्रेमा रावत ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। छक्के-चौकों की बारिश, जो बॉल सामने आई उसे बाउंड्री के पार पहुंचाया. उत्तराखंड की प्रेमा रावत ने सीनियर वीमेंस टी20 ट्रॉफी में ऐसा ही कमाल किया. दाएं हाथ की इस तूफानी बल्लेबाज ने हैदराबादी गेंदबाजों की धुनाई करते हुए सिर्फ 14 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया जो कि महिला क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक है. प्रेमा रावत ने पाकिस्तान की फातिमा सना का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था. अब ये रिकॉर्ड प्रेमा के नाम है.

प्रेमा ने ऐसे ठोका सबसे तेज अर्धशतक – प्रेमा रावत चौथे नंबर पर बैटिंग करने उतरी. इस खिलाड़ी ने पहली गेंद डॉट खेली और उसके बाद छक्के चौकों की झड़ी लगा दी. प्रेमा ने दूसरी, तीसरी और चौथी गेंद पर चौका लगाया. इसके बाद उन्होंने एक गेंद डॉट खेली. अगली गेंद पर छक्का लगाने के बाद उनसे एक बॉल और डॉट हुई. प्रेमा ने इसके बाद अगली 7 गेंदों पर 3 छक्के, 3 चौके और एक डबल लिया. इसके साथ ही उन्होंने 14 गेंदों में अर्धशतक जमा दिया. प्रेमा रावत ने अपनी 14 गेंदों की फिफ्टी में तीन गेंद डॉट खेली. अगर ऐसा ना होता तो सोचिए प्रेमा 11 गेंदों में अर्धशतक लगा सकती थीं.



प्रेमा रावत कौन हैं? – प्रेमा रावत उत्तराखंड के बागेश्वर जिले की रहने वाली हैं. उनके पिता केदार सिंह रावत भारतीय वायुसेना में हैं. प्रेमा ने गांव के खेतों में भाइयों के साथ क्रिकेट खेलना शुरू किया. प्रेमा का सफर आसान नहीं रहा. वो पहले एथलेटिक्स और फिर हॉकी खेलती थीं. उन्होंने राज्य स्तर और स्कूल गेम्स में हॉकी में हिस्सा लिया है. 12वीं क्लास के बाद उन्होंने पिता के साथ बातचीत के बाद क्रिकेट पर पूरा फोकस किया. परिवार ने उनका साथ दिया और घरेलू क्रिकेट में उत्तराखंड महिला टीम के लिए खेलना शुरू किया. 2023 सीनियर वीमेंस टी20 ट्रॉफी में उन्होंने सबसे ज्यादा विकेट लिए. उत्तराखंड प्रीमियर लीग 2024 के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच बनीं. इसके बाद ड्रुक्क 2025 में उन्हें आरसीबी ने 1.2 करोड़ की बड़ी कीमत पर खरीदा.



अब भारत-न्यूजीलैंड में ODI की जंग, ROKO का होगा दीदार

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 सीरीज 3-2 से जीतने के बाद भारतीय टीम अब न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उतरेगी. दोनों देशों के बीच पांच मैचों की सीरीज आज से शुरू होगी. इस दौरे पर टीम इंडिया की नजरें 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों पर भी रहेंगी. सीरीज का पहला मुकाबला ऑकलैंड के ईडन पार्क में है, जबकि आखिरी मैच 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई के बे ओवल में होगा. भारत ने अपनी पिछली वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज को घरेलू मैदान पर 2-1 से हराया था. अब टीम की कोशिश न्यूजीलैंड में तीसरी बार द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीतने की होगी. वहीं, न्यूजीलैंड ने अपना पिछला वनडे दौरा जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ किया था, जहां उसने पांच मैचों की सीरीज 3-2 से जीती थी.

भारत की कप्तानी में होगा बदलाव – भारतीय टीम की कप्तानी शुरुआती तीन वनडे में शुभमन गिल करेंगे. आखिरी दो मुकाबलों में श्रेयस अय्यर कप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगे. जसप्रीत बुमराह को इस सीरीज से आराम दिया गया है. वहीं, चोटिल प्रसिद्ध कृष्णा की जगह शुरुआती तीन वनडे के लिए औकिब नबी को टीम में शामिल किया गया है.

पहले तीन वनडे के लिए: मिचेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉन्वे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जेमीसन, टॉम लाथम (विकेटकीपर), टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, नाथन स्मिथ, विल यंग, ब्लेयर टिकनर और हेनरी निकोल्स.

आखिरी दो वनडे के लिए: मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, लॉकी फर्ग्यूसन, मिच हे (विकेटकीपर), निक केली, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर, विल यंग और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट.

भारत की वनडे टीम: पहले तीन वनडे के लिए अपडेटेड स्क्वॉडः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और नीतीश कुमार रेड्डी (केवल पहला वनडे).

चौथे और पांचवें वनडे के लिए अपडेटेड स्क्वॉडः श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर और उपकप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव.